आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,मंगलवार 08 सितंबर 2026 ■ भाद्रपद कृष्ण पक्ष-10 ■ वर्ष -42 ■ अंक-160 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 09 सितंबर 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

पीएम मोदी ने आधी रात मंत्रियों के साथ की 3 घंटे बैठक

मंत्रालयों के परफार्मेंस का आकलन किया

नई दिल्ली,8 सितंबर। मोदी कैबिनेट में फेरबदल की आहट शुरू हो गई है। पीएम नरेंद्र मोदी ने आधी रात 12 से अधिक केंद्रीय राज्यमंत्रियों के साथ 3 घंटे बैठक की। ये सभी मंत्री स्वतंत्र प्रभार संभाल रहे हैं। तीन घंटे से ज्यादा समय तक चली मैराथन बैठक में मंत्रियों ने अपने-अपने मंत्रालयों के कामकाज की जानकारी प्रधानमंत्री को दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रालयों के परफार्मेंस का आकलन किया। आगामी हफ्तों में राज्य मंत्रियों के साथ और भी बैठकें होंगी। इनको मंत्रिमंडल में संभावित फेरबदल से भी जोड़ा जा रहा है क्योंकि ऐसी बैठकों से PM राज्यमंत्रियों की परफार्मेंस का भी आकलन कर रहे हैं। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने टाइम-बाउंड डिलीवरी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं और योजनाओं को तय समय में पूरा किया जाना

चाहिए। काम की गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए। योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखें।

यह भी सुनिश्चित करें कि सरकारी योजनाओं का फायदा लाभार्थियों तक सीधे पहुंचे। वहीं मंत्रियों ने अब तक किए गए सुधारों और नई पहलों के बारे में बताया। उन्होंने अपने मंत्रालय की योजनाओं और काम की प्रगति की भी जानकारी दी। बैठक में सरकार की योजनाओं को जमीन पर तेजी से लागू करने पर जोर दिया गया। बैठक में विकसित भारत 2047 का लक्ष्य भी प्रमुख मुद्दा रहा। प्रधानमंत्री ने मंत्रियों से उनके मंत्रालय के विजन के बारे में पूछा. उन्होंने यह भी जानना चाहा कि 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के लिए उनके मंत्रालय की क्या योजनाएं हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मंत्रालयों का काम विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखकर होना चाहिए। हर काम में समय की पाबंदी, गुणवत्ता और पारदर्शिता का ध्यान रखा जाना चाहिए। साथ ही 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखकर मंत्रालयों को अपनी योजनाओं और कामकाज को आगे बढ़ाना चाहिए। सूत्रों के मुताबिक, यह इस तरह की पहली बैठक थी। इसमें कैबिनेट मंत्री या शीर्ष नौकरशाह शामिल नहीं हुए। बैठक में स्वतंत्र प्रभार और अलग-अलग मंत्रालयों से जुड़े राज्यमंत्री मौजूद रहे। कृषि, शिक्षा, ग्रामीण विकास और सामाजिक न्याय जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़े राज्यमंत्रियों ने बैठक में हिस्सा लिया।

बिना अनुमति न्यायिक कार्यवाही की रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर शेयर करने पर अंतरिम रोक

बिलासपुर,8 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक कार्यवाही की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग को सोशल मीडिया अथवा अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बिना पूर्व अनुमति प्रसारित, अपलोड, पोस्ट, री-पोस्ट, मॉनेटाइज या संग्रहित करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार सहित संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया। याचिका में विभिन्न हाईकोर्ट को भी पक्षकार बनाए जाने का आग्रह किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने मौखिक उल्लेख पर आंध्र प्रदेश, इलाहाबाद, बॉम्बे, कलकत्ता, गुजरात, हिमाचल प्रदेश सहित अन्य हाईकोर्ट को प्रतिवादी बनाया। इनमें छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट भी प्रतिवादी क्रमांक 12 के रूप में शामिल है। बेंच ने सभी संबंधित हाईकोर्ट को निर्देशित किया कि वे सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रसारित लाइव स्ट्रीमिंग और कोर्ट कार्यवाही की रिकॉर्डिंग से संबंधित मॉडल नियमों को अपनाने की स्थिति पर स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करें। रिपोर्ट में लगातार और निर्बाध लाइव स्ट्रीमिंग के प्रभाव तथा इसकी व्यवहारिकता की जानकारी भी देने को कहा गया है। अंतरिम व्यवस्था के तहत सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि न्यायिक कार्यवाही की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग को सोशल मीडिया या किसी अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बिना सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल अथवा संबंधित हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की पूर्व अनुमति के उपयोग, प्रसार, अपलोड, ट्रांसमिट, संशोधित, स्टोर या होस्ट नहीं किया जा सकेगा। यह आदेश 24 जुलाई 2026 को हर्षिता ग्रोवर की रिट याचिका की सुनवाई के दौरान पारित किया गया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि इस अंतरिम आदेश का मान्यता प्राप्त समाचार संस्थानों द्वारा न्यायिक कार्यवाही की रिपोर्टिंग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। अधिकृत समाचार माध्यम पूर्ववत कोर्ट कार्यवाही की रिपोर्टिंग कर सकेंगे।

पैरा तीरंदाजी में छग को गोल्ड

रायपुर,8 सितंबर। पैरा वर्ल्ड सीरीज अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता 10 सितंबर तक अहमदाबाद में आयोजित की गई है। प्रतियोगिता में आज छत्तीसगढ़ के तीरंदाज टोमन कुमार ने टीम इवेंट में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है.उम्मीद है शाम तक एक और मेडल वर्ल्ड आर्चरी टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ को मिलेगा। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा जी भारतीय तीरंदाजी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश मुरारका पूरे समय आयोजन में उपस्थित रहे.

अलग-अलग तालाब में मिली दो लाशें

बिलासपुर/कटघोरा,8 सितंबर। छत्तीसगढ़ के दो जिलों में आज सुबह दो लोगों की लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। बिलासपुर के मुरूम खदान में जहां महिला की लाश मिली, तो वहीं कोरबा के नवकोनिया तालाब में एक युवक का शव तैरता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मामले की जांच शुरु कर दी है। सकरी थाना क्षेत्र अंतर्गत पेंडारी की मुरूम खदान के तालाब में एक अज्ञात महिला की लाश तैरती हुई मिली, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। साथ ही उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरु कर दी है। पाली थाना क्षेत्र के मुख्य मार्ग पर स्थित नवकोनिया तालाब में मंगलवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति की तैरती हुई लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। राहगीरों की सूचना पर पाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर मामले की जांच शुरू की। शव से दुर्गंध आने के कारण पुलिस ने आशंका जताई है कि व्यक्ति की मौत करीब दो-तीन दिन पहले हुई होगी। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम और जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। सबसे अहम बात यह है कि घटनास्थल के पास ही एक मोटरसाइकिल लावारिस हालत में मिली है। पुलिस को आशंका है कि यह बाइक मृतक की हो सकती है।

छात्राओं के पैदल कलेक्टोरेट मार्च पर साय ने जताई नाराजगी

रायपुर,8 सितंबर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरगुजा जिले के शिवपुर एकलव्य आवासीय विद्यालय की छात्राओं के अपनी समस्याओं को लेकर पैदल कलेक्ट्रेट के लिए निकलने की घटना को गंभीरता से लिया है। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने सरगुजा कलेक्टर अजीत वसंत से दूरभाष पर चर्चा कर पूरे मामले की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने विद्यालय में लंबे समय से समस्याएं बने रहने और छात्राओं को अपनी बात रखने के लिए इस तरह पैदल निकलने की स्थिति उत्पन्न होने पर कड़ी नाराजगी जताई। मुख्यमंत्री साय ने कलेक्टर से कहा कि बच्चियों को अपनी बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए विद्यालय से पैदल निकलना पड़े, यह स्थिति किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं है।

कार की टक्कर से साइकिल सवार की मौत, दो घंटे चक्काजाम

राजिम/कोरबा, 8 सितंबर। छत्तीसगढ़ में सोमवार देर रात हुए दो सड़क हादसों में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि राजिम में सीमेंट से भरा ट्रक पुलिया के पास पलट गया। कोरबा में अज्ञात कार की टक्कर से साइकिल सवार की मौके

राजिम के फिंगेश्वर-महासमुंद मार्ग पर ग्राम भेंद्री की पुलिया के पास सीमेंट से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया।

पर ही मौत हो गई। दोनों मामलों में पुलिस फरार वाहन चालकों की तलाश कर रही है राजिम के फिंगेश्वर-महासमुंद मार्ग पर ग्राम भेंद्री की पुलिया के पास सीमेंट से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर फिंगेश्वर पुलिस पहुंची और जांच शुरू की। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया में रेलिंग नहीं होने से यहां हादसों का खतरा बना रहता है। पहले भी कई वाहन पुलिया से नीचे गिर चुके हैं। ग्रामीणों ने पुलिया पर सुरक्षा इंतजाम की मांग की है इधर, कोरबा के उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम खेरभावना के पास तेज रफ्तार अज्ञात कार ने साइकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी। मृतक की पहचान कनबेरी निवासी सुरेंद्र सिंह कंवर (47) के रूप में हुई। वह काम से कोरबा गए थे और देर रात साइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान कार ने उन्हें चपेट में ले लिया। गंभीर चोटों के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद ग्रामीणों ने करीब दो घंटे तक सड़क जाम कर दिया। उन्होंने क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की। पुलिस ने लोगों को समझाकर चक्काजाम समाप्त कराया। मृतक के परिवार को तत्काल 25 हजार रुपए की सहायता राशि दी गई है। पुलिस सीसीटीवी और अन्य माध्यमों से फरार कार चालक की तलाश कर रही है।

बुरे फंसे राहुल गांधी

'चौकीदार चोर' वाला केस रद्द करने से हाईकोर्ट का साफ इंकार

नई दिल्ली,8 सितंबर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बड़ा झटका लगा है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ चल रहे आपराधिक मानहानि मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया है। यह मामला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कथित तौर पर 'चौकीदार चोर है' 'चोरों के सरदार' और 'कमांडर-इन-थीफ' कहने वाली टिप्पणी से जुड़ा है। कोर्ट ने मंगलवार को राहुल गांधी की ओर से दायर याचिका पर यह फैसला सुनाया।

राहुल गांधी ने इस मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट की ओर से जारी समन को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। उनका तर्क था कि शिकायत सुनवाई योग्य नहीं है, क्योंकि उन्होंने अपने कथित बयान में किसी राजनीतिक दल का नाम नहीं लिया था और न ही किसी "पहचाने जा सकने वाले या निश्चित वर्ग" को निशाना बनाया था। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस नितिन बोरकर की सिंगल बेंच ने राहुल गांधी की दलील को खारिज करते हुए कहा कि बीजेपी एक पंजीकृत राष्ट्रीय राजनीतिक दल है और इसलिए वह निश्चित रूप से एक पहचान योग्य संस्था है। कोर्ट ने कहा कि शिकायतकर्ता का दावा है कि वह दो दशक से बीजेपी का सक्रिय सदस्य रहा है। पहली नजर में प्रधानमंत्री को, जो बीजेपी के सदस्य हैं, "कमांडर-इन-थीफ" बताने

वाले बयान को सिर्फ पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व तक सीमित नहीं माना जा सकता। कोर्ट के मुताबिक, इस बयान का वास्तविक आशय क्या था और इसका पार्टी के सदस्यों पर क्या प्रभाव पड़ा, यह सवाल मुकदमे के दौरान विचार किया जाना है। यह शिकायत बीजेपी कार्यकर्ता महेश श्रीश्रिमल ने मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के सामने दायर की थी। मजिस्ट्रेट ने राहुल गांधी को समन जारी किया था। शिकायतकर्ता का कहना था कि राहुल गांधी की टिप्पणी प्रधानमंत्री को निशाना बनाने के साथ-साथ सत्तारूढ़ पार्टी और उसके सदस्यों तक भी जाती है और इससे उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। उनका दावा था कि नरेंद्र मोदी को "चोरों के सरदार" कहने से बीजेपी के सभी सदस्यों को "चोर" के रूप में पेश किया गया। इसी आधार पर उन्होंने मानहानि की कार्यवाही शुरू करने का अधिकार होने की दलील दी। राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सुदीप पासबोला ने हाईकोर्ट में दलील दी कि कथित ट्वीट में राहुल गांधी ने बीजेपी या किसी राजनीतिक दल का नाम नहीं लिया था। उन्होंने कहा कि किसी "पहचाने जा सकने वाले या निश्चित वर्ग" को निशाना नहीं बनाया गया है। ऐसे में कोई स्पष्ट रूप से पीड़ित व्यक्ति या समूह मौजूद नहीं है, इसलिए शिकायतकर्ता के पास आपराधिक मानहानि का मामला चलाने का अधिकार नहीं है राहुल गांधी की याचिका का महाराष्ट्र के एडवोकेट जनरल डॉ. मिलिंद साठे ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि कोर्ट को यह देखना होगा कि मानहानि के अपराध के लिए जरूरी तत्व मौजूद हैं.

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर लाखों की ठगी

धमतरी,8 सितंबर। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में शेयर ट्रेडिंग और निवेश के नाम पर लाखों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। वेल्थ ट्रेकर कंपनी के संचालक पर 25 लाख की ठगी करने का आरोप लगा है, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। यह पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। आरोप है कि कलेक्ट्रेट के पास 'वेल्थ ट्रेकर' नाम से कंपनी संचालित करने वाले विक्रम सिंह शाह ने शेयर मार्केट में निवेश कर कम समय में ज्यादा मुनाफा दिलाने का झांसा दिया। इसके बाद प्रार्थी से अलग-अलग किस्तों में 25 लाख रुपये लिए गए। आरोप है कि रकम लेने के बाद जब प्रार्थी ने अपने निवेश की राशि और कथित मुनाफे की मांग की, तो उसे रकम वापस नहीं मिली। इसके बाद प्रार्थी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत सामने आने के बाद पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस कंपनी से जुड़े लेन-देन, निवेश संबंधी दस्तावेज और रकम के ट्रांजेक्शन की जांच कर सकती है। वहीं, इस मामले में कथित तौर पर करोड़ों रुपये के लेन-देन और अन्य निवेशकों से भी रकम लिए जाने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। कुल कितनी रकम की ठगी हुई है और लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है, यह पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

अमेरिका में नौकरीपेशा वालों के लिए ग्रीन कार्ड हासिल करना मुश्किल

वाशिंगटन,8 सितंबर। अमेरिका से भारतीयों के लिए बुरी खबर आई है। EB-1 कैटेगरी के तहत अमेरिकी ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे हजारों भारतीयों को बड़ा झटका लग सकता है। अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट ने चेतावनी दी है कि ज्यादा मांग की वजह से 30 सितंबर को खत्म होने वाले फाइनेंशियल ईयर से पहले ही ये कैटेगरी फुल हो सकती है। स्टेट डिपार्टमेंट ने कहा कि अमेरिका का फाइनेंशियल ईयर खत्म होने से पहले ही भारत के लिए तय EB-1 कोटा खत्म हो

सकता है। इससे EB-1 यानी नौकरीपेशा वालों के लिए ग्रीन कार्ड हासिल करना मुश्किल हो सकता है। US स्टेट डिपार्टमेंट की यह चेतावनी सितंबर के वीजा बुलेटिन में आई है। बता दें कि ग्रीन कार्ड उन खास लोगों के लिए होता है, जिनमें असाधारण काबिलियत होता है। जैसे कि प्रोफेसर, रिसर्चर, मल्टीनेशनल कंपनियों के एग्जीक्यूटिव या फिर मैनेजर। बुलेटिन के अनुसार 30 सितंबर को अमेरिका का फाइनेंशियल ईयर खत्म होने से पहले ही भारत के लिए तय EB-1 कोटा खत्म हो सकता है। स्टेट डिपार्टमेंट ने कहा कि EB-1 वीजा कैटेगरी में भारत से जुड़े विदेशी नागरिकों की ज्यादा मांग और वीजा के इस्तेमाल की वजह से आने वाले हफ़्तों में इस कैटेगरी को बंद करना पड़ सकता है। अगर फाइनेंशियल ईयर खत्म होने से पहले ही EB-1 कैटेगरी में भारत की तय सीमा पूरी हो जाती है। इस स्थिति पर लगातार नजर रखी जाएगी और जरूरत के हिसाब से बदलाव किए जाएंगे। स्टेट डिपार्टमेंट की वेबसाइट पर मौजूद डेटा के अनुसार वित्त वर्ष 2026 के लिए इमिग्रेशन एंड नेशनेलिटी एक्ट (INA) की धारा 201 की शर्तों के तहत दुनियाभर में रोजगार-आधारित प्राथमिकता सीमा 186,317 है। प्रति-देश सीमा कुल वार्षिक रोजगार सीमा का 7 प्रतिशत तय की गई है, जो कि 28,862 है।

छत्तीसगढ़ के 10 अस्पतालों को मिला 'ईट राइट' टैग

3 प्रतिष्ठान को हाइजीन रेटिंग सर्टिफिकेशन

रायपुर,8 सितंबर। छत्तीसगढ़ में आम नागरिकों को सुरक्षित, स्वच्छ, पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए 'ईट राइट इंडिया' पहल के तहत लगातार गतिविधियां संचालित की जा रही हैं. खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा प्रमाणन, प्रशिक्षण, जागरूकता और प्रवर्तन गतिविधियों के जरिए खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है. इसी कड़ी में 10 अस्पतालों को ईट राइट टैग मिला है. वहीं खैरागढ़ के तीन खाद्य प्रतिष्ठानों को हाइजीन रेटिंग सर्टिफिकेशन से सम्मानित किया गया है. प्रदेश में ईट राइट कैंपस, हाइजीन रेटिंग और FoSTaC प्रशिक्षण के क्षेत्र में पिछले 3 महीनों में लगातार उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है. ईट राइट कैंपस प्रमाणन के तहत जिला अस्पताल कांकेर, बलरामपुर, सूरजपुर, कोरिया, जशपुर, मुंगेली, राजनांदगांव और बीजापुर के साथ SSIMS Hospital दुर्ग को 'ईट राइट' टैग दिया गया है. इसी तरह खैरागढ़ के तीन खाद्य प्रतिष्ठानों को हाइजीन रेटिंग प्रमाणन मिला है. इस प्रमाणन का उद्देश्य खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा के निर्धारित मानकों के पालन को बढ़ावा देना है.खाद्य सुरक्षा से जुड़े मानकों और बेहतर खाद्य प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए बलरामपुर, कोरबा, महासमुंद, कोरिया, धमतरी, सरगुजा, मनेंद्रगढ़ और रायपुर सहित विभिन्न जिलों में FoSTaC प्रशिक्षण आयोजित किए गए हैं.

अब नाराज फूफा को काम मिल गया: मोदी

गांधीनगर,8 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ने वडोदरा में 35 हजार करोड़ रुपए की योजनाओं को उद्घाटन और शिलन्यास करने के बाद विपक्ष पर जमकर निशाना साधा नाम लिए बिना उन्हें नाराज फूफा बताया। उन्होंने फ्रेट कॉरिडोर को विकसित भारत की जीवन रेखा बताते हुए इसके कई फायदे गिनाए। उन्होंने डबल डेकर मालगाड़ी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा इससे 250 से ज्यादा ट्रकों के बराबर का सामान एक बार में चला गया लेकिन अब नाराज फुफा को चिल्लाने का मौका मिल गया है।

पीएम मोदी ने कहा, ये फ्रेट कॉरिडोर एक और वजह से कमाल का है। हाल ही में JNPT पोर्ट मुंबई से वडोदरा तक डबल स्टैक कंटेनर

मालगाड़ी का संचालन किया गया है। इस मालगाड़ी के चलने से एक बार में ही 250 से ज्यादा ट्रकों के बराबर का सामान मुंबई से वडोदरा चला आया। लेकिन अब ये जो नाराज फूफा जी हैं, वो चिल्लाएंगे कि ट्रक वालों का क्या होगा, ट्रक कहा जाएंगे, उनका क्या होगा? अब इन फूफा जी को काम मिल गया है।

पीएम मोदी ने कहा, फ्रेट कॉरिडोर के साथ-साथ अब भारत में रेल वहां भी पहुंच रही है जहां इतने दशकों तक नहीं पहुंची थी। गुजरात हो, मध्य प्रदेश हो, महाराष्ट्र हो, यहां जो आदिवासी क्षेत्र हैं, वे भी इस परियोजना के द्वारा रेल से जुड़ रहे हैं। पहले की सरकार में बजट में 1-2 ट्रेनों की घोषणा होती थी और उसके भी साल भर ढोल पीटे जाते थे। जबकि आज देश में साल भर एक के बाद एक नई ट्रेनें चलाई जा रही हैं। आज भी इस कार्यक्रम में कई नई ट्रेनें शुरू हुई हैं।

उन्होंने कहा, इस साल का रेल बजट पौने 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। ये 12 सालों पहले की तुलना में कई गुना अधिक है। यानी रेलवे के आधुनिकीकरण पर हो रहा खर्च हजारों-हजार नए रोजगार बना रहा है। उन्होंने कहा, झूठ की गूंज से भरमाने वाले हर चौराहे पर मिल जाएंगे। लेकिन भारत का नौजवान सच की हुंकार से चलता है, सच की हुंकार के साथ चलता है, सच की हुंकार के लिए चलता है। हमारे युवा साथी ये देख रहे हैं कि आज देश में सोलर हो, विंड हो, हाइड्रो हो, न्यूक्लियर हो, सारे सेक्टर पर सरकार कितने फोकस से काम कर रही है।

कोलकाता के कालीघाट मंदिर में 1,000 करोड़ के घोटाले का आरोप

कोलकाता,8 सितंबर। कोलकाता के सुप्रसिद्ध कालीघाट मंदिर के गहनों की चाबी 1980 से गायब है. सीएम शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि हमने कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन से इस मामले की जांच करने को कहा है. कोलकाता के कालीघाट मंदिर से जुड़ी एक गंभीर घटना सामने आई है, जिसमें 1000 करोड़ रुपए से अधिक के भ्रष्टाचार की बात की जा रही है. वहीं इस मामले को लेकर कोलकाता के पुराने जमींदार सबर्ण रॉय चौधरी परिवार ने दक्षिण 24 परगना के जिला जज से संपर्क किया है. कोलकाता का पुराना जमींदार परिवार ने एफआईआर दर्ज करने की मांग की है. सबर्ण रॉयचौधरी परिवार ने मंदिर के खजाने की सुरक्षा पर चिंता जताते हुए कोर्ट में अर्जी दी है. कोलकाता के ऐतिहासिक कालीघाट मंदिर को लेकर हाल ही में एक बड़े विवाद में 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के संभावित घोटाले और वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है. कोलकाता के पुराने जमींदार सबर्ण रॉय चौधरी परिवार ने दक्षिण 24 परगना के जिला जज से संपर्क किया है. दक्षिण 24 परगना के जिला जज

कालीघाट मंदिर समिति के पदेन अध्यक्ष भी होते हैं. परिवार के सदस्य सचिव देबर्षी रॉय चौधरी का दावा है कि मंदिर से संबंधित लंबे समय से चले आ रहे सवालों का जवाब अभी तक नहीं मिला है, क्योंकि मंदिर प्रबंधन में पारदर्शिता की कमी है. सबर्ना रॉय चौधरी परिवार ने कालीघाट मंदिर से संबंधित विभिन्न मुद्दों को लेकर अलीपुर जिला न्यायाधीश से संपर्क किया है, जिनमें 1980 से लापता तिजोरी की चाबी भी शामिल है. जबकि यह तिजोरी एक सरकारी बैंक में रखी है. परिवार ने यह भी आरोप लगाया है कि मंदिर की संपत्ति का हिसाब रखने वाली समिति का कार्यकाल खत्म हो चुका है, जिसके चलते वहाँ लूट मची हुई है.

सेवा संकल्प अभियान एवं समरसता संकल्प अभियान के तहत भाजपा ने किया कलश वितरण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 8 सितम्बर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान एवं गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान के तहत सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय सुपेला में कलश वितरण एवं मासिक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला भिलाई संगठन प्रभारी रामजी भारती, क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी तथा छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल अध्यक्ष नीलू शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने की। इस अवसर पर भूपेंद्र सवन्नी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष राष्ट्र सेवा, समर्पण और जनकल्याण की प्रेरणादायी यात्रा हैं। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से उनके सेवा भाव को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का अवसर मिला है। नीलू शर्मा ने कहा कि सेवा केवल जरूरतमंदों की सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलना भी सेवा का महत्वपूर्ण स्वरूप है। रामजी भारती ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की प्रतिबद्धता का उदाहरण है। वहीं संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज का जीवन सामाजिक समानता, भाईचारे और समरसता का संदेश देता है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि सेवा और समरसता के माध्यम से ही सशक्त एवं एकजुट समाज का निर्माण संभव है। जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने कहा कि भाजपा के लिए सेवा कोई एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि संगठन की मूल कार्य संस्कृति है। कार्यक्रम प्रभारी एवं जिला महामंत्री सुषमा जेठानी ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत किया। जिला महामंत्री मनीष अग्रवाल ने कहा कि सेवा से समाज मजबूत होता है और समरसता से समाज एकजुट होता है। बैठक में जिला पदाधिकारी, जिला कार्यसमिति सदस्य, मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री, विभिन्न मोर्चों एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं ने सेवा, समर्पण, सामाजिक समरसता, समानता एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प को मंडल और बूथ स्तर तक पहुंचाने तथा अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

क्रय एवं क्रियान्वयन से जुड़ी चुनौतियों पर हुआ विचार-विमर्श

भिलाई, 8 सितम्बर। बीएसपी के सतर्कता विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के पूर्व चलाए जा रहे अभियान के तहत मैकेनिकल संगठन के लिए सतर्कता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक एवं अतिरिक्त मुख्य सतर्कता अधिकारी सुनील सिंगल तथा मुख्य महाप्रबंधक विवेक वर्मा ने की। संचालन उप महाप्रबंधक मो. नौशाद आलम एवं नवनीत शर्मा ने किया।

एक नजर

गांजा बेचने के आरोप में युवक गिरफ्तार

भिलाई, 8 सितंबर (तछसं.)। भिलाई गांजा का अवैध कारोबार करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है पद्मनाभपुर टीआई राजेश मिश्रा ने बताया मुखबिर की सूचना पर दुर्ग बस स्टैण्ड स्थित यात्री प्रतीक्षालय के पास अवैध रूप से गांजा बेचने की शिकायत मिली मौके पर पहुंची पद्मनाभपुर थाने पुलिस ने घेराबंदी कर अंतुले नगर, येवलेबाड़ी, थाना कोंढवा, जिला पुणे, महाराष्ट्र निवासी वसंत श्याम राव ओमकारे को गिरफ्तार किया आरोपी के पास से काले रंग के बैग की तलाशी लेने पर गांजा बरामद हुआ कुल 2.520 किलोग्राम गांजा था पुलिस नेकम, मोबाइल फोन जब्त किया है।

32 लाख गबन,कैशियर गिरफ्तार

भिलाई, 8 सितंबर (तछसं.)। हाईटेक अस्पताल की करीब 32 लाख रुपए की नकद राशि के गबन के मामले में स्मृति नगर चौकी पुलिस ने

अस्पताल के कैशियर जसविंदर सिंह (46 साल) को गिरफ्तार किया है आरोप है कि वह अस्पताल की राशि बैंक में जमा करने के बजाय अपने पास रखता था। पुलिस ने गबन की रकम से खरीदा गया करीब डेढ़ लाख रुपए कीमत का मोबाइल जब्त किया है स्मृति नगर चौकी प्रभारी अमित आनंद ने बताया कि अस्पताल संचालक मनोज अग्रवाल की शिकायत पर मामले की जांच शुरू की गई। शिकायत के अनुसार, आबांधा सेक्टर निवासी जसविंदर सिंह करीब छह वर्षों से अस्पताल में कैशियर के पद पर कार्यरत था वह अस्पताल की नकद राशि बैंक में जमा नहीं कर रहा था। पुलिस ने अस्पताल के दस्तावेज, वित्तीय लेन-देन और बैंक जमा से संबंधित रिकॉर्ड की जांच की, जिसमें प्रथम दृष्ट्या करीब 32 लाख रुपए का गबन सामने आया फर्जी जानकारी देकर बचता रहा पुलिस जांच में सामने आया कि कैशियर के पद का फायदा उठाकर जसविंदर अस्पताल की रकम अपने कब्जे में रखता था इस के बाद अधिकारियों को ई-मेल के जरिए राशि बैंक में जमा किए जाने की गलत जानकारी भेज देता था। पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया गबन की रकम के इस्तेमाल की जानकारी मिलने पर उसके कब्जे से मोबाइल जब्त किया गया।

मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

भिलाई, 8 सितंबर (तछसं.)। प्रार्थी विजय कुमार रात्रे (28 साल) निवासी देवबलोदा अपनी ड्यूटी से वापस आने के बाद रात्रि करीब 10 बजे उमेश अग्रवाल के साथ बाजार चौक में बैठा था इसी दौरान गांव का देवकुमार ठाकुर वहां आया और प्रार्थी के गांजा उपलब्ध कराने की मांग की प्रार्थी ने गांजा नहीं रखने की बात कहने पर आरोपी ने विवाद करते हुए प्रार्थी के साथ हाथ थप्पड़ से मारपीट एवं गाली-गलौज की इसके बाद आरोपी हथियार लहराते हुए धमकी देने पर प्रार्थी की नानी लता अग्रवाल, मां सरस्वती रात्रे एवं बहन माया चंदेल बीच-बचाव करने पहुंची इस दौरान आरोपी ने लता अग्रवाल के सिर तथा सरस्वती रात्रे के दाहिने हाथ पर धारदार हथियार से वार कर चोट पहुंचाई और मौके से फरार हो गया रिपोर्ट पर पुरानी भिलाई थाने पुलिस मामले में आरोपी देवकुमार ठाकुर (23 साल) निवासी देवबलोदा को गिरफ्तार किया है ।

सड़क पर स्टंट,पुलिस ने की कार्रवाई

भिलाई, 8 सितंबर (तछसं.)। भिलाई जामुल टीआई राकेश खुटेश्वर ने बताया कि थाना जामुल क्षेत्र में बुलेट में तीन युवक सवार होकर तेज आवाज वाले मॉडिफाइड साइलेंसर के साथ स्टंटबाजी करते हुए तेज एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाकर रील बना रहे थे तथा दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न हो रही थी पुलिस स्टाफ द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहन चालक को रोककर पूछताछ एवं जांच की गई चालक पवन तिवारी निवासी हाउसिंग बोर्ड जामुल जिला दुर्ग को शराब के नशे में वाहन चलाते पाया इस संबंध में थाना जामुल में धारा 281 एवं धारा 184, 185 मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई घटना के लगभग पांच मिनट बाद काले रंग की बिना नंबर प्लेट वाली थार वाहन से कुछ युवक थाना परिसर पहुंचे पुलिस ने उनका अल्कोहल परीक्षण कराया गया, जिसमें पांचों युवक शराब के नशे में पाए गए ।

म्यूल खाताधारकों पर कार्रवाई

भिलाई, 8 सितंबर (तछसं.)। भिलाई चार खाता धारकों के खिलाफ पद्मनाभपुर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है बोरसी निवासी अमित प्रसाद के मोबाईल पर अज्ञात का फोन आया था अज्ञात ने जेरोधा शेयर ट्रेडिंग एप में शेयर ट्रेडिंग का काम शुरू करने पर 3-4 लाख रुपए का लाभ खाते में आने का झांसा दिया। एप कैपिटल मोन्क के बारे में भी अज्ञात ने बताया कि कंपनी द्वारा 25 लाख रुपए लगाकर ट्रेडिंग किया जाता है ।

खुले घूमते मवेशियों से अपनी फसल बचाना किसानों के लिए बड़ी चुनौती

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई,8 सितंबर। अंचल के किसान इन दिनों भारी जद्दोजहद और मशक्कत के बीच अपनी फसल बचाने को मजबूर हैं। आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या और ग्रामीण पशुपालकों की उदासीनता के चलते मवेशी अब घरों में रहने के बजाय सड़कों पर डेरा डाले रहते हैं। फसलों को बचाने के लिए किसानों को अनूठे और संघर्षपूर्ण उपाय अपनाने पड़ रहे हैं।

सुरक्षा के अनोखे जतन

मवेशियों के आतंक से फसलों की रक्षा के लिए किसान पुराने कपड़ों और साड़ियों को खेतों के चारों ओर बांधकर घेराबंदी कर रहे हैं। इसके अलावा, खेल में प्रयुक्त होने वाले नायलॉन के नेट (रस्सी के जाल) का उपयोग करके भी खेतों की किलेबंदी की जा रही है ताकि जानवर अंदर न घुस सकें।

गौठान व्यवस्था की विफलता और बाहरी मवेशी

ग्रामीण स्तर पर गौठानों में मवेशियों को रखकर उनकी देखभाल के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन व्यवस्थाएं पटरी से उतरती नजर आ रही हैं। असामाजिक तत्व लगातार गौठान के सुरक्षा घेरे को तोड़कर मवेशियों को बाहर निकाल देते हैं। इसके साथ ही, आसपास के गांवों के किसानों द्वारा अपने यहां के आवारा पशुओं को रात के समय गाड़ियों में भरकर अन्य गांवों में छोड़ दिए जाने से स्थिति और गंभीर हो गई है।

रतजगा और अस्थायी मचान

सेलुद क्षेत्र के किसानों ने फसल सुरक्षा के लिए सामूहिक पहल की है। खार के सभी किसान मिलकर बारी-बारी से रात में रतजगा करते हैं। इस कार्य के लिए एक मुखिया का चयन किया जाता है, जिसके नेतृत्व में किसान सड़क किनारे अस्थायी झोपड़ी (छपरी) बनाकर पूरी रात जागते हैं और मवेशियों को खेतों से दूर रखते हैं।

शासन-प्रशासन और विकास कार्यों से निराशा

किसानों का कहना है कि सरकारें मंचों पर अन्नदाता का महिमा मंडन तो करती हैं, परंतु मैदानी स्तर पर ऐसी कठिन चुनौतियों से निपटने के लिए कोई ठोस मदद नहीं मिलती, जिससे किसानों में गहरी निराशा है। इसके अलावा, क्षेत्र से गुजरने वाले सिक्स लेन सड़कों के जाल ने किसानों के आवागमन और खेतों के पानी की निकासी के पारंपरिक रास्तों को बाधित कर दिया है। मुआवजे की राशि में विसंगतियों और जमीन की नाप-जोख में अंतर को लेकर भी किसानों में भारी रोष और चिंता व्याप्त है।

बागेश्वर कसौधन वैश्य समाज के अध्यक्ष बने श्याम गुप्ता

भिलाई, 8 सितम्बर। श्री बागेश्वर कसौंधन वैश्य समाज की आमसभा संपन्न हुई। अध्यक्षता अध्यक्ष सुनील गुप्ता ने की। इस दौरान समाज के विकास एवं आगामी कार्य योजनाओं को लेकर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। सभा में समाज के कोषाध्यक्ष कृष्णा गुप्ता ने इस वर्ष का आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। बैठक में समाज के सामाजिक भवन निर्माण के विषय पर विस्तार से चर्चा हुई। भवन निर्माण के लिए सांसद एवं क्षेत्रीय विधायक से संपर्क कर आवश्यक सहयोग प्राप्त करने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। इसके पश्चात समाज की चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई, जिसमें श्याम गुप्ता को सर्वसम्मति से भिलाई का नया अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ संरक्षक धनीराम गुप्ता, संयोजक राजेंद्र गुप्ता एवं योगेश गुप्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शारदा प्रसाद गुप्ता, सुभाष गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष नमित गुप्ता, बालचंद गुप्ता, राजेश गुप्ता, मन्नू गुप्ता, आर.डी. गुप्ता, सुशील गुप्ता सहित बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे। महिला इकाई से भिलाई महिला अध्यक्ष श्रीमती नीतू गुप्ता, सचिव श्रीमती अल्का गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्रीमती नेहा गुप्ता एवं सलाहकार श्रीमती सुनीता दिनेश गुप्ता सहित अन्य महिला पदाधिकारी उपस्थित रहीं।

समाचार संक्षेप

करंट की चपेट में आए नन्हे बंदर 'वायु' को बेहतर उपचार के लिए कानन पेंडारी भेजा गया

कवर्धा, 8 सितंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता) । करंट की चपेट में आने से घायल हुए एक नन्हे बंदर के बच्चे 'वायु' को बेहतर

उपचार एवं आवश्यक देखभाल के लिए कानन पेंडारी वन्य प्राणी चिकित्सालय, बिलासपुर ले जाकर सुरक्षित रूप से चिकित्सालय स्टाफ के सुपुर्द किया गया।दिनांक 28 अगस्त 2026 को बंदर के बच्चे के करंट की चपेट में आने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही उसे तत्काल जिला पशु चिकित्सालय, कवर्धा ले जाया गया, जहां डॉ. अभिषेक लांझेकर एवं उनकी टीम द्वारा प्राथमिक उपचार एवं आवश्यक चिकित्सकीय सहयोग प्रदान किया गया।बंदर का बच्चा बहुत छोटा होने के कारण चिकित्सकों की सलाह पर कुछ दिनों तक घर पर ही उसकी नियमित देखभाल की गई। देखभाल के दौरान कुछ सुधार हुआ, लेकिन अपेक्षित सुधार नहीं होने पर उसे पुनः जिला पशु चिकित्सालय ले जाया गया। चिकित्सकीय सलाह के अनुसार बेहतर उपचार के लिए उसे रायपुर सफारी अथवा कानन पेंडारी, बिलासपुर ले जाने की आवश्यकता बताई गई।इसके बाद वन विभाग कबीरधाम से संपर्क किया गया। इस दौरान एसडीओ श्री अभिनव सर, रेंजर श्री विप्लव जी एवं डिप्टी रेंजर श्री सोनी जी से चर्चा कर आवश्यक सहयोग प्राप्त किया गया। साथ ही वन मंडलाधिकारी महोदय को आवेदन प्रस्तुत किया गया। वन विभाग के सहयोग एवं आवश्यक प्रक्रिया के बाद आज 07 सितंबर 2026 को घायल बंदर के बच्चे 'वायु' को सुरक्षित रूप से कानन पेंडारी वन्य प्राणी चिकित्सालय, बिलासपुर पहुंचाया गया, जहां उसे आगे के उपचार एवं आवश्यक देखभाल के लिए चिकित्सालय स्टाफ के सुपुर्द किया गया। हनुमंत सेवा समिति, कवर्धा के दीपक सोनी ने 'वायु' के उपचार एवं सुरक्षित रूप से बेहतर चिकित्सा सुविधा तक पहुंचाने में सहयोग करने के लिए वन विभाग कबीरधाम एवं जिला पशु चिकित्सालय कवर्धा का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से वन मंडलाधिकारी महोदय, वन परिक्षेत्र अधिकारी महोदय, एसडीओ श्री अभिनव सर, रेंजर श्री विप्लव जी, डिप्टी रेंजर श्री सोनी जी एवं पूरी वन विभाग टीम के साथ-साथ डॉ. अभिषेक लांझेकर एवं जिला पशु चिकित्सालय कवर्धा की पूरी टीम तथा श्री नीलू सोनी जी के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। सभी के सहयोग एवं संवेदनशील प्रयासों से नन्हे 'वायु' को बेहतर उपचार की उम्मीद मिली है। अब उसके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना है ।

पठनवार प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

पाटन,8 सितंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता) । समग्र शिक्षा, जिला शिक्षा विभाग एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के मार्गदर्शन

में विकासखंड स्तरीय पठनवार प्रतियोगिता का आयोजन डीआरएस, सागेस (बालक) पाटन में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्पीड रीडिंग, स्टोरी टेलिंग, मैथ मैजिक, स्पीड कैलकुलेशन एवं क्विज बैटल सहित विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उनकी प्रतिभा को पहचानकर उन्हें उचित मंच और अवसर प्रदान करने की है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उनकी सीखने, सोचने और आगे बढ़ने की क्षमता को मजबूत करते हैं। श्रीमती नायक ने कहा कि पठन-पाठन बच्चों के सर्वांगीण विकास का आधार है। नियमित पठन से समझ, कल्पना शक्ति, भाषा कौशल एवं आत्मविश्वास का विकास होता है। उन्होंने शिक्षकों एवं आयोजन से जुड़े सभी लोगों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों को बेहतर शिक्षा एवं अवसर उपलब्ध कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में नगर पंचायत पाटन अध्यक्ष योगेश निवकी भाले, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी डालेन्द्र देवांगन सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण समाज की बैठक संपन्न

भिलाई, 8 सितम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता) । स्मृति नगर स्थित छत्तीसगढ़ ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण समाज की प्रांतीय बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष राकेश भट्ट ने की। शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। बैठक में दुर्ग जिला अध्यक्ष मन्नू शर्मा के 31 अगस्त को बीएसपी की शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने पर समाजजनों ने श्रीफल, शॉल एवं पुष्पहार भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। वीडियो कॉल के माध्यम से ब्रह्म सत्य पत्रिका के संपादक अक्षय रॉय ने भी मन्नू शर्मा को सेवानिवृत्ति पर शुभकामनाएं दीं। समाज के कार्यों को गति देने के लिए सदस्यों से स्वैच्छिक सहयोग राशि लेने का निर्णय भी पारित किया गया। वित्तीय पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आय-व्यय का विस्तृत विवरण तैयार कर विधिवत लेखा-परीक्षण कराने पर चर्चा हुई। अंत में समाज के सक्रिय कार्यकर्ता व्यास नारायण शर्मा एवं अयोध्या प्रसाद शर्मा के 3 सितंबर को हुए आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में श्रीमती आभा भट्ट, विष्णु शर्मा, नगर निगम भिलाई के अधिकारी संजय शर्मा, रिसाली के संजय शर्मा, मन्नू शर्मा, संजय ब्रह्मभट्ट, अशोक शर्मा, एस.एन. शर्मा, ए.आर. शर्मा सहित समाज के अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जामुल नगर पालिका निर्वाचन की आरक्षण प्रक्रिया निर्धारित

जामुल। नगर पालिका परिषद के आगामी निर्वाचन के लिए आरक्षण संबंधी प्रक्रिया निर्धारित की गई है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने अवगत कराया कि छत्तीसगढ़ नगर पालिका (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं महिलाओं के लिए वार्डों का आरक्षण) नियम, 1994 के अधीन नगर पालिका परिषद जामुल के वार्ड आरक्षण की कार्यवाही 17 सितम्बर को पूर्वाह्न 11 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, दुर्ग में आयोजित की जाएगी।

बीएसपी लोहा चोरी मामले में सियासत और तेज

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई,8 सितंबर। भिलाई स्टील प्लांट से लोहा चोरी के मामले में अब सियासत भी तेज हो गई है प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने इस मामले को लेकर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं उन्होंने दावा किया कि बीएसपी से हजारों करोड़ रुपए का लोहा चोरी हुआ है और इसके तार सीधे सीएम हाउस से जुड़े हैं बैज ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के साथ [illegible] और [illegible] से जांच कराने की मांग की है दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार के दौरान कोयला चोरी से लेकर बस्तर में आयरन की चोरी तक के मामले सामने आ रहे हैं उन्होंने आरोप लगाया कि भिलाई स्टील प्लांट से भी हजारों करोड़ रुपए का लोहा चोरी हुआ है बैज ने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस सरकार में क्या नहीं चल रहा है और क्या चोरी नहीं हो रही है भिलाई स्टील प्लांट से लोहा चोरी के मामले में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन लगातार आवाज उठा रहे हैं इस के बावजूद सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं किए जाने को लेकर दीपक बैज ने सवाल उठाए उन्होंने कहा कि भाजपा विधायक खुद इस मामले को उठा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद सरकार उनकी बात नहीं सुन रही है दीपक बैज ने कहा कि इस मामले की [illegible] और [illegible] से जांच होनी चाहिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सवालों के जवाब देने से बच रहे हैं इस का मतलब है कि चोर की दाढ़ी में तिनका है उन्होंने आरोप लगाया कि लोहा चोरी के तार सीएम हाउस से जुड़े हैं और यह चोरी भाजपा सरकार के संरक्षण में हुई है जब दीपक बैज से पूछा गया कि भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव इस मुद्दे को क्यों नहीं उठा रहे हैं तो उन्होंने इसका जवाब देने से इनकार कर दिया बैज ने कहा कि यह सवाल देवेंद्र यादव से ही पूछा जाना चाहिए कि वे इस मुद्दे को क्यों नहीं उठा रहे हैं पुलिस की कार्रवाई के बाद सामने आया था मामला भिलाई स्टील प्लांट से स्क्रैप चोरी का मामला उस समय सामने आया जब दुर्ग पुलिस ने अकलोरडीह स्थित एक कबाड़ यार्ड में कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में लौह स्क्रैप बरामद किया था पुलिस के मुताबिक, करीब 250 टन लौह स्क्रैप बरामद हुआ था, जिसकी कीमत करीब 3.22 करोड़ रुपए बताई गई थी जांच आगे बढ़ने के साथ पुलिस ने मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया बीएसपी के अधिकारी हिमांशु भूषण मल्लिक और इंजीनियरिंग एसोसिएट मनोज देवांगन समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया गया बाद में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 18 तक पहुंचने की जानकारी सामने आई सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही के आरोप में [illegible] के जवानों पर भी कार्रवाई की गई इस मामले में अब तक 5 से ज्यादा आरोपियों को जमानत मिल चुकी है इन में कथित मास्टरमाइंड संजय सिंह भी शामिल है ।

तीजा मिलन समारोह में उत्साह से शामिल हुईं महिलाएं

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 8 सितंबर। नगर साहू समाज उतई के तत्वावधान में माँ कर्मा सामुदायिक भवन शीतला नगर में तीजा मिलन समारोह का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई । कार्यक्रम का शुरुआत माँ कर्मा माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना और भव्य कलश यात्रा के साथ किया गया। कलश यात्रा में समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।समारोह के दौरान समाज की महिलाओं ने एक से बढ़कर एक मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और समूह नृत्य पेश किए। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार की मनोरंजक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पारंपरिक पकवानों पर आधारित व्यंजन की बगिया रही, जहाँ छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का स्वाद देखने को मिली।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री रमशीला साहू, पायल साहू, सुनीति साहू, नगर पंचायत उतई की अध्यक्ष सरस्वती साहू, लक्ष्मी साहू, भुनेश्वरी साहू विशिष्ट अतिथि विजयलक्ष्मी,एवं राधिका हिरवानी नगर साहू समाज के अध्यक्ष किशोर साहू ,सचिव गिरीश साहू ,कुशल साहू,भावेश साहू,द्वारिका साहू, खूबी साहू, लक्ष्मण साहू बृज मोहन साहू , शकुंतला साहू,प्रभा साहू,लीलावती साहू, टिकेश्वरी साहू,पूनम हिरवानी, उशलेखा साहू,भुनेश्वरी साहू, तेश्वरी साहू, रामेश्वरी साहू,ऋषि साहू, कृष्णा साहू,यज्ञ साहू तथा मंच संचालन शीला साहू सहित हजारों की संख्या में नगर साहू समाज की महिलाएं उपस्थित थी ।

सूर्या मॉल चौक से निगम ने हटाए अवैध होर्डिंग-बैनर

भिलाई, 8 सितम्बर। नगर निगम ने शहर के प्रमुख एवं व्यस्ततम सूर्या मॉल चौक पर सड़क किनारे विद्युत एवं अन्य पोल पर लगाए गए अवैध होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टरों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। बिना अनुमति प्रचार सामग्री लगाए जाने से जहां शहर की सुंदरता प्रभावित हो रही थी, वहीं वाहन चालकों की दृश्यता बाधित होने से सड़क दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई थी। निगम के नेहरू नगर क्षेत्र के राजस्व विभाग की टीम कार्रवाई के लिए मौके पर पहुंची। निगम अमले के पहुंचने की जानकारी मिलते ही संबंधित व्यवसायियों एवं एजेंसियों ने स्वयं पहल करते हुए सड़क किनारे लगे अपने होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टर हटाना शुरू कर दिया।

पाटन थाना प्रभारी युवराज साहू ने ग्रहण किया पदभार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

पाटन,8 सितंबर। यातायात विभाग में पदस्थ रहे युवराज साहू को पाटन थाना प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने सोमवार को पाटन थाने पहुंचकर विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद थाना प्रभारी युवराज साहू ने थाने में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने थाना क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, कानून-व्यवस्था, लंबित प्रकरणों तथा क्षेत्र में घटित होने वाले अपराधों की जानकारी ली। उन्होंने स्टाफ से क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं और संवेदनशील स्थानों के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। बैठक में थाना प्रभारी ने अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, असामाजिक तत्वों पर निगरानी तथा अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। इसके लिए पुलिसिंग को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने स्टाफ को आम लोगों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने, पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय बनाने तथा क्षेत्र में लगातार गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए। नए थाना प्रभारी के पदभार ग्रहण करने के बाद क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस की सक्रियता बढ़ने की उम्मीद है।

किसानों की खुशहाली और सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं पर जोर: बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर,8 सितंबर। रायपुर सांसद एवं छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं ने किसानों की आर्थिक सुरक्षा, कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण तथा आम नागरिकों को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। इन योजनाओं के लाभ को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्थाओं को निरंतर और सुदृढ़ करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। सांसद अग्रवाल ने कहा कि भारत की कृषि व्यवस्था को अधिक समृद्ध, आत्मनिर्भर एवं आधुनिक बनाने के लिए किसानों को समय पर उर्वरक (खाद) की उपलब्धता, नई तकनीकों का विस्तार तथा सार्वजनिक संसाधनों का प्रभावी उपयोग अत्यंत आवश्यक है। छत्तीसगढ़ सहित देश के सभी कृषि प्रधान क्षेत्रों में इन प्रयासों का लाभ किसानों और ग्रामीण परिवारों तक पहुंचे, इस दिशा में निरंतर कार्य किया जाना चाहिए।

सोमवार को रसायन उर्वरक सम्बन्धी संसदीय समिति की बैठक में भाग लेने के बाद सांसद अग्रवाल ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा किसानों को किफायती दरों पर यूरिया उपलब्ध कराने के लिए किया जा रहा व्यापक व्यय कृषि क्षेत्र के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उर्वरक विभाग के अनुसार पिछले पांच वर्षों में यूरिया सब्सिडी योजना पर लगभग 8.16 लाख करोड़ रूपये व्यय हुआ है।

सांसद अग्रवाल के अनुसार इस महत्वपूर्ण व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता, तकनीक आधारित निगरानी तथा उर्वरक के वास्तविक उपयोग की जानकारी को और सुदृढ़ करना आवश्यक है। कृषि उपयोग के लिए निर्धारित सब्सिडी वाले यूरिया का लाभ किसानों तक ही पहुंचे, इसके लिए संभावित औद्योगिक डायवर्जन की रोकथाम तथा औद्योगिक उपयोग के बेहतर सत्यापन पर ध्यान दिया जाना चाहिए। छत्तीसगढ़ के संदर्भ में उन्होंने कहा कि राज्य की कृषि आवश्यकताओं के अनुरूप यूरिया के आवंटन, आपूर्ति और उपलब्धता की निरंतर समीक्षा से किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने की व्यवस्था को और मजबूत किया जा सकता है।

सांसद अग्रवाल ने कहा कि उर्वरक क्षेत्र में दीर्घकालीन सुधारों के साथ नैनो उर्वरक और नमो ड्रोन दीदी जैसी पहलें भारतीय कृषि को आधुनिक एवं अधिक सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों की वास्तविक सफलता किसानों की लागत में कमी, उत्पादकता में वृद्धि तथा ग्रामीण महिलाओं के लिए स्थायी आय के अवसरों से सुनिश्चित होगी। इसके लिए प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और आवश्यक सेवा व्यवस्था को निरंतर मजबूत किया जाना चाहिए। छत्तीसगढ़ में कृषि की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए आधुनिक कृषि तकनीकों तथा महिला स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी को बढ़ावा देना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और सशक्त बनाने में सहायक होगा।

सांसद अग्रवाल ने प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना को आम नागरिकों के स्वास्थ्य व्यय में राहत पहुंचाने वाली महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण दवाओं की किफायती उपलब्धता से विशेष रूप से गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों को लाभ मिल रहा है। 31 जुलाई 2026 तक देश में 20,547 जन औषधि केंद्र स्थापित हो चुके हैं, जिनमें 10,457 ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। जिनमें छत्तीसगढ़ में 355 जन औषधि केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। योजना के अंतर्गत दवाएं प्रमुख ब्रांडेड उत्पादों की तुलना में सामान्यतः 50 से 80 प्रतिशत सस्ती हैं तथा नागरिकों को ?45,000 करोड़ से अधिक की अनुमानित संचयी बचत हुई है।

सांसद अग्रवाल ने कहा कि जन औषधि के विस्तार के साथ गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं के प्रति चिकित्सकों एवं मरीजों का विश्वास बढ़ाना भी आवश्यक है। जागरूकता, गुणवत्ता संबंधी जानकारी तथा सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के साथ बेहतर समन्वय से इस योजना का लाभ और अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में जन औषधि केंद्रों की उपलब्धता और दवाओं की नियमित आपूर्ति को सुदृढ़ कर गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को और अधिक राहत पहुंचाई जा सकती है।

एक नजर

वृद्धाश्रम संचालन के लिए 15 सितम्बर तक आवेदन आमंत्रित

बलौदाबाजार, 8 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। समाज कल्याण विभाग, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा द्वारा एकाकी जीवन व्यतीत कर रहे 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानजनक आश्रय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रामसागर तालाब के पीछे स्थित श्री वाटिका वृद्धाश्रम बलौदाबाजार के आगामी संचालन के 15 सितम्बर 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। समाज कल्याण विभाग से मान्यता प्राप्त अशासकीय स्वैच्छिक संस्थाओं, जिन्हें न्यूनतम तीन वर्ष का वृद्धाश्रम संचालन का अनुभव हो, तथा त्रिस्तरीय पंचायत राज संस्थाओं एवं नगरीय निकाय कार्यालय उप संचालक, समाज कल्याण विभाग, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

बलौदाबाजार, 8 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सत्र 2027-28 के जवाहर नवोदय विद्यालय लवन में कक्षा 9 वीं एवं 11 वीं प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं। ऑनलाईन आवेदन अंतिम तिथि 30 सितम्बर 2026 हैं। परीक्षा तिथि 10 अप्रैल-2027 (शनिवार) प्रवेश आवेदन संबंधी आवश्यक जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन नवोदय विद्यालय सा की वेबसाईट कक्षा-9वीं प्रवेश हेतु https://cbseitms.nic.in/2026/nvsi&/ एवं कक्षा-11 वीं प्रवेश हेतु :- https://cbseitms.nic.in/2026/nvs&i 11 पर उपलब्ध हैं।

अवैध शराब बेचते शराब कोचिया गिरफ्तार, 5.760 लीटर शराब जब्त

बलौदाबाजार 8 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय के कुशल निर्देशन में आज दिनांक 06.09.2026 को थाना पलारी की पुलिस टीम द्वारा ग्राम भरूवाडीह में घेराबंदी कर अपने ठेला में अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले 01 आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी शराब कोचिया से कुल ?3480 कीमत मूल्य का 5.760 बल्क लीटर देशी मसाला/अंग्रेजी गोवा शराब जप्त किया गया है। आरोपी के विरुद्ध थाना पलारी में धारा 34(2) आबकारी के तहत अपराध क्र. 363/2026 पंजीबध्द कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है। प्रकरण विवेचना में है।

सात समंदर पार पहुंचा 'साइबर जागृति अभियान', मेलबर्न से मिली सराहना

बलौदाबाजार 8 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। साइबर अपराध मुक्त छत्तीसगढ़' के पावन संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे प्रदेशव्यापी 'साइबर जागृति अभियान' (15 अगस्त से 02 अक्टूबर 2026) का प्रभाव अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देखने को मिल रहा है। बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय की विशेष पहल पर ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में कार्यरत भारतीय मूल के कंप्यूटर सॉफ्टवेयर इंजीनियर श्री विवेक यदु ने इस अभियान से जुड़कर छत्तीसगढ़ पुलिस के प्रयासों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की है और आम नागरिकों से इस अभियान का लाभ लेने की अपील की है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर श्री विवेक यदु ने मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया) से साझा किए अपने विचारः- ?तकनीकी क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले श्री विवेक यदु ने ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर से अपना विस्तृत वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा कि, ÷एक कंप्यूटर सॉफ्टवेयर इंजीनियर होने के नाते मैं तकनीकी बारीकियों और साइबर अपराध की गंभीरता को गहराई से समझता हूँ। आज साइबर अपराधी दुनिया के किसी भी कोने में बैठकर आम लोगों को अपना शिकार बना सकते हैं।

यादव समाज रायपुर की विशाल बाइक रैली ने दिया सामाजिक एकता का संदेश

रायपुर 8 सितंबर। श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के अवसर पर यादव समाज रायपुर के तत्वावधान में 05 सितंबर 2026 को राजधानी रायपुर में विशाल बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ महादेवघाट स्थित राधा-कृष्ण मंदिर से हुआ, जो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए काली मंदिर, शहीद कौशल यादव चौक पहुंची, जहां भव्य सभा का आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में यादव समाज के विभिन्न वर्गों, संगठनों एवं क्षेत्रों से आए सामाजिक प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, महिलाओं, युवाओं तथा समाज के प्रबुद्धजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रैली का उद्देश्य यादव समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर सामाजिक एकता, भाईचारे और संगठन की भावना को मजबूत करना था। रैली के दौरान श्रीमती प्रज्ञा यादव, कांकेर राधा-कृष्ण के स्वरूप में रथ पर सुशोभित रहीं। उनके साथ सहयोगियों की उपस्थिति ने रैली को विशेष आकर्षण प्रदान किया।

सभा में मुख्य अतिथि के रूप में श्री देवनारायण यादव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सरगुजा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्रीमती निर्मला यादव, अध्यक्ष नगर पंचायत विश्रामपुर; श्री महेश यादव, अध्यक्ष नगर पंचायत राजिम; श्री रिखी राम यादव, अध्यक्ष नगर पंचायत गरियाबंद; श्री सुधीर यादव, प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ यादव समाज; श्रीमती ललिता यादव, प्रदेश अध्यक्ष महिला विंग ठेठवार यादव समाज; श्री जितेंद्र बहादुर सिंह, प्रदेश अध्यक्ष; श्री निरंजन यादव; श्री कमल यादव; सुश्री शोभा यादव; श्रीमती अरुणा यादव; श्रीमती भारती यादव, प्रदेश अध्यक्ष महिला विंग प्रयासम प्रगतिशील यादव समाज; श्रीमती लक्ष्मी यादव, सदस्य प्रगतिशील यादव महासभा; श्री जय यादव, प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ यादव एकता कल्याण संगठन एवं टीम; श्री माधव यादव,

अध्यक्ष श्री कृष्ण जन्माष्टमी मित्र मंडल समिति; श्री प्रभाकरकांत यादव, सचिव; श्रीमती ममता यादव, सदस्य; श्रीमती वेदकुमारी यादव, सदस्य छत्तीसगढ़ यादव शासकीय सेवक संघ; एकादश उत्थान यादव कल्याण संघ के सदस्य श्री राहुल यादव; श्री संजय यादव; श्रीमती जया यादव; सुश्री अनीता यादव सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं समाज के अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री देवनारायण यादव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सरगुजा ने यादव समाज को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश स्तर पर समाज के विभिन्न वर्गों को एक सूत्र में पिरोने का जो कार्य प्रारंभ किया गया है, वह निश्चित रूप से अत्यंत सराहनीय एवं दूरदर्शी पहल है। समाज को एक मंच पर लाकर संगठित करने का यह प्रयास आने वाले समय में यादव समाज को नई दिशा और नई शक्ति प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि समाज की एकता और संगठन के इस महत्वपूर्ण कार्य में जब भी उनके सहयोग की आवश्यकता होगी, वे हर संभव सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से आह्वान किया कि हमें ÷संगठन में ही शक्ति है÷ के विचार को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ना होगा।

श्री यादव ने कहा कि समाज के विकास के लिए सभी वर्गों को आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर एक होकर कार्य करने की आवश्यकता है। जब समाज संगठित होगा, एक-दूसरे के सुख-दुःख में सहभागी बनेगा और सामूहिक रूप से विकास की दिशा में आगे बढ़ेगा, तभी समाज का वास्तविक एवं सर्वांगीण विकास संभव होगा।

उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित यह विशाल बाइक रैली केवल उत्सव का माध्यम नहीं, बल्कि यादव समाज की एकता, संगठन और सामाजिक समरसता का मजबूत संदेश है। उन्होंने इस पहल के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए समाज के सभी वर्गों से इसी भावना के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यादव समाज विभिन्न वर्गों और संगठनों में विभाजित है। आवश्यकता इस बात की है कि सभी वर्ग आपसी मतभेदों को पीछे छोड़कर सामाजिक एकता और भाईचारे के साथ एक मंच पर आएं। इसी उद्देश्य से राजधानी रायपुर से इस विशाल बाइक रैली के माध्यम से पूरे समाज को हम सब एक हैं का संदेश दिया गया। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर उपस्थित समाजजनों ने समाज को संगठित करने, युवाओं को आगे बढ़ाने, शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सहयोग तथा समाज के सर्वांगीण विकास के लिए मिल-जुलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मंच संचालन कर रहे श्री विनोद यादव ने सामाजिक एकता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और अनुकरणीय संदेश दिया। उन्होंने कहा कि केवल संगठन और मंच पर एक साथ आने से समाज की वास्तविक एकता संभव नहीं है। जब तक यादव समाज के विभिन्न वर्गों के बीच रोटी-बेटी का संबंध मजबूत नहीं होगा, तब तक सामाजिक एकता और संगठन को अपेक्षित मजबूती नहीं मिल सकेगी।

उन्होंने इस विचार को केवल भाषण तक सीमित न रखते हुए अपने परिवार से इसकी शुरुआत करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि वे स्वयं कोसरिया यादव समाज से होने के बावजूद अपने परिवार के सदस्य का विवाह झेरिया यादव समाज में करने का निर्णय ले चुके हैं।

उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता की शुरुआत दूसरों से नहीं, बल्कि अपने घर और परिवार से होनी चाहिए। इसी भावना के साथ उन्होंने आने वाले समय में इस विवाह समारोह में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को आमंत्रित करने का भी निर्णय लिया है।

श्री विनोद यादव का यह निर्णय कार्यक्रम में उपस्थित समाजजनों के बीच चर्चा का विषय बना और इसे सामाजिक समरसता एवं एकता की दिशा में एक सकारात्मक एवं अनुकरणीय पहल के रूप में देखा गया। कार्यक्रम में यह संदेश स्पष्ट रूप से सामने आया कि समाज की शक्ति उसकी संख्या में नहीं, बल्कि उसकी एकजुटता, संगठन, आपसी सहयोग और सामाजिक समरसता में है।

कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने 150 सेवानिवृत्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का किया सम्मान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 8 सितंबर। स्व. सोनचंद स्मृति फाउंडेशन के तत्वाधान में नगर भवन, बलौदाबाजार में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने 150 सेवानिवृत्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का सम्मान कर उनके शिक्षा एवं समाज निर्माण में दिए गए अमूल्य योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। समारोह को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि गुरु का स्थान हमारे जीवन में सर्वोच्च है। शिक्षक केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि वे हमारे व्यक्तित्व और भविष्य का निर्माण करते हैं। गुरुजनों का उपकार हम सभी के ऊपर है, जिसे हम कभी चुका नहीं सकते। उन्होंने सभी गुरुजनों को दोनों हाथ जोड़कर प्रणाम करते हुए उनके प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि शिक्षक अपने ज्ञान, संस्कार और मार्गदर्शन से समाज की नई पीढ़ी को दिशा देते हैं। आज जिन शिक्षक-शिक्षिकाओं का सम्मान किया जा रहा है, उन्होंने अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष बच्चों को शिक्षित करने और राष्ट्र निर्माण में समर्पित किए हैं। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन,पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा डॉ, सनम जांगड़े, जनपद अध्यक्ष सुलोचन यादव, टेसू लाल धुरंधर, स्व. सोनचंद स्मृति फाउंडेशन के अध्यक्ष पुष्पराज वर्मा सहित पार्षदगण एवं बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज में पंजीकरण 30 सितंबर तक

■ प्रधानमंत्री से भेंट और सीधे संवाद का मिलेगा अवसर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार,8 सितंबर। राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी 2027 के अवसर पर होने वाले विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग के पहले चरण की ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता मे पंजीयन 30 सितम्बर 2026 तक करा सकते हैं। इस प्रतियोगिता मे 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा भाग ले सकते हैं। प्रतिभागियों को अंतिम चरण में प्रधानमंत्री से भेंट और संवाद का अवसर मिलेगा।

इसमें शामिल होने के लिए युवाओं को मॉय भारत पोर्टल पर पंजीकरण कर प्रतियोगिता में भाग लेना होगा। ऑनलाइन आयोजन होने से देशभर के युवा आसानी से शामिल हो सकते हैं। युवाओं को अपनी जानकारी, विचार और नेतृत्व कौशल प्रदर्शित करने का अवसर भी प्रतियोगिता देती है। विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग के अंतिम चरण में पहुंचने वाले युवाओं को प्रधानमंत्री से भेंट और सीधे संवाद का अवसर मिलेगा। युवाओं के लिए यह अनुभव नेतृत्व क्षमता को निखारने और भविष्य की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

चरण बद्ध प्रक्रिया-पहले चरण मे देश भर मे ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता होगा जिसमें प्रतिभागी ऑनलाइन भाग लेंगे।प्रथम चरण मे सफल प्रतिभागी द्वितीय चरण ऑनलाइन निबंध लेखन प्रतियोगिता मे भाग लेंगे।तीसरा चरण व्यक्तिग होगा जिसमें द्वितीय चरण मे सफल 50 प्रतिभागी जिला स्तर पर भाग लेंगे एवं चतुर्थ चरण मे तीसरे चरण मे सफल प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मे भाग लेंगे। राज्य स्तर के बाद राष्ट्रीय स्तर पर आयोजन होगा। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने इस प्रतियोगिता मे अधिक अधिक सहभागिता हेतु जिले के युवाओं को समय पर पंजीयन कराने का आह्वान किया हैं।इसके साथ ही खेल एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों को आवश्यक समन्वय करने के भी निर्देश दिये है।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता का शुभारम्भ

बलौदाबाजार,8 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले मे 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता 2026-27 का शुभारम्भ 8 सितम्बर 2026 को अपरान्ह 3 बजे होगा। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के मुख्य आतिथ्य एवं राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा की अध्यक्षता मे इंडोर स्टेडियम हॉल, कॉलेज रोड कसडोल में स्पर्धा का उद्घाटन समारोह आयोजित है। इस अवसर पर जिले के प्रभारी एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित,सांसद,विधायक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। 8 से 11 सितम्बर तक आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में रग्बी, गतका एवं फैंसिग विधा मे रायपुर,दुर्ग,बिलासपुर,जगदलपुर एवं सरगुजा संभाग के 520 खिलाडी भाग लेंगे जिसमे 260 -260 बालक एवं बालिका शामिल हैंइसके साथ ही लगभग 100 कोच एवं टीम मैनेजर सभी संभाग के शामिल होंगे। रग्बी खेल प्रतियोगिता मे बालक एवं बालिका 19 वर्ष आयु वर्ग, गतका मे 17 से 19 वर्ष बालक -बालिका,फेंसिंग मे 17 से 19 वर्ष आयु के बालक -बालिका शामिल होंगे। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन मे राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता की सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। खिलाडी एवं कोच के ठहने एवं भोजन इत्यादि की भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

फर्जी प्रमाणपत्र से नियुक्ति के मामले में जिला प्रशासन ने सहायक शिक्षक को किया निलंबित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार,8 सितंबर। जिला प्रशासन ने फर्जी व कूटरचित दस्तावेज के आधार पर नौकरी पाने वाले एक सहायक शिक्षक पर बड़ी दंडात्मक कार्रवाई की है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर कसडोल विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला कंजिया में पदस्थ सहायक शिक्षक (एल.बी.) रामेश्वर प्रसाद साहू को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

जारी आदेश के अनुसार पिसीद (कसडोल) निवासी हेमदास मानिकपुरी ने कलेक्टर जनदर्शन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि रामेश्वर प्रसाद साहू ने वर्ष 2011 में फर्जी डी.एड. अंकसूची (सत्र 2008, रोल नंबर 47240442) प्रस्तुत कर शिक्षाकर्मी वर्ग-03 के पद पर नियुक्ति प्राप्त की थी। संदेह तब गहराया जब नियुक्ति के 11 साल बाद उन्होंने पंडित सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय बिलासपुर से दोबारा डी.एड. किया। इससे स्पष्ट हुआ कि वर्ष 2011 की नियुक्ति के समय जमा किया गया प्रमाण पत्र पूरी तरह फर्जी और कूटरचित था। जांच मे खुली पोल- कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जनपद पंचायत कसडोल और विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) कसडोल द्वारा जांच की गई।

जांच रिपोर्ट में गंभीर गड़बड़ी पाई गई।?शिक्षक द्वारा 4 जनवरी 2011 को कार्यभार ग्रहण करते समय संलग्न डी.एड. प्रमाण पत्र के सील पर 'जिला बलौदाबाजार' अंकित था, जबकि बलौदाबाजार जिले का गठन वर्ष 2012 में हुआ था।एक अन्य प्रतिवेदन के सील में 'जिला रायपुर' दर्ज था। जांच प्रतिवेदन के आधार पर शिक्षक के उक्त कृत्य को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के विपरीत पाया गया।छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत शिक्षक रामेश्वर प्रसाद साहू को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

कार्यक्रम में मारपीट कर मोबाइल-नकदी छीनने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार 8 सितंबर। पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय के कुशल निर्देशन में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा गुंडागर्दी, मारपीट व लूटपाट जैसी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त असामाजिक तत्वों के विरुद्ध लगातार सख्त व प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस चौकी गिरौदपुरी द्वारा ग्राम बरेली में कार्यक्रम के दौरान मारपीट व छीना-झपटी करने वाले 04 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है। दिनांक 06.09.2026 को प्रार्थी तरूण कुमार पटेल (उम्र 16 वर्ष, निवासी कौवाताल) द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 04.09.2026 की शाम वह अपने साथियों के साथ ग्राम बरेली में एक कार्यक्रम देखने गया था। इसी दौरान ग्राम बरेली के आरोपी अभिषेक साहू, नागेश साहू व उनके अन्य साथियों द्वारा अश्लील गाली-गलौज करते हुए हाथ-मुक्का, लात एवं हाथ में पहने कड़े (चुड़ा) से प्रार्थी व उसके साथियों के साथ जमकर मारपीट की गई। मारपीट के दौरान आरोपियों ने प्रार्थी के गिर जाने पर उसकी जेब में रखा रियलमी मोबाइल (सिम सहित) एवं नगदी ?1,500/- जबरन झपटकर निकाल लिए। प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस चौकी गिरौदपुरी (थाना गिधौरी) में अपराध क्र. 177/2026, धारा 296, 115(2),304(2),3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया। पुलिस की त्वरित कार्यवाही एवं गिरफ्तारीः- मामले की गंभीरता को देखते हुए चौकी प्रभारी गिरौदपुरी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण कर प्रार्थी व आहतो के कथन दर्ज किए गए। त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने दबिश देकर नामजद 04 आरोपियों को हिरासत में लिया। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा अपराध कारित करना स्वीकार किया गया, जिस पर उन्हें विधिवत गिरफ्तार किया गया।

जिले मे 17 सितंबर से शुरू होगा 'सेवा संकल्प अभियान',घर-घर जलेंगे आशीर्वाद के दीये

■ 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा एक माह का विशेष अभियान

■ जनसहभागिता से आयोजित होंगे 12 प्रमुख कार्यक्रम, कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार 8 सितंबर। जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करने, 'विकसित भारत 2047' का सामूहिक संकल्प लेने और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बलौदाबाजार जिले में 17 सितंबर से एक माह का 'सेवा संकल्प अभियान' शुरू होने जा रहा है। 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान में जनप्रतिनिधियों और आम जनता की सक्रिय भागीदारी रहेगी। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने सोमवार को अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर अभियान की तैयारियों के संबंध में

आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अभियान के सुचारू संचालन के लिए जिला पंचायत सीईओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कलेक्टर श्री शर्मा ने अभियान अंतर्गत आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए संबधित जिला अधिकारियों को बेहतर कार्यक्रम आयोजित करने हेतु तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान अतिमहत्वपूर्ण अभियान हैं,सभी अधिकारी इसकी गंभीरता को देखते हुए सक्रियता से कार्य करें,सभी कार्यक्रम मे व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित हो।उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये कि इस अभियान के किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारियों को तय कार्यक्रम अनुसार स्थल चिहांकन एवं आवश्यक तैयारी तेजी से प्रारम्भ करने के निर्देश दिये।

अभियान के दौरान आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम- 17 सितम्बर को आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम से अभियान का शुभारंभ, घर-घर और जिला स्तर पर सामूहिक दीप प्रज्वलन व हितग्राहियों के सम्मान के साथ होगा। 25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत कार्यक्रम 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक स्कूलों और कॉलेजों में ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर नमो सेवा गाथा जिसमें नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जनजागरूकता प्रसार होगा। 25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक आंगन का उत्सव कार्यक्रम मे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान और मातृ वंदन कार्यक्रम।7 अक्टूबर को सेवा ज्योति यात्रा अंतर्गत गांव,विकासखंड एवं जिला मुख्यालय मे कलश यात्रा का आयोजन होगा। इसके साथ ही विकसित भारत संकल्प यात्रा, जल जन सेवा संकल्प और सेवा सेतु अभियान के तहत सभी विकासखंडों में विशेष शिविर। संपूर्ण माह 'कहानी बदलाव की' के तहत योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानियां साझा की जाएंगी। साथ ही 'सेवा मेरा योगदान', 'रंगोली राष्ट्र' और 'राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज' आयोजित होंगे।अभियान का भव्य समापन 17 अक्टूबर को 'जन सेवक महाकुंभ' के आयोजन के साथ होगा।

बैठक मे सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, अपर कलेक्टर सीमा ठाकुर, एसडीएम अरविन्द कुमार सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

न्याय न्याय होता है,पूरा या अधूरा नही होता है.....

दो पक्ष न्याय के लिए अदालत जाते हैं। दोनों को उम्मीद रहती है कि उनके साथ अदालत न्याय करेगी। दोनों पक्ष को यह उम्मीद रहती है तब ही तो दोनों जाते हैं।अदालत के सामने जो बयान होते है, जो सबूत रखे जाते है।अदालत का काम उन सबूतों के आधार पर न्याय करना होता है।अदालत गवाहों के बयान व जांच एजेंसी के पेश किए सबूतों के आधार पर फैसला करती है, न्याय करती है। स्वाभाविक है कि दोनों पक्षों में किसी एक पक्ष में फैसला होता है,एक पक्ष के साथ न्याय होता है।एक पक्ष को लगता है कि उसके साथ न्याय हुआ है और एक पक्ष को लगता है कि उसके साथ न्याय नहीं हुआ।कुछ लोग कहते हैं कि यह अधूरा न्याय है लेकिन सच तो यह है कि कोई भी न्याय सिर्फ न्याय होता है, वह अधूरा या पूरा नहीं होता है। अदालत अगर अधूरा न्याय करती होती तो लोग अदालत के पास न्याय के लिए क्यों जाते। अदालत तय प्रक्रिया के हिसाब से न्याय करती है, इसलिए लोग न्याय की प्रक्रिया पर भरोसा करते न्याय के लिए अदालत जातें हैं।झीरम कांड में अदालत ने न्याय किया है,यह सिर्फ न्याय है इसे न्याय ही समझा जाना चाहिए। २५ मई २०१३ को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा के दौरान झीरम घाटी में हुए नक्सली हमले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सहित २९ लोग मारे गए थे।घटना के बाद एनआईए ने मामले की जांच शुरू की।एनआईए ने इस मामले में कुछ लोगों को गिरफ्तार कर पाई इनके खिलाफ एनआईए कोर्ट में सितंबर २०१४ से मुकदना चल रहा था।एनआईए ने २८ सितंबर २०२० को सप्लीमेंट्री चार्जशीट पेश की।जिसमें गिरफ्तार नक्सलियों के बयानों के आधार पर ३० और नक्सलियों को भी आरोपी बनाया गया।१३ साल,२८४ सुनवाई और १०१ गवाहों को सुनने के बाद अदालत ने पांच सितंबर को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए १० लोगों को दोषी ठहराया है। मामले में नामजद कई आरोपी फरार हैं।अदालत को इस मामले में सबूतों के आधार पर न्याय करना था। उसने कर दिया है।अदालत ने अपना काम कर दिया है। अब सवाल उठाने वाले सवाल उठाते रहें। कोई कहे हम संतुष्ट नहीं है, कोई कहे कि यह पूरा न्याय नही है। कोई कहे कि असली गुनहगारों को बचा लिया गया है। कोई कहे कि असली गुनहगारों को तो सजा नहीं मिली है।कहने से कुछ नहीं होता है,कहने वालों को सामने १३ साल का समय था वह जो कह रहे हैं,उसके सबूत एजेंसी को देते थे,१३ साल तक जांच में सबूत किसी ने मुहैया नहीं कराया और न्याय नही हुआ कह रहे हैं तो उनके सामने फिर मौका आएगा जब मामला ऊंची अदालत में जाएगा। वह ऊंची अदालत में सबूत पेश कर सकते है और दोषी लोगों को सजा दिला सकते हैं।कई बार कानूनी तौर पर किसी मामले का फैसला निचली अदालत में हो जाता है तो लेकिन राजनीतिक रूप से मामला कभी समाप्त नहीं होता है क्योंकि दोनों पक्ष मामले में राजनीति करना चाहते हैं।वह नहीं चाहते हैं कि जो मामला अदालत में खत्म हो गया है,वह हमेशा के लिए खत्म हो जाए।अगर वह मामले को खत्म मान लेंगे तो राजनीति कैसे करेंगे, एक दूसरे को घटना के लिए दोषी कैसे बताएंगे। १३ साल से झीरम कांड एक दूसरे पर आरोप लगाने का मुद्दा रहा है।एक दूसरे पर झीरम कांड के लिए दोष मढ़ते रहे हैं।अदालत के फैसले के बाद भी कांग्रेस व भाजपा नेताओं के आए बयान से साफ है कि यह मुद्दा दोनों के बीच आरोप लगाने का मुद्दा बना रहेगा। २९ लोगों की हत्या के लिए वह एक दूसरे पर आरोप लगाते रहेंगे। एक दूसरे से सवाल पूछते रहेंगे।यह सिलसिला अगर १३ साल से चल रहा है तो अदालत का फैसला आने के २३ साल बाद चलता रहेगा। झीरम कांड राज्य में राजनीति का स्थायी मुद्दा रहा है और स्थायी मुद्दा अगले १३ साल तक बना रहेगा। यह तो सच है कि नक्सलियों ने झीरम घाटी में हत्या की है।सब जानते हैं कि नक्सली किसी नेता या किसी प्रमाणित व्यक्ति को नहीं मानते।उनका हत्या का मकसद तो हमेशा से ही क्षेत्र विशेष में आतंक फैलाना रहा है। हर हत्या का उनका एक ही मकसद था कि लोगों में भय पैदा करना ताकि उनके क्षेत्र में लोग डर कर न आएं, जो रहते हैं वह डरकर रहें। नक्सलियों ने कई दशकों में बड़ी संख्या में लोगों की हत्या आंतक फैलाने के लिए की है।उनकी हत्या का मकसद कभी राजनीतिक नहीं रहा है।वह किसी को राजनीतिक फायदा पहुंचाने के लिए हत्या करते हीं नहीं थे, वह तो राजनीतिक नेताओं की भी हत्या आंतक फैलाने के लिए करते थे कि वह देखो हम तो आम लोगों सहित शासन को संदेश देते थे हत्या करके कि हमारे इलाके में हम किसी को भी मार सकते हैं।यहां हमारा राज है,हम जो चाहेंगे वही होगा इसलिए, कांग्रेस नेताओं का एक मकसद था आंतक फैलाना रहा हो। हर मामले में दो पक्ष होते हैं। एक पक्ष न्याय से संतुष्ट है तो दूसरा पक्ष न्याय से असंतुष्ट हो सकता है।हमारे यहां व्यवस्था है कि अगर किसी को लगता कि एक अदालत ने उसके साथ न्याय नहीं किया है तो उसके लिए न्याय के लिए ऊपर की अदालत है, वह ऊपर की अदालत में न्याय के लिए जा सकते हैं।झीरम मामले में हाईकोर्ट जाने वाले को यह समझ लेना चाहिए कि वहां भी कोई फैसला होगा तो सबूत के आधार पर होगा। वहां भी न्याय मांगने वालों को सबूत तो देना ही होगा। बाहर राजनीति के लिए तो कोई आरोप किसी पर लगाया जा सकता है लेकिन अदालत में कोई फैसला किसी के आरोप से तो होता नहीं है। अदालत पेश किए गए सबूत के आधार पर फैसला करती है चाहे वह निचली अदालत हो या ऊपरी अदालत। निचली अदालत हो या ऊपरी अदालत जैसा सबूत पेश किया जाएगा वैसा फैसला किया जाएगा।

राशिफल

मेष आज का दिन नई उम्मीद और राहत लेकर आ सकता है। लंबे समय से अटका हुआ कोई काम आखिरकार पूरा होने से मन हल्का और खुश महसूस करेगा। जीवनसाथी के साथ चल रही दूरियां बातचीत और समझदारी से कम होंगी और रिश्ते में फिर से मिठास लौटेगी।

वृषभ आज कुछ प्रभावशाली और खास लोगों से मुलाकात आपके करियर या कारोबार के लिए नए अवसर ला सकती है। हालांकि, दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से मिली खबर थोड़ी चिंता बढ़ा सकती है। संतान की नौकरी में तरक्की से परिवार में गर्व और खुशी का माहौल बनेगा।

मिथुन आज आपकी सूझबूझ और सही समय पर फैसला लेने की क्षमता आपको दूसरों से आगे रखेगी। विरोधियों की बातों में आकर कोई जल्दबाजी वाला कदम न उठाएं। संतान के करियर को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। नौकरी में किसी जरूरी काम को पूरा करने के लिए जूनियर का सहयोग भी काफी उपयोगी रहेगा।

कर्क आज वैवाहिक जीवन में प्यार, समझ और आपसी सहयोग का खूबसूरत तालमेल देखने को मिलेगा। माताजी से किया हुआ कोई वादा पूरा करने का अवसर मिलेगा, जिससे मन को संतोष होगा। नई प्रॉपर्टी खरीदने या बेचने का विचार बन सकता है, लेकिन अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेकर ही आगे बढ़ें। कारोबार में आपके नए विचार नई ऊंचाइयों का रास्ता खोल सकते हैं।

सिंह आज खुशियां और उपलब्धियां आपका इंतजार कर रही हैं। कोई महत्वपूर्ण जानकारी आपके सामने नए अवसरों के दरवाजे खोल सकती है। परिवार के साथ बिताया गया समय रिश्तों में अपनापन और मजबूती बढ़ाएगा। लंबे समय से अटकी हुई बिजनेस डील आखिरकार फाइनल होने की उम्मीद है।

कन्या आज आर्थिक मामलों में भाग्य आपका अच्छा साथ दे सकता है। पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने के संकेत हैं और आय में बढ़ोतरी से मन प्रसन्न रहेगा। जीवनसाथी के लिए कोई खास चीज खरीदना रिश्ते में प्यार और अपनापन बढ़ाएगा। हालांकि निवेश से जुड़े फैसले जल्दबाजी में न लें और पूरी जानकारी के बाद ही कदम उठाएं।

तुला आज दिन काफी व्यस्त और भागदौड़ भरा रह सकता है। कोशिश करें कि जरूरी काम खुद संभालें और हर छोटी बात के लिए दूसरों पर निर्भर न रहें। किसी पार्टी या समारोह में जाने का मौका मिल सकता है, जहां आपकी बातचीत और व्यक्तित्व लोगों को प्रभावित करेंगे।

वृश्चिक आज सेहत में थोड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, इसलिए खान-पान और आराम पर विशेष ध्यान दें। अचानक किसी यात्रा की योजना बन सकती है। कारोबार की कोई पुरानी समस्या भाई-बहनों के सहयोग से सुलझने की उम्मीद है। विद्यार्थियों के भीतर कुछ नया सीखने और अलग करने की इच्छा जागेगी, जो आगे उनके लिए फायदेमंद हो सकती है।

धनु आज मन की कोई इच्छा पूरी न होने से थोड़ी बेचैनी या निराशा महसूस हो सकती है। काम में भी मन कम लगे तो खुद को सकारात्मक गतिविधियों में व्यस्त रखना बेहतर होगा। परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

मकर आज अचानक धन लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। कारोबार में अच्छा मुनाफा मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और पुराना अटका हुआ पैसा भी वापस मिल सकता है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को किसी अच्छी खबर का इंतजार खत्म हो सकता है। घर में नए मेहमान के आने से खुशियों की रौनक बढ़ेगी।

कुंभ आज का दिन सामान्य से बेहतर और कुछ नई संभावनाओं वाला रह सकता है। अचानक यात्रा के योग बन सकते हैं। संतान ने किसी परीक्षा में हिस्सा लिया था तो उसका परिणाम आपके लिए खुशी लेकर आ सकता है। नई नौकरी के लिए किया गया प्रयास भी सफल होने की उम्मीद है। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के नए रास्ते खुल सकते हैं और भविष्य को लेकर उत्साह बढ़ेगा।

मीन आज कारोबार में उतार-चढ़ाव के कारण मन थोड़ा अस्थिर रह सकता है। पार्टनरशिप से जुड़े मामलों में विशेष सावधानी रखें और किसी भी दस्तावेज या समझौते को बिना पढ़े स्वीकार न करें। दूसरों के निजी मामलों में जरूरत से ज्यादा दखल देने से बचें। पूजा-पाठ और आध्यात्मिक गतिविधियों में समय बिताने से मन को शांति मिलेगी।

विदेश

जर्मनी में कट्टरपंथी एएफडी की छोटी जीत के बड़े मायने

संजय सक्सेना,लखनऊ,

आजकल जर्मनी में अल्टरनेटिव फॉर डॉयचलैंड (एएफडी) की एक छोटी-सी जीत की बड़ी चर्चा हो रही है। एएफडी की छोटी-सी जीत से पूरे यूरोप और खासकर इस्लामी जगत में बेचैनी नजर आ रही है। यह जर्मनी की एक ऐसी धुर दक्षिणपंथी राजनीतिक पार्टी है, जिसने हाल के वर्षों में जर्मन राजनीति में भूचाल ला दिया है। 2013 में स्थापित हुई इस पार्टी ने प्रवासियों के विरोध, यूरोपीय संघ (ईयू) के प्रति अविश्वास और जर्मन राष्ट्रवाद के दम पर देश के चुनावी परिदृश्य को बदलकर रख दिया है। अल्टरनेटिव फॉर डॉयचलैंड की स्थापना 6 फरवरी 2013 को हुई थी। शुरुआत में, इस पार्टी का गठन अर्थशास्त्रियों और बुद्धिजीवियों द्वारा किया गया था, जो मुख्य रूप से यूरोपीय संघ की आर्थिक नीतियों, विशेष रूप से यूरो क्षेत्र के आर्थिक सहायता पैकेज के खिलाफ थे। हालांकि, 2015 के यूरोपीय शरणार्थी संकट के दौरान पार्टी की विचारधारा में एक बड़ा बदलाव आया। पार्टी ने अपना रुख पूरी तरह से धुर दक्षिणपंथी और लोकलुभावन बना लिया। इस विचारधारा के तहत पार्टी का सबसे प्रमुख एजेंडा देश में शरणार्थियों और प्रवासियों के आने पर पूर्ण विराम लगाना है। पार्टी अवैध शरणार्थियों को तेजी से निर्वासित करने की वकालत करती है। उनका मानना है कि प्रवासियों के आने से जर्मनी की पारंपरिक और सांस्कृतिक पहचान खतरे में है। वे स्कूलों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रगान गाने जैसी नीतियों को बढ़ावा देते हैं। इसके साथ ही पार्टी खुले तौर पर जर्मनी में बढ़ते इस्लामीकरण और बहुसंस्कृतिवाद का विरोध करती है। जर्मनी की खुफिया एजेंसी की रिपोर्टों के अनुसार, इसके नेताओं द्वारा कई बार जनविरोधी और नस्लवादी बयान दिए गए हैं। पार्टी यूरोपीय संघ की मौजूदा व्यवस्था में बड़े बदलाव या उससे पूरी तरह बाहर निकलने की बात भी करती है। धार्मिक रुख की बात करें तो आधिकारिक तौर पर एएफडी स्वयं को ईसाई-यहूदी संस्कृति और पश्चिमी सभ्यता का रक्षक मानती है। पार्टी का राजनीतिक दर्शन पारंपरिक यूरोपीय ईसाई मूल्यों पर आधारित है। पार्टी पारंपरिक पारिवारिक संरचनाओं, जैसे एक पुरुष और एक महिला का विवाह, और रूढ़िवादी ईसाई सामाजिक मूल्यों का पुरजोर समर्थन करती है। वे प्रगतिशील या आधुनिक उदारवादी विचारों, जैसे स्कूलों में इंद्रधनुषी झंडे लगाने, का विरोध करते हैं। इसके विपरीत, पार्टी का रुख इस्लाम के प्रति बेहद सख्त है। पार्टी का स्पष्ट मानना है कि इस्लाम जर्मनी का हिस्सा नहीं है और वे मस्जिदों के मीनारों तथा अजान के सार्वजनिक लाउडस्पीकरों पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते रहे हैं। हालांकि पार्टी ईसाई धर्म की रक्षक बनती है, लेकिन जर्मनी के मुख्यधारा के चर्च, जिनमें कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट दोनों शामिल हैं, अक्सर एएफडी की नस्लवादी और विभाजनकारी नीतियों की सार्वजनिक रूप से निंदा करते हैं। इसके बावजूद, देश के पारंपरिक ईसाई और रूढ़िवादी मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग इस पार्टी की तरफ आकर्षित हुआ है।जर्मनी की पारंपरिक राजनीतिक व्यवस्था के विपरीत एएफडी में कोई एक अकेला सर्वोच्च नेता नहीं है। यह पार्टी सह-नेतृत्व के मॉडल पर चलती है। वर्तमान में ऐलिस विडेल पार्टी

की सबसे प्रमुख और प्रभावशाली चेहरा हैं। वे संसद में पार्टी की संसदीय समूह की नेता और राष्ट्रीय सह-अध्यक्ष हैं। एक पूर्व निवेश बैंकर होने के नाते, वे पार्टी को एक आधुनिक और आर्थिक रूप से सक्षम छवि देने का प्रयास करती हैं। उनके साथ टिनो क्रुपाल्ला पार्टी के राष्ट्रीय सह-अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं। क्रुपाल्ला मुख्य रूप से पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं और पूर्वी जर्मनी के कामकाजी वर्ग के बीच मजबूत पकड़ रखते हैं। प्रांतीय स्तर पर उलरिच सीगमंड का नाम बेहद तेजी से उभरा है, जिन्होंने सैक्सनी-अनहाल्ट के चुनावों में पार्टी का नेतृत्व करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। इन नेताओं के अलावा ब्योर्न होके थुरिंगिया राज्य में एएफडी के नेता हैं। इन्हें पार्टी के भीतर सबसे कट्टरपंथी और विवादित धड़े का जनक माना जाता है, और जर्मन खुफिया एजेंसियां इन्हें आधिकारिक तौर पर एक दक्षिणपंथी चरमपंथी मानती हैं। जर्मनी के संघवाद में 16 राज्य हैं, और एएफडी की विस्तारवादी नीति देश के भीतर बेहद आक्रामक रही है। भूतपूर्व पूर्वी जर्मनी के राज्यों जैसे सैक्सनी-अनहाल्ट, थुरिंगिया, सैक्सनी और ब्रांडेनबर्ग में एएफडी इस समय सबसे बड़ी और सबसे शक्तिशाली राजनीतिक शक्ति बनकर उभरी है। सैक्सनी-अनहाल्ट के हालिया चुनावों में पार्टी ने करीब 44 प्रतिशत वोट हासिल कर मुख्यधारा की सभी पार्टियों को पछाड़ दिया है। शुरुआत में पश्चिमी राज्यों के अमीर और उदारवादी मतदाता इस पार्टी से दूर थे, लेकिन हालिया औद्योगिक मंदी, ऊर्जा संकट और बढ़ती महंगाई के कारण पार्टी ने पश्चिमी जर्मनी के राज्यों में भी अपनी पैठ मजबूत की है। वर्तमान में, जर्मनी के 16 में से 15 राज्यों की विधानसभाओं में पार्टी के प्रतिनिधि मौजूद हैं। जर्मनी की राष्ट्रीय संसद में यह मुख्य विपक्षी दलों में से एक है। इसके अलावा, यूरोपीय संसद के चुनावों में भी यह जर्मनी की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जिससे साबित होता है कि इसका प्रभाव केवल कुछ राज्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में फैल चुका है।अल्टरनेटिव फॉर डॉयचलैंड यानी एएफडी आज जर्मनी की राजनीति में उस मोड़ पर आ खड़ी हुई है, जहां उसे नजरअंदाज करना नामुमकिन है। जहां इसके समर्थक इसे देश की संस्कृति, सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को बचाने वाला एकमात्र विकल्प मानते हैं, वहीं जर्मनी की मुख्यधारा की पार्टियां और खुफिया एजेंसियां इसे देश के लोकतांत्रिक ढांचे और सामाजिक ताने-बाने के लिए एक गंभीर खतरा मानती हैं। जर्मनी की राजनीति में इस पार्टी का उभार आने वाले समय में पूरे यूरोप की दिशा तय करेगा। जर्मनी को हमेशा से यूरोपीय संघ को एक सूत्र में पिरोकर रखने वाली धुरी माना गया है। यदि जर्मनी के भीतर एएफडी जैसी यूरो-संदेहवादी पार्टी सत्ता में या उसके करीब आती है, तो बर्लिन की घरेलू राजनीति पूरी तरह बिखर जाएगी। इसके परिणामस्वरूप यूरोपीय संघ के केंद्रीय मुख्यालय (ब्रसेल्स) में सामूहिक निर्णय लेना बेहद कठिन हो जाएगा। जलवायु परिवर्तन की नीतियों (हरित समझौते) और वित्तीय सुधारों पर सहमति बनाना लगभग नामुमकिन हो जाएगा, जिससे पूरा यूरोपीय संघ नीतिगत रूप से पंगु हो सकता है।इसके अलावा यूरोप के अन्य देश, जो वर्तमान में प्रवासियों की समस्या से जूझ रहे हैं, अपनी सीमाओं को पूरी तरह सील करने पर मजबूर हो जाएंगे। एएफडी की कट्टर आव्रजन-विरोधी नीतियों को देखते हुए पड़ोसी देश (जैसे ऑस्ट्रिया, पोलैंड, फ्रांस और डेनमार्क) भी अपनी आंतरिक सुरक्षा को कड़ा करेंगे। इससे यूरोपीय संघ के भीतर बिना वीजा या पासपोर्ट के स्वतंत्र रूप से आने-जाने की जो 'शेंगेन व्यवस्था' है, वह खतरे में पड़ जाएगी और देशों के बीच आपसी मतभेद और सीमा विवाद बढ़ेंगे।

सत्य निकेतन हादसा: जिम्मेदार अधिकारियों पर हो ठोस कार्रवाई

हादसा

ललित गर्ग

दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को पांच मंजिला छात्र-पीजी भवन का भरभराकर गिर जाना केवल एक दर्दनाक हादसा नहीं है। यह उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जो भवन बनने देती है, उसमें अनधिकृत निर्माण होने देती है, उसमें विद्यार्थियों को रहने देती है, उसकी कमजोरियों को वर्षों तक नजरअंदाज करती है और फिर उसके ढह जाने के बाद जागती है। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत की सूचना है और कई लोग घायल हुए हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन में बेसमेंट और कई ऊपरी मंजिलों में मरम्मत या निर्माण संबंधी काम चल रहा था। प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी? असली सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे? यदि निर्माण नियमों का उल्लंघन था, यदि भवन का स्वीकृत नक्शा नहीं था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण चल रहा था, यदि भवन छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रहा था और यदि वह संरचनात्मक रूप से जोखिमपूर्ण था, तो इन सबका पता प्रशासन को तब क्यों नहीं चला जब वहां निर्माण हो रहा था?

सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास विद्यार्थियों का प्रमुख इलाका है। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों युवा यहां अपने भविष्य के सपने लेकर आते हैं। वे छोटे-छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहकर पढ़ते हैं। उनके माता-पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर लगाते हैं और यह विश्वास करते हैं कि राजधानी में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब शिक्षा की तलाश में निकला युवा एक ऐसी इमारत में पहुंचता है, जिसकी नींव ही नियमों और सुरक्षा के साथ समझौते पर टिकी हो, तो विकास की हमारी पूरी अवधारणा कटघरे में खड़ी हो जाती है और यह कोई पहली चेतावनी नहीं है। 2022 में भी सत्य निकेतन में निर्माणाधीन चार मंजिला इमारत ढहने से दो मजदूरों की मौत हुई थी और चार लोग घायल हुए थे। उस समय भी निर्माण कार्य, सुरक्षा और भवन की निगरानी पर सवाल उठे थे। लगभग चार साल बाद उसी इलाके में फिर एक बड़ी इमारत ढह गई। इसका अर्थ है कि हमने घटना से सबक लेने के बजाय घटना को एक समाचार की तरह देखा और आगे बढ़ गए।

यहां भ्रष्टाचार की बात करते समय एक सावधानी भी जरूरी है। किसी अधिकारी या व्यवसायी को बिना जांच दोषी ठहराना उचित नहीं। लेकिन यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि नियमों के विरुद्ध निर्माण को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया, निरीक्षण में लापरवाही हुई या किसी प्रकार की मिलीभगत रही, तो जिम्मेदारी केवल भवन मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिसने नियम तोड़े और जिसने नियम तोड़ने दिए-दोनों को जवाबदेह बनाना होगा। सत्य

निकेतन की त्रासदी को जुलाई 2024 के पुराने राजेंद्र नगर हादसे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वहां राव आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों-तनीया सोनी, श्रेया यादव और नवीन डालविन की मृत्यु हुई थी। सबसे भयावह तथ्य यह था कि बेसमेंट का उपयोग लाइब्रेरी के रूप में हो रहा था, जबकि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार उसे पार्किंग और स्टोरेज के लिए इस्तेमाल किया जाना था। इससे भी अधिक चिंताजनक बात सामने आई-हादसे से लगभग एक महीने पहले एक विद्यार्थी ने एमसीडी में शिकायत की थी। भारत में भवन निर्माण के लिए नियमों की कमी नहीं है। नक्शा स्वीकृति, भवन उपविधियां, अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, अधिभोग प्रमाणपत्र, पार्किंग, बेसमेंट के उपयोग-हर क्षेत्र के लिए नियम हैं। लेकिन समस्या नियमों की संख्या नहीं, उनके पालन की ईमानदारी है। जब किसी भवन में एक मंजिल की अनुमति हो और चार-पांच मंजिलें खड़ी हो जाएं, जब बेसमेंट स्टोरेज के लिए स्वीकृत हो और वहां लाइब्रेरी या व्यावसायिक गतिविधि चलने लगे, जब सड़क की जलनिकासी बाधित हो और फिर भी निर्माण चलता रहे-तो सवाल केवल नागरिक की मनमानी का नहीं है। सवाल उस पूरी निगरानी व्यवस्था का है, जो आंखों के सामने होने वाले बदलाव को देखने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं करती। भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने का नाम नहीं है। भ्रष्टाचार वह भी है जब कोई जिम्मेदार व्यक्ति अपने कर्तव्य को जानबूझकर न निभाए। किसी अवैध निर्माण को देखकर आंखें बंद कर लेना भी व्यवस्था के प्रति अपराध है। किसी भवन को जोखिमपूर्ण जानते हुए कार्रवाई न करना भी भ्रष्ट प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा है।

सरकारी भवन भी सुरक्षित नहीं तो आम आदमी किस पर भरोसा करे? मई 2024 में दिल्ली के आईटीओ स्थित सेंट्रल रेवेन्यू बिल्डिंग में आग लगी थी। 46 वर्षीय ऑफिस सुपरिंटेंडेंट की धुएं में दम घुटने से मृत्यु हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार भवन पुराना था और उसमें आधुनिक फायर-स्प्रिंकलर व्यवस्था भी नहीं थी। यह घटना एक और सवाल सामने रखती है-जब सरकारी भवनों में भी सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, तो निजी और अनधिकृत भवनों की निगरानी की स्थिति क्या होगी? मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु और देश के अन्य महानगरों में अनियोजित शहरी विस्तार लगातार बढ़ रहा है। जमीन सीमित है, जनसंख्या बढ़ रही है, किराये की मांग बढ़ रही है और व्यावसायिक हित अधिकतम जगह का अधिकतम उपयोग चाहते हैं। ऐसे में यदि शासन मजबूत नियमन और वैज्ञानिक शहरी नियोजन नहीं करेगा तो शहर ऊपर की ओर बढ़ेंगे, लेकिन उनकी सुरक्षा नीचे गिरती जाएगी। दुर्घटना के बाद वही परिचित दृश्य सामने आता है-मंत्री घटनास्थल पर पहुंचते हैं, अधिकारी बैठक करते हैं, मुआवजे की घोषणा होती है, जांच समिति बनती है, कुछ भवन सील होते हैं, कुछ गिरफ्तारियां होती हैं और कुछ दिनों तक प्रशासन सक्रिय दिखाई देता है। फिर धीरे-धीरे सब सामान्य हो जाता है। लेकिन किसी मृत विद्यार्थी के माता-पिता के लिए कुछ भी सामान्य नहीं होता। उनके लिए वह एक जांच समिति नहीं, जीवनभर का खालीपन है। उनके लिए मुआवजे की राशि उनके बेटे या बेटी का विकल्प नहीं है। वे यह जानना चाहते हैं कि उनका बच्चा सुरक्षित क्यों नहीं था? किसने सुरक्षा की गारंटी दी थी? किसने निगरानी की थी? किसने खतरे को नजरअंदाज किया था? इसलिए जांच का उद्देश्य केवल दोषी व्यक्ति ढूंढना नहीं होना चाहिए। जांच को यह भी पता लगाना चाहिए कि किस स्तर पर सिस्टम विफल हुआ। फाइल कहां रुकी? निरीक्षण किसने किया? शिकायत किसने दबाई? नक्शा किस आधार पर स्वीकार हुआ? अवैध निर्माण वर्षों तक कैसे चलता रहा? भवन में रहने वालों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी थी? और सबसे महत्वपूर्ण-क्या उन अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होगी जिनकी जिम्मेदारी ही ऐसे हादसों को रोकना थी?सत्य निकेतन के मलबे से आज देश को केवल छह मौतों का आंकड़ा नहीं देखना चाहिए। वहां दबे हुए सपनों को देखना चाहिए। उन माता-पिताओं की आंखों को देखना चाहिए जिन्होंने अपने बच्चों को दिल्ली भेजते समय यह सोचा होगा कि वे पढ़ेंगे, आगे बढ़ेंगे और परिवार का नाम रोशन करेंगे। उन सपनों की मौत केवल एक इमारत के गिरने से नहीं हुई है, वे उस मानसिकता के नीचे दबे हैं जिसमें नियमों से अधिक प्रभावशाली पैसा, सुविधा और 'सब चलता है' की संस्कृति बन जाती है। अब समय है कि सरकारें हादसों के बाद जागने की आदत छोड़ें। भवन गिरने से पहले निरीक्षण हो, पानी भरने से पहले जलनिकासी सुधरे, शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई हो और भ्रष्टाचार होने से पहले ही उसकी गुंजाइश बंद हो। क्योंकि देश को केवल नया भारत नहीं बनाना है-उसे सुरक्षित, जिम्मेदार, ईमानदार और संवेदनशील भारत भी बनाना है। सत्य निकेतन का मलबा हमसे यही पूछ रहा है-अगली इमारत गिरने का इंतजार करेंगे या अब व्यवस्था को सचमुच जगाएंगे?

सू- दोकू क्र.154

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.153 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

शब्द सामर्थ्य -154

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

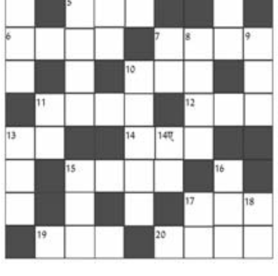

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 153 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्व			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		दां		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

एक नजर

राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में लवकुश ने जीता स्वर्णपदक

भिलाई, 8 सितम्बर। जनता शिक्षण समिति द्वारा संचालित जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के कक्षा नवमी के छात्र लवकुश शर्मा ने राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 40 किलोग्राम वजन वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। लवकुश की सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार ने उन्हें सम्मानित एवं पुरस्कृत करते हुए उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छात्र की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए निरंतर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधन ने विश्वास जताया कि लवकुश भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय, प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करेंगे।

ब्रह्माकुमारी संस्थान ने नशे के दुष्प्रभावों से कराया अवगत,ध्यान से तनाव नियंत्रण का दिया संदेश

बीजापुर, 8 सितंबर । जिले में ब्रह्माकुमारी संस्थान के तत्वावधान में स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में जागरूकता अभियान को बढ़ावा देते हुए सोमवार को लोहाडोंगरी प्रांगण में डीआजी जवानों के साथ नशामुक्ति जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य जवानों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा तनावपूर्ण परिस्थितियों में मानसिक रूप से स्वस्थ और संतुलित रहने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यशाला के दौरान ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रतिनिधियों ने नशे के विभिन्न प्रकारों और इसके सेवन से होने वाली शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक, सामाजिक एवं आर्थिक हानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रतिनिधियओं ने बताया कि नशे की आदत व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार और सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करती है। नशे से दूर रहने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति, सकारात्मक सोच और अनुशासित दिनचर्या को महत्वपूर्ण है । कार्यशाला में जवानों को योग एवं ध्यान के साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। विशेष रूप से राजयोग एवं ध्यान के माध्यम से तनाव नियंत्रण, मानसिक शांति और आत्मसंयम विकसित करने के उपाय बताए गए। जवानों को समझाया गया कि नियमित ध्यान और सकारात्मक चिंतन तनावपूर्ण परिस्थितियों से बेहतर ढंग से निपटने में सहायक हो सकता है।

भाजपा पश्चिम नगर मण्डल स्तरीय सेवा संकल्प अभियान कार्यशाला आयोजित

जगदलपुर, 8 सितंबर। जिला भाजपा पश्चिमी नगर मण्डल द्वारा आज सोमवार को सेवा संकल्प अभियान कार्यशाला का आयोजन भाजपा जिला कार्यालय में किया गया। भारतीय जनता पार्टी आगामी 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक पूरे देश में सेवा संकल्प अभियान चलायेगी। जिसमें एक माह तक विविध कार्यक्रम भाजपा कार्यकर्ता जनता के मध्य पहुंच कर पूरे करेंगे।कार्यशाला को संबोधित करते हुये मुख्य वक्ता बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र सेवा के सफलतम 25 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा सेवा संकल्प अभियान मनाया जायेगा। जिसमें राष्ट्रीय स्तर से बूथ स्तर तक कार्यक्रम पूरे होंगें। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता महत्वपूर्ण हैं। भाजपा के सभी ऊर्जावान कार्यकर्ता आम जनता से जुड़ कर कार्यक्रमों को सफलता पूर्वक संपन्न करायेंगे। श्री कश्यप ने सेवा संकल्प अभियान के कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी कार्यकर्ताओं के समक्ष रखी।भाजपा जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। जिसमें भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी सहभागिता निभानी है। जनता की सेवा से जुड़े विविध तेरह कार्यक्रम की रूपरेखा बनायी गयी है, जिसे साकार रूप दिया जायेगा। मण्डल प्रभारी सफीरा साहू और पश्चिमी मण्डल अध्यक्ष प्रकाश झा ने भी कार्यशाला को संबोधित किया।

कलेक्टर की अभिनव पहल से अब अंतागढ़ में ही मिलेंगी विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं

कांकेर, 8 सितम्बर । जिले के दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्र अंतागढ़ एवं कोयलीबेड़ा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को अब बेहतर और विशेषज्ञ स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने की दिशा में कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने महत्वपूर्ण पहल की है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अंतागढ़ के ऑपरेशन थिएटर को शीघ्र पूर्ण रूप से क्रियाशील करने के साथ ही यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही है। इससे क्षेत्र के मरीजों को उपचार एवं ऑपरेशन के लिए जिला मुख्यालय अथवा अन्य शहरों तक लंबी दूरी तय करने की परेशानी कम होगी। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने आज दंडकवन एवं धन्वंतरी सेवा समिति से संबद्ध चिकित्सक डॉ. आनंद जोशी एवं उनकी टीम के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अंतागढ़ का निरीक्षण किया। उन्होंने ऑपरेशन थिएटर में उपलब्ध सुविधाओं, आवश्यक उपकरणों तथा अन्य संसाधनों का बारीकी से जायजा लिया और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आगामी दो सप्ताह के भीतर ऑपरेशन थिएटर को पूर्ण रूप से क्रियाशील करने के निर्देश दिए। उन्होंने सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट्स, पावर बैकअप, ऑक्सीजन पाइपलाइन सहित ऑपरेशन के लिए आवश्यक सभी संसाधनों की उपलब्धता प्राथमिकता से सुनिश्चित करने कहा। साथ ही ऑपरेशन सेवाओं के लिए आवश्यक चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं अंतागढ़ में उपलब्ध कराने के संबंध में डॉ. जोशी एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा की। दूरस्थ क्षेत्र के मरीजों को स्थानीय स्तर पर बेहतर जांच एवं उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सोनोग्राफी एवं ब्लड स्टोरेज यूनिट की सुविधा प्रारंभ करने की प्रक्रिया में भी तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

बारिश में बेरोदी नदी का जलस्तर बढ़ते ही 11 गांवों का कट जाता है संपर्क

`पुल न होने से मरीजों का अस्पताल,बच्चों का स्कूल जाना हो जाता है मुश्किल

राजकुमार कोण्डागुरला

बीजापुर 8 सितम्बर। जिला मुख्यालय से महज 15 किलोमीटर की दूरी, लेकिन विकास की तस्वीर ऐसी कि बारिश आते ही पूरा इलाका मुख्यधारा से कट जाता है। कोटेर-पदमुर क्षेत्र के 11 से अधिक गांवों के लिए बेरोदी नदी अब महज नदी नहीं, बल्कि विकास और जिंदगी के बीच खड़ी सबसे बड़ी दीवार बन चुकी है। बारिश में जलस्तर बढ़ते ही गांवों का संपर्क टूट जाता है और मरीजों से लेकर स्कूली बच्चों तक को जान जोखिम में डालकर नदी पार करनी पड़ती है। इसी गंभीर समस्या को लेकर ग्रामीणों ने सोमवार को जिला कलेक्टर विश्वदीप को ज्ञापन सौंपकर बेरोदी नदी पर स्थायी पुल निर्माण की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि वर्षों से समस्या झेल रहे हैं, लेकिन हर बरसात में वही संकट फिर सामने खड़ा हो जाता है।

बारिश आई, तो गांव बन जाते हैं टापू

कोटेर, पदमुर, मौसला, कैका, दुरदा, कचीलवार, गुंडापुर, चेरकंटी, जारगोया और कडेनार समेत आसपास के गांवों में बारिश के दिनों में आवागमन सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है। नदी में पानी बढ़ते ही मुख्य मार्ग से संपर्क टूट जाता है। कई बार स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि नदी पार करना तो दूर, उसके करीब जाना भी खतरे से खाली नहीं रहता।

मरीजों के लिए नदी बनी जिंदगी-मौत का सवाल

सबसे गंभीर स्थिति स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर है। आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाना ग्रामीणों के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है। नदी में तेज बहाव के बीच किसी बीमार या घायल व्यक्ति को ले जाना किसी भी वक्त बड़े हादसे का कारण बन सकता है।

धान बेचने से खाद-बीज तक हर काम पर पहरा

किसानों की परेशानी भी कम नहीं है। ग्रामीणों सुरेश वर्गेम, राम सिंह वर्गेम और बुच्चैया पसपुल ने बताया कि धान बेचने, खाद-बीज खरीदने और कृषि से जुड़े जरूरी कामों के लिए नदी पार करना मजबूरी है। जलस्तर बढ़ने पर कई दिनों तक आवागमन ठप हो जाता है, जिससे खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दोनों प्रभावित होते हैं।

मरीजों से लेकर स्कूली बच्चों तक को जान जोखिम में डालकर करना पड़ता है नदी पार

स्कूल पहुंचने के लिए बच्चों की 'जल परीक्षा'

बेरोदी नदी का सबसे बड़ा खामियाजा स्कूली बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। पुनेश समतुल और महादेव गोंगला ने बताया कि जुलाई से दिसंबर तक नदी में पानी और बाढ़ के कारण स्कूल पहुंचना मुश्किल हो जाता है। कई बार शिक्षक भी जोखिम उठाकर नदी पार कर स्कूल पहुंचते हैं। तेज बहाव के बीच बच्चों का नदी पार करना किसी बड़ी अनहोनी को न्योता देने जैसा है।

लाल आतंक से बाहर आया क्षेत्र, अब विकास की बारी

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र लंबे समय तक लाल आतंक के साये में रहने के कारण विकास की मुख्यधारा से दूर रहा, लेकिन अब परिस्थितियां बदल रही हैं। ऐसे में जिला मुख्यालय से महज 15 किलोमीटर दूर बसे गांवों को स्थायी आवागमन सुविधा से वंचित रखना बड़ा सवाल खड़ा करता है।

पुल नहीं तो हर बरसात यही कहानी!

बेरोदी नदी पर स्थायी पुल निर्माण अब ग्रामीणों के लिए सुविधा नहीं बल्कि जरूरत और सुरक्षा का सवाल बन चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि तत्काल बड़े पुल का निर्माण संभव नहीं है तो ऋष्ट पुलिया अथवा फ्लश कॉजवे जैसे व्यवहारिक विकल्पों पर भी विचार किया जा सकता है।

पूर्व में भी तरुण छत्तीसगढ़ की टीम द्वारा पुल की समस्या पर प्रमुखता से खबर प्रकाशित किया गया था लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं किया गया है। अब देखना होगा कि जिला मुख्यालय के इतने करीब होने के बावजूद इन गांवों तक विकास की राह कब पहुंचेगी? क्या हर साल बारिश में ग्रामीणों को इसी तरह जिंदगी दांव पर लगाकर नदी पार करनी पड़ेगी, या प्रशासन अब बेरोदी नदी पर स्थायी समाधान की दिशा में कदम बढ़ाएगा?

नशे के खिलाफ डीआरजी जवानों ने भरी हुंकार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 8 सितंबर। नक्सल मोर्चे पर मुस्तैदी से डटे छत्रन्न जवान अब नशे के खिलाफ भी जागरूकता की मुहिम का हिस्सा बने। सोमवार को लोहाडोंगरी प्रांगण में ब्रह्माकुमारी संस्थान के तत्वावधान में जवानों के लिए नशा मुक्ति जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों और इससे होने वाले नुकसान को लेकर जवानों को विस्तार से जानकारी दी गई।

नशा सिर्फ शरीर नहीं, पूरा परिवार तोड़ता है

कार्यशाला में नशे के विभिन्न प्रकारों और इसके कारण होने वाली शारीरिक एवं मानसिक क्षति के साथ पारिवारिक कलह, सामाजिक प्रतिष्ठा में गिरावट और आर्थिक नुकसान जैसे गंभीर प्रभावों पर चर्चा की गई। जवानों को समझाया गया कि नशे की गिरफ्त से बाहर निकलने के लिए इच्छाशक्ति के साथ सकारात्मक सोच और अनुशासित दिनचर्या बेहद जरूरी है।

राजयोग बना तनाव से लड़ने का हथियार-ड्यूटी के दौरान तनाव और मानसिक दबाव से निपटने के लिए जवानों को राजयोग एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया। मानसिक शांति, आत्मसंयम और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए योग-ध्यान तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया गया।

जवानों ने लिया नशामुक्ति का संकल्प-कार्यशाला के समापन पर छत्रन्न जवानों ने नशे से सदैव दूर रहने का संकल्प लिया। साथ ही अपने परिवार, सहकर्मियों और समाज के अन्य लोगों को भी नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने की शपथ ली।

बीजापुर पुलिस की पहल

बीजापुर पुलिस द्वारा स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है। सुरक्षा के साथ सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देते हुए पुलिस और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की ऐसी पहल नशे के खिलाफ जनजागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

समाचार संक्षेप

साइबर ठगों से बचने छात्राओं को किया अलर्ट

बीजापुर, 8 सितंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मोबाइल और इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल के बीच साइबर ठगी के खतरे को देखते हुए बीजापुर पुलिस ने अब महिलाओं और छात्राओं को साइबर अपराधियों के निशाने से बचाने के लिए जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। छत्तीसगढ़ पुलिस के 'साइबर जागृति अभियान' के तहत जिले के सभी थाना क्षेत्रों में चौथे सप्ताह महिलाओं, बच्चों और छात्राओं को केंद्रित कर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कुल 176 साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, महिला स्व-सहायता समूहों, ग्रामीण महिलाओं और स्कूली छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों के नए-नए तरीकों से अवगत कराते हुए उनसे बचाव के उपाय बताए गए। पुलिस ने महिलाओं और छात्राओं को फर्जी कॉल, OTP ठगी, ATM एवं UPI फ्रॉड, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया अपराध, साइबर बुलिंग और ऑनलाइन स्टॉकिंग जैसे अपराधों के प्रति विशेष रूप से सतर्क किया। पुलिस ने साफ संदेश दिया कि साइबर अपराधी छोटी सी लापरवाही का फायदा उठाकर लोगों की मेहनत की कमाई पर हाथ साफ कर सकते हैं।जागरूकता कार्यक्रमों में नागरिकों को समझाइश दी गई कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ OTP, ATM PIN, CVV, UPI PIN, पासवर्ड या बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करें। अनजान लिंक पर क्लिक करने और किसी के कहने पर ऑनलाइन लेन-देन करने से भी बचने की सलाह दी गई। साइबर ठगी का शिकार होने की स्थिति में समय गंवाए बिना साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी। बीजापुर पुलिस का यह अभियान खास तौर पर ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं और छात्राओं के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जहां डिजिटल सेवाओं का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने, जानकारी साझा करने से पहले सोचने और साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल शिकायत करने की अपील की है।

नकली घड़ी बेचने के मामले में कार्रवाई

दुर्ग, 8 सितंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। दुर्ग के इंदिरा मार्केट में नामी ब्रांड टाइटन और फास्ट्रैक के नाम पर नकली घड़ियां बेचने के कारोबार का पुलिस ने पर्दाफाश किया है दुर्ग सिटी कोतवाली थाने पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुकान संचालक कमलेश निर्मलकर को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपी की दुकान से बड़ी संख्या में नकली घड़ियां और अन्य सामग्री बरामद की है टाइटन कंपनी की ओर से ब्रांडेड घड़ियों की असली-नकली जांच और कार्रवाई के लिए अधिकृत गौरव तिवारी ने दुर्ग सिटी कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी शिकायत में बताया गया कि इंदिरा मार्केट स्थित सत कबीर वाच का संचालक लंबे समय से टाइटन और फास्ट्रैक के नाम और ट्रेडमार्क का दुरुपयोग कर नकली घड़ियां बेच रहा है, तलाशी के दौरान टाइटन और फास्ट्रैक की 280 नकली घड़ियां, फास्ट्रैक के 275 नकली टैग और आरोपी का मोबाइल फोन बरामद किया गया दुर्ग सिटी कोतवाली पुलिस ने बताया की आरोपी नकली घड़ियों को असली ब्रांड की बताकर ग्राहकों को बेचता था और इसी के जरिए अवैध मुनाफा कमाता था। मामले में कॉपीराइट अधिनियम 1957 की धारा 63 और बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।उन्होंने ने लोगों और व्यापारियों से अपील की है कि ब्रांडेड सामान खरीदते समय उसकी प्रामाणिकता जरूर जांचें और नकली सामान की बिक्री की सूचना तत्काल पुलिस को दें

गीदम में विकास कार्यों को मिली गति, मूलभूत सुविधाओं को पहली प्राथमिकता:रजनीश सुराना

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 8 सितम्बर । नगर पंचायत गीदम में विकास कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से गति दी जा रही है। नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना के नेतृत्व में मूलभूत सुविधाओं को पहली प्राथमिकता देते हुए सड़क, नाली, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, स्वच्छता और सुरक्षा से जुड़े कार्यों के साथ-साथ भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बड़े एवं स्थायी विकास कार्यों को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। नगर में लगभग साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत से नालंदा परिसर, लगभग सवा करोड़ रुपये की लागत से मटन मार्केट, मुक्तिधाम के पुनर्विकास, वार्ड क्रमांक 12 में महिला जिम, विभिन्न वार्डों में सड़क एवं नाली निर्माण तथा नगर के सभी वार्डों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना पर कार्य आगे बढ़ रहा है। वहीं पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए लगभग 90 लाख रुपये की राशि सम्पवेल एवं राइजिंग मेन के लिए स्वीकृत हो चुकी है और इसका टेंडर भी हो चुका है।

बारिश के कारण नगर के विभिन्न वार्डों के मुख्य एवं प्रमुख मार्गों पर हुए छोटे-बड़े गड्ढों को भरने का कार्य नगर पंचायत द्वारा आज से प्रारंभ किया गया। नगर पंचायत की टीम विभिन्न वार्डों में गड्ढों को चिन्हित कर उन्हें भरने का कार्य कर रही है। पार्षद भी अपने-अपने वार्डों में आवश्यक स्थानों को चिन्हित कराने एवं कार्य में सहयोग कर रहे हैं। गीदम के मुख्य NH मार्ग पर बारिश के बाद बड़ी संख्या में गड्ढे हो गए थे, जिससे राहगीरों एवं वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी के साथ दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी। जनहित को देखते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना के नेतृत्व में नगर पंचायत के कर्मचारियों, पार्षदों एवं नगर के गणमान्य नागरिकों के सहयोग से मुख्य NH मार्ग के गड्ढों को भरने का कार्य भी किया जा रहा है। इस अभियान में नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना के साथ पार्षद सूरज ठाकुर, अवधेश गुप्ता, खिलावन सागर एवं श्रीकांत राव, नेता प्रतिपक्ष सोहन यादव सहित वरिष्ठ नागरिक मल्लिकार्जुन राव, रमेश डागा एवं गोलू यादव, पूर्व पार्षद सुनील गोल्छा, मनीष पांडे सहित नगर पंचायत के कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिकों ने सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभाई। नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना ने सभी जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नागरिकों, नगर पंचायत कर्मचारियों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ÷नगर के विकास और जनहित के कार्यों में सभी का सहयोग मिलना सकारात्मक और उत्साहजनक है। जब जनप्रतिनिधि, कर्मचारी और नागरिक मिलकर किसी समस्या के समाधान के लिए आगे आते हैं, तो उसका सकारात्मक परिणाम सामने आता है।÷उन्होंने कहा कि बारिश के कारण कई मार्गों पर गड्ढे हो गए थे, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी के साथ दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई थी। लोगों की शिकायत का इंतजार किए बिना नगर पंचायत ने स्वयं इसका संज्ञान लेकर तत्काल गड्ढे भरने का कार्य शुरू किया है। इसी प्रकार खराब नालियों के निर्माण एवं सुधार के लिए भी प्रस्ताव भेजे गए हैं। स्वीकृति प्राप्त होते ही नियमानुसार कार्य प्रारंभ किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जनता और शासन का पैसा महत्वपूर्ण है, इसलिए ऐसी जगह राशि खर्च करने की प्राथमिकता है, जहां उसका स्थायी लाभ नगरवासियों को मिल सके।

पानी की समस्या के स्थायी समाधान की ओर कदम

गीदम में पेयजल समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। छिंदनार से पानी की आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में नगरवासियों को परेशानी न हो, इसके लिए कलेक्टर महोदय से निवेदन किया गया था। इसके परिणामस्वरूप लगभग 90 लाख रुपये की राशि सम्पवेल एवं राइजिंग मेन के लिए स्वीकृत हुई है। इसका टेंडर हो चुका है और जल्द ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

बाढ़ के बाद प्रभावित मुक्तिधाम का होगा नए सिरे से विकासबाढ़ के बाद मुक्तिधाम की स्थिति गंभीर हो गई थी। नगर पंचायत द्वारा इसका संज्ञान लेते हुए मुक्तिधाम के नए सिरे से सुधार एवं विकास की प्रक्रिया पूरी की गई है। कार्य का टेंडर हो चुका है और जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। प्रयास है कि मुक्तिधाम को व्यवस्थित, स्वच्छ एवं सुविधायुक्त बनाया जाए, ताकि नगरवासियों को बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध हो सकें।

सवा करोड़ के मटन मार्केट से व्यवस्थित होगी मांस बाजार व्यवस्था

नगर में लगभग सवा करोड़ रुपये की लागत से मटन मार्केट का कार्य आगे बढ़ रहा है। निर्माण के बाद मांस की कटिंग एवं अन्य संबंधित गतिविधियों को एक ही परिसर में व्यवस्थित किया जाएगा। परिसर में पानी, शौचालय, निस्तारण एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। इससे मुख्य मार्गों एवं सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी की समस्या कम होगी।

सांसद महेश कश्यप की पहल से एलपीजी सिलेंडर का 45 दिन का इंतजार खत्म,अब 25 दिन में होगी बुकिंग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 8 सितंबर । दंतेवाड़ा जिले में घरेलू गैस सिलेंडर की रिफिल बुकिंग के लिए निर्धारित 45 दिनों की अवधि को घटाकर 25 दिन करने की मांग को लेकर बस्तर सांसद महेश कश्यप द्वारा केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखकर व्यवस्था में सुधार की मांग की गई थी। सांसद की पहल के बाद अब केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत प्रदान की है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा इंडियन ऑयल,भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम को निर्देशित किया गया है कि घरेलू एलपीजी रिफिल की बुकिंग के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में समान रूप से 25 दिनों का अंतर निर्धारित किया जाए। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि सांसद महेश कश्यप ने अगस्त 2026 में केंद्रीय मंत्री को भेजे पत्र में नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिनों की बुकिंग अवधि से आम उपभोक्ताओं को होने वाली परेशानी का उल्लेख किया था। उन्होंने बताया था कि कई परिवारों में एक गैस सिलेंडर 25 से 30 दिनों में समाप्त हो जाता है, लेकिन 45 दिनों की बाध्यता के कारण उपभोक्ताओं को सिलेंडर समाप्त होने के बाद कई दिनों तक परेशानी उठानी पड़ती है। सांसद महेश कश्यप ने कहा कि दंतेवाड़ा सहित बस्तर के लोगों की सुविधा और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एलपीजी बुकिंग की अवधि को 45 दिन से घटाकर 25 दिन करने की मांग केंद्र सरकार के समक्ष रखी गई थी। केंद्र सरकार द्वारा शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लिए 25 दिन का समान अंतर लागू करने का निर्णय स्वागत योग्य है। इससे विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार जनसुविधाओं को बेहतर बनाने और आम नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्थाओं में सुधार के लिए लगातार कार्य कर रही है। जनता की समस्या को उठाना और उसका समाधान सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है।

151 गुम मोबाइल फोन बरामद कर मालिकों को सुपुर्द किए गए

कोंडागांव, 8 सितंबर। जिले की पुलिस द्वारा गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस की तकनीकी टीम ने लगातार प्रयास करते हुए कुल 151 गुम मोबाइल फोन बरामद किए । मोबाइल फोन की तलाश के दौरान तकनीकी माध्यमों से उनकी जानकारी एवं उपयोग के स्थानों का पता लगाया गया। कई मोबाइल फोन छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों तथा सीमावर्ती राज्यों में उपयोग किए जा रहे थे। संबंधित स्थानों पर समन्वय स्थापित कर पुलिस द्वारा इन मोबाइलों को बरामद किया गया। बरामद किए गए मोबाइल फोन पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा द्वारा आज सोमवार को उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किए गए।

कोंडागांव एसपी पंकज चन्द्रा ने नागरिकों को ओटीपी, यूपीआई पिन, एटीएम-डेबिट कार्ड की जानकारी, पासवर्ड एवं बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने, अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने तथा फर्जी केवायसी अपडेट, बैंक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, कस्टमर केयर, डिजिटल अरेस्ट एवं अन्य प्रकार की ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने की अपील की। उन्होने कहा कि साइबर अपराधी लगातार नए तरीकों से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। इसलिए जागरूकता और सतर्कता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार हो जाता है तो बिना समय गंवाए तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करें तथा नजदीकी पुलिस थाना को भी सूचना दें। पुलिस द्वारा चलाया गया यह अभियान यह संदेश देता है कि मोबाइल गुम होने के बाद उसे वापस पाने की उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए। पुलिस की तकनीकी टीम द्वारा उपलब्ध जानकारी के आधार पर मोबाइल को ट्रेस करने का लगातार प्रयास किया जाता है।

एक नजर

शत-प्रतिशत एवं त्रुटिरहित ई-गिरदावरी के लिए कलेक्टर ने दिए निर्देश

रायगढ़, 8 सितम्बर। जिले में शत-प्रतिशत एवं त्रुटिरहित ई-गिरदावरी सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा मैदानी स्तर पर लगातार निगरानी की जा रही है। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि निर्धारित प्रक्रिया एवं मानकों का पालन करते हुए मौके पर जाकर फसल की वास्तविक स्थिति का सत्यापन सुनिश्चित करें, ताकि गिरदावरी में किसी भी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश न रहे। कलेक्टर ने अधिकारियों को सर्वेयरों के कार्यों की नियमित समीक्षा करने, कम से कम एक बार समीक्षा बैठक आयोजित करने तथा योजनाबद्ध तरीके से आकस्मिक निरीक्षण कर ई-गिरदावरी कार्य का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि सर्वे के दौरान किसी भी प्रकार की त्रुटि या विसंगति पाए जाने पर तत्काल संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं उच्च अधिकारियों को इसकी जानकारी दी जाए। साथ ही शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही पूरा कार्य कराया जाए। कलेक्टर के निर्देशों के अनुपालन में अपर कलेक्टर डॉ. प्रियंका वर्मा ने रायगढ़ तहसील के ग्राम बेलादुला, बड़े रामपुर और बांजीनपाली पहुंचकर डिजिटल क्रॉप सर्वे का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों के खेतों में चल रहे सर्वे कार्य का मौके पर अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों एवं सर्वेयरों से सर्वे की प्रगति और कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने वास्तविक स्थिति के आधार पर फसल की जानकारी दर्ज करने और सर्वे कार्य में पूरी सावधानी एवं पारदर्शिता बरतने के निर्देश दिए। मौके पर तहसीलदार रायगढ़ श्री शिव डनसेना और संबंधित अमला मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि जिले में डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य 17 अगस्त से 20 सितंबर 2026 तक किया जा रहा है। सर्वेयर मोबाइल एप के माध्यम से खेतों में पहुंचकर मौके की वास्तविक स्थिति के आधार पर फसल संबंधी जानकारी दर्ज कर रहे हैं।

17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक जिले में विभिन्न गतिविधियों का होगा आयोजन

बालोद, 8 सितम्बर । जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करने, विकसित भारत 2047 का सामूहिक संकल्प लेने और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बालोद जिले में 17 सितंबर से एक माह का सेवा संकल्प अभियान शुरू होने जा रहा है। 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान में जनप्रतिनिधियों और आम जनता की सक्रिय भागीदारी रहेगी। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने आज अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर अभियान की तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।अभियान के सुचारू संचालन के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुनील चंद्रवंशी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने अभियान अंतर्गत आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए संबधित जिला अधिकारियों को बेहतर कार्यक्रम आयोजित करने हेतु तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान अतिमहत्वपूर्ण अभियान हैं, सभी अधिकारी इसकी गंभीरता को देखते हुए सक्रियता से कार्य करें, सभी कार्यक्रम मे व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित हो। उन्होंने कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारियों को तय कार्यक्रम अनुसार स्थल चिहांकन एवं आवश्यक तैयारी तेजी से प्रारम्भ करने के निर्देश दिये। अभियान के दौरान आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम- 17 सितम्बर को आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम से अभियान का शुभारंभ, घर-घर और जिला स्तर पर सामूहिक दीप प्रज्वलन व हितग्राहियों के सम्मान के साथ होगा। बच्चों के सपनों का भारत कार्यक्रम 17 सितंबर से 07 अक्टूबर तक स्कूलों और कॉलेजों में ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन। 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जनजागरूकता प्रसार होगा। 25 सितंबर से 07 अक्टूबर तक आंगन का उत्सव कार्यक्रम मे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान और मातृ वंदन कार्यक्रम। 07 अक्टूबर को सेवा ज्योति यात्रा अंतर्गत गांव, विकासखंड एवं जिला मुख्यालय मे कलश यात्रा का आयोजन होगा। इसके साथ ही विकसित भारत संकल्प यात्रा, जल जन सेवा संकल्प और सेवा सेतु अभियान के तहत सभी विकासखंडों में विशेष शिविर किया जाएगा साथ ही साथ संपूर्ण माह कहानी बदलाव की के तहत योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानियां साझा की जाएंगी। साथ ही सेवा मेरा योगदान, रंगोली राष्ट्र और राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज आयोजित होंगे। अभियान का भव्य समापन 17 अक्टूबर को जन सेवक महाकुंभ के आयोजन के साथ होगा।

जिले में सेवा संकल्प अभियान का होगा 17 सितंबर से सफल आयोजन : कलेक्टर

बालोद, 8 सितम्बर । कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि देश व प्रदेश के साथ जिले में भी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' का सफल आयोजन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के सफल संपादन हेतु जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने अभियान के अंतर्गत होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों के संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों से विस्तृत चर्चा करते हुए कार्यक्रम स्थल का चिन्हांकन और बेहतर ढंग से कार्यक्रम के आयोजन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने समाज कल्याण विभाग द्वारा बालोद में आयोजित किए जा रहे बाल दिव्यांग प्रमाणीकरण अभियान के संबंध में भी विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि इस प्रमाणीकरण शिविर का लाभ जिले के सभी 06 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के दिव्यांगजनों को प्रदान करना सुनिश्चित करें। उन्होंने इसके लिए समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिविर में आने वाले दिव्यांगजनों के परिवहन व्यवस्था, भोजन सहित शिविर स्थल में सभी पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित हो। कलेक्टर ने 28 सितंबर को जिले में होने वाले 'युवा उड़ान महोत्सव' के बेहतर आयोजन हेतु संबंधित नोडल अधिकारी को कार्यक्रम स्थल, युवा वर्ग को आमंत्रण सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन 1076 अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली।

ओबीसी मोर्चा के संभागस्तरीय प्रबुध्द्जन सम्मान व कार्यकर्ता सम्मेलन में

योग एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए योगाचार्य मिथलेश कुमार सिन्हा सम्मानित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 8 सितंबर। ओबीसी मोर्चा के तत्वावधान में सोमवार 7 सितंबर को राजधानी रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, साइंस कॉलेज परिसर में संभाग स्तरीय प्रबुद्धजन सम्मान एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योग एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए छुरा निवासी योगाचार्य मिथलेश कुमार सिन्हा को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा अध्यक्ष केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू विशेष अतिथि उप मुख्यमंत्री अरुण साव, वित्त मंत्री ओ पी चौधरी मौजूद रहे। योगाचार्य मिथलेश कुमार सिन्हा योग एवं आरोग्य के क्षेत्र में लगभग 12 वर्षों से निरंतर सेवा कार्य कर रहे हैं। वे एम.ए. (योग) तथा पतंजलि योगपीठ हरिद्वार, आयुष मंत्रालय भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ योग आयोग से प्रशिक्षित एवं प्रमाणित योग शिक्षक हैं।मिथलेश कुमार सिन्हा द्वारा लंबे समय से निशुल्क योग कक्षाओं एवं योग शिविरों के माध्यम से लोगों को योग, स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उनके सेवा कार्यों के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों तक योग का संदेश पहुंचा है। इसके अलावा वे स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से योगदान देते रहे हैं।सम्मेलन में उनके इसी निरंतर योग सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामाजिक योगदान को देखते हुए उन्हें प्रबुद्धजन सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त होने पर योगाचार्य मिथलेश कुमार सिन्हा ने इसे अपने लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें समाज के लिए और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है।इस उपलब्धि पर उन्हें उनके परिवार एवं मित्रजन नगर वासियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं देकर उज्जवल भविष्य की कामना की

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं

रायगढ़, 8 सितम्बर। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने आज जिला कार्यालय में आयोजित जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की समस्याएं एवं मांगें सुनीं। उन्होंने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक जांच कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में ग्राम गेरवानी निवासी दुखनाशन भोय ने बताया कि क्षेत्र औद्योगिक होने के कारण यहां बड़ी संख्या में मजदूर निवास करते हैं, जिनमें कई आर्थिक

रूप से कमजोर हैं। महंगी दवाइयां खरीदने में असमर्थ लोगों की सुविधा के लिए उन्होंने ग्राम में प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र खोलने की अनुमति देने का आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने आवेदन पर सीएमएचओ को शीघ्र उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। इसी तरह तमनार विकासखंड के प्राथमिक शाला ढेगुरचुआं की शाला विकास समिति के अध्यक्ष ने विद्यालय में शिक्षक व्यवस्था की मांग रखी। उन्होंने बताया कि विद्यालय में दो शिक्षक पदस्थ हैं, जिनमें से एक शिक्षिका के बिना सूचना अनुपस्थित रहने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को मामले में अतिशीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।रायगढ़ की सिंधी कॉलोनी निवासी दौलतराम उर्फ दयाराम ने कौहाकुंडा में कथित अवैध निर्माण की शिकायत की। उन्होंने बिना आवश्यक अनुमति एवं नियमों का पालन किए निर्माण किए जाने तथा हाउसिंग बोर्ड की भूमि पर कब्जे का आरोप लगाते हुए कार्यवाही की मांग की। वहीं पुसौर तहसील के ग्राम सूरजगढ़ निवासी ओमप्रकाश निषाद ने अगस्त माह में हुई बारिश से मकान पूरी तरह ढह जाने और घरेलू सामान एवं अनाज नष्ट होने की जानकारी देते हुए आर्थिक सहायता एवं मुआवजा दिलाने का अनुरोध किया। श्रीमती सुलोचना महंत ने अपने और बच्चों के भरण-पोषण के लिए सहायता राशि दिलाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया।

चुन्नी लाल ध्रुव के छग मंडी एवं मंडी बोर्ड कर्मचारी महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष बनने के बाद प्रथम मंडी आगमन पर जोरदार स्वागत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा, 8 सितंबर। छग मंडी एवं मंडी बोर्ड कर्मचारी महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष पद पर चुन्नीलाल ध्रुव सचिव वरिष्ठ के निर्वाचित होने के उपरांत प्रथम आगमन कृषि उपज मंडी भाटापारा में पहुंचने परअधिकारी कर्मचारी संघ के द्वारा जोरदार स्वागत किया गया इसके अलावा पत्रकार संतोष अग्रवाल,राजेश शर्मा, कृषक कल्याण अभिकर्ता संघ के अध्यक्ष राजेश तिवारी, सचिव मनमीत सलूजा, शरदमल, लककी छाबड़ा हुए

विदित हो कि इस निर्वाचन में भाटापारा कृषि उपज मंडी में पदस्थ सचिव चुन्नी लाल ध्रुव प्रदेश अध्यक्ष के लिए निर्वाचित हुए है उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी डॉक्टर मलिक राम पोरते को 151 मतों से पराजित किया।अपनी जीत से प्रफुल्लित ध्रुव ने अपने प्रदेश मंडी के साथियों के हितों में काम करने का विश्वास दिलाते हुए उन्हें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ प्रदेश के मंडी बोर्ड एवं मंडी बोर्ड कर्मचारी महासंघ का चुनाव रविवार को रायपुर में सम्पन्न हुआ।प्रदेश अध्यक्ष के लिए हुए चतुर्थ कोणीय चुनाव में चुन्नी लाल ध्रुव ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को लगभग 151 मतो से पराजित कर प्रदेश अध्यक्ष बने। जानकारी अनुसार ध्रुव को 339 मत मिले,जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी को डा मालिक राम पोर्ते को 188 मत , नन्द कुमार सोनी को 122, व रविशंकर तिवारी को 13मत मिले। कुल 666 मत पड़े,जिसमें 4 मत निरस्त हुए।इस प्रदेश स्तरीय चुनाव को लेकर काफी समय से सरगर्मी बनी हुई थी और इस चुनाव और उसके परिणाम को लेकर अन्य लोगों में भी काफी उत्सुकता थी।रविवार को हुए चुनाव में विजई हासिल करने के बाद चुन्नी लाल ध्रुव को बधाई देने वालों का लगातार तांता बना हुआ है।अपनी जीत के बाद ध्रुव ने प्रदेश के अपने साथियों के प्रति आभार जताते हुए उनका धन्यवाद ज्ञापित किया है,उन्होंने विश्वास जताया है कि उनकी संज्ञान में जो भी विषय कर्मचारी अधिकारी के हितों के लिए आयेगा,उसके लिए वे अपने संघ के साथ खड़े रहेंगे।

इस बीच भाटापारा कृषि उपज मंडी के मंडी सचिव सी एल ध्रुव के प्रदेश अध्यक्ष बनने की खबर स्थानीय मंडी में आते ही खुशी का माहौल है । मण्डी ईकाई अध्यक्ष सुश्री निशा सिंह , प्रफुल्ल कुमार मांझी मंडी निरीक्षक , बालगोविंद कश्यप मंडीनिरीक्षक, मनोहर राव भोसले मंडी निरीक्षक परशुराम सोनवानी लेखापाल सत्यनारायण यादव उपनिरीक्षक ,श्याम लाल साहू ,ओमप्रकाश पाल फणेन्द्र दीवान,डेमनलाल मुरलीमनोहर यादव सहायक ग्रेड 1, नरेंद्र साहू सहायक ग्रेड 3,,वीरेन्द्र वर्मा ,धर्मेन्द्र यदु सहित अनेक कर्मचारियों,व्यापारियों ने श्री ध्रुव को बधाई एवं शुभकामना दी है।

समाचार संक्षेप

देवगढ़ की रुकमणी ने हुनर को बनाया रोजगार

रायगढ़, 8 सितम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कभी

गृहिणी के रूप में परिवार संभालने वाली रुकमणी आज सीमेंट से मंदिर और सजावटी सामग्री तैयार कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने मेहनत और हुनर के दम पर अपनी जिंदगी को नई दिशा दी है। बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्होंने समूह के माध्यम से बचत की और ऋण लेकर अपने हुनर को रोजगार का रूप दिया। आज इस काम से उन्हें हर महीने करीब 45 हजार रुपये तक की आमदनी हो रही है।रायगढ़ जिले के तमनार विकासखंड के ग्राम देवगढ़ की रुकमणी कुंवर ने बिहान योजना के तहत गठित समूह से जुड़ीं। समूह में शामिल होने के बाद उन्होंने नियमित बचत शुरू की। इसके बाद आरएफ, सीआईएफ और बैंक लोन के माध्यम से ऋण प्राप्त कर सीमेंट से मंदिर एवं विभिन्न सजावटी वस्तुएं बनाने का काम शुरू किया। शुरुआत में सीमित संसाधनों के साथ काम करने वाली रुक्मणी ने धीरे-धीरे अपने काम का विस्तार किया। वर्तमान में उन्होंने बैंक से करीब 50 हजार रुपये का ऋण लिया है, वहीं समूह से भी 20 हजार रुपये का ऋण लेकर अपनी गतिविधियों को आगे बढ़ाया।हुनर को बनाया कारोबार, परिवार की जरूरतें हो रहीं पूरी-रुकमणी सीमेंट से छोटे-बड़े मंदिर, घर की साज-सज्जा और पूजा-पाठ में उपयोग होने वाली विभिन्न वस्तुएं तैयार करती हैं। तैयार सामग्री को स्थानीय स्तर पर बेचकर उन्हें अच्छी आमदनी प्राप्त हो रही है। मेहनत, समूह का सहयोग और बिहान योजना से मिले आर्थिक संबल ने उनके जीवन में बड़ा बदलाव किया है। अब रुकमणी न केवल अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में आर्थिक रूप से योगदान दे रही हैं, बल्कि आत्मनिर्भरता की मिसाल भी बन रही हैं।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आम लोगों की समस्याएं

बालोद, 8 सितम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आज आयोजित कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्थानों से अपने मांगों एवं समस्याओं के निराकरण

हेतु पहुँचे आम नागरिकों के लिए राहत भरा साबित हुआ। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने जिले के विभिन्न स्थानों से पहुँचे लोगों से बड़ी ही आत्मीयता से संवाद कर उनकी मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तलब कर आवेदकों के मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। गौरतलब है कि जनदर्शन में आज डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम कामता के कुसुमकली ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का लाभ दिलाने, ग्राम पैरी के सरपंच ने सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध कराने, बालोद विकासखण्ड के ग्राम पीपरछेड़ी के श्री गेंदूराम ने ट्रायसायकिल दिलाने, ग्राम पंचायत कुलिया के सरपंच ने सीसी रोड निर्माण कराने एवं ग्राम पंचायत बोहारडीह के सरपंच ने नाली निर्माण राशि स्वीकृत करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने ग्राम तमोरा के दिव्यांग श्री घनाराम साहू को बैटरी चलित ट्रायसायकिल भी प्रदान किया।जनदर्शन में आज जिले के विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में लोग कलेक्टर से मुलाकात करने पहुँचे थे। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने जनदर्शन में पहुँचे लोगों से बारी-बारी से मुलाकात कर पूरी आत्मीयता से उनके मांगों एवं समस्याओं को सुना। कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से जनदर्शन में पहुँचे लोगों के मांगों एवं समस्याओं के समुचित निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

हर पात्र बच्चे तक प्रमाण-पत्र और अधिकार कार्यक्रम अंतर्गत शिविर प्रारंभ

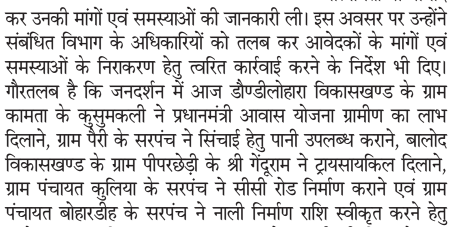

बालोद, 8 सितम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता) कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं शिक्षा विभाग जिला बालोद के संयुक्त तत्वाधान में बाल दिव्यांग प्रमाणीकरण अभियान 2026 अंतर्गत 'हर पात्र बच्चे तक प्रमाण-पत्र और अधिकार' कार्यक्रम अन्तर्गत शिविर आयोजित किया जा रहा है। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक श्री अजय गेडाम ने बताया कि इसके अंतर्गत आज बालोद विकासखण्ड के दिव्यांगजन शामिल हुए थे। शिविर में कुल 350 दिव्यांगजनों का पंजीयन किया गया है। जिसमें कुल 20 दिव्यांगजनों का नवीन दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने एवं 15 दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाण पत्र का नवीनीकरण किया गया। इसके साथ ही शिविर में कुल 25 दिव्यांगजनों का यूनिक आईडी कार्ड, 04 दिव्यांगजनों का उपकरण, 22 दिव्यांगजनों का छात्रवृत्ति, 26 दिव्यांगजनों का फिजियोथैरेपी, 46 दिव्यांगजनों का विशेष शिक्षा एवं 04 दिव्यांगजनों का कृत्रिम पैर हेतु पंजीयन कर माप लिया गया है।

रायगढ़ मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों की ऐतिहासिक उपलब्धि
महिला के पेट से निकाला गया 8 किलो का विशालकाय ट्यूमर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 8 सितम्बर । श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति चिकित्सालय, रायगढ़ के डॉक्टरों ने एक बेहद जटिल और जोखिम भरे ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देकर एक 46 वर्षीय महिला को नई जिंदगी दी है। झलमला निवासी चंपा यादव के पेट से एक विशालकाय ट्यूमर (फाइब्रॉएड) निकाला गया है, जिसका आकार लगभग 24, 2×23.1 × 17 सेंटीमीटर और वजन 8 किलोग्राम था, जो आकार में एक बड़े फुटबॉल के बराबर है।

चंपा यादव पिछले एक महीने से पेट में तेज दर्द, अत्यधिक सूजन और उल्टी की समस्या से बुरी तरह जूझ रही थीं। 22 अगस्त 2026 को जब उन्हें आपातकालीन स्थिति में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में लाया गया, तब उनकी हालत बेहद गंभीर थी। प्रारंभिक जांच में उनका रक्तचाप गिरकर 84/54 एमएमएचजी पर आ गया था और शरीर में खून की भारी कमी (हीमोग्लोबिन मात्र 7.5 जी/डीएल) पाई गई थी। इसके अलावा, रेडियोलॉजिकल जांच (सीटी स्कैन और अल्ट्रासाउंड) में स्पष्ट हुआ कि इस विशाल गांठ के भारी दबाव के कारण गर्भाशय विस्थापित हो गया था और बायीं मूत्रवाहिनी दब गई थी, जिससे किडनी पर भी विपरीत असर पड़ रहा था और लिवर के पैरामीटर्स बिगड़ चुके थे। स्थिति की गंभीरता और मरीज की नाजुक हालत को देखते हुए, मेडिकल टीम ने पहले मरीज को स्थिर करने का निर्णय लिया। रक्त की भारी कमी को पूरा करने के लिए उन्हें कई यूनिट पैक्ड रेड ब्लड सेल चढ़ाए गए और एंटीबायोटिक्स के माध्यम से उनके ऑर्गन फंक्शन को सर्जरी के अनुकूल बनाया गया।

मरीज के पूरी तरह स्थिर होने के बाद, 1 सितंबर 2026 को जनरल एनेस्थीसिया के तहत एक हाई रिस्क सर्जरी (एक्सप्लोरेटरी लेपरोटॉमी) को अंजाम दिया गया। यह ऑपरेशन किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था, क्योंकि यह भारी भरकम ट्यूमर मरीज की आंतों से बेहद गहराई से चिपका हुआ था। इस नाजुक स्थिति को सुरक्षित रूप से संभालने के लिए ऑपरेशन थियेटर में जनरल सर्जरी यूनिट को विशेष रूप से सहायता के लिए बुलाया गया। स्त्री रोग और जनरल सर्जरी एवं निश्चेतना विभाग के डॉक्टरों की संयुक्त टीम ने अद्भुत सर्जिकल कौशल का परिचय देते हुए, आंतों के जटिल जुड़ाव को सावधानी से काटा और दोनों मूत्रवाहिनियों को बिना कोई नुकसान पहुंचाए सुरक्षित अलग कर लिया। इसके पश्चात, गर्भाशय सहित उस विशाल ट्यूमर को शरीर से बाहर निकाल लिया गया। यह जटिल ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा। ऑपरेशन के बाद चंपा यादव को रिकवरी रूम में शिफ्ट कर दिया गया, जहां उन्हें आईवी फ्लूइड्स और दर्द निवारक दवाएं दी जा रही हैं। उनकी स्थिति अब स्थिर है और वे स्वास्थ्य लाभ ले रही हैं।

अधिष्ठाता डॉ. संतोष कुमार और अस्पताल अधीक्षक डॉ. दुर्गाशंकर पटेल के मार्गदर्शन में विभागाध्यक्ष प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग डॉ. राघवेन्द्र महिलांगे, डॉ कुंती चौधरी, डॉ अनीस भगत एवं विभागाध्यक्ष निश्चेतना विभाग डॉ. अशोक सिंह सिदार और सर्जरी विभाग डॉ निखिलेश शिंदे सहित नर्सिंग, पैरामेडिकल स्टाफ के उचित देखरेख में यह सर्जरी संपन्न हुआ। डॉक्टरों की इस सूझबूझ, बेहतरीन टीम वर्क और त्वरित कार्यवाही ने एक महिला की जान बचाकर चिकित्सा सेवा का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत सितंबर के अंतिम सप्ताह में होगी महापरीक्षा

रायगढ़, 8 सितम्बर । जिले में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत सितंबर माह के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने वाले महापरीक्षा अभियान की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने जिले को शत-प्रतिशत साक्षर बनाने के लक्ष्य को लेकर अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा चिन्हांकित असाक्षरों को नियमित रूप से पठन-पाठन से जोड़कर महापरीक्षा में शामिल कराने पर जोर दिया है।उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के ऐसे वयस्कों को साक्षर एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है, जो स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके हैं। अभियान के तहत शेष ग्रामों एवं वार्डों में घर-घर सर्वेक्षण कर असाक्षरों की पहचान की जाएगी। इसके लिए प्रत्येक ग्राम, पारा, टोला एवं मोहल्ले में ग्राम प्रभारी अथवा वार्ड प्रभारी के नेतृत्व में 10 से 15 सदस्यीय टीम गठित की जाएगी।

पशुधन को संक्रामक रोगों से बचाने जिले में चल रहा सघन टीकाकरण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 8 सितम्बर । जिले में पशुधन को संक्रामक एवं गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने तथा पशुपालकों को बीमारी से होने वाली आर्थिक क्षति से बचाने के उद्देश्य से पशुधन विकास विभाग द्वारा सघन पशु टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत पशुओं में लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी), हेमोरेजिक सेप्टीसीमिया (एचएस), ब्लैक क्वार्टर (बीक्यू), एंटरोटॉक्सिमिया (ईटी) तथा सूकरों में होने वाले क्लासिकल स्वाइन फीवर (सीएसएफ) जैसे गंभीर रोगों की रोकथाम के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार टीकाकरण किया जा रहा है।

लम्पी, एचएस और बीक्यू से बचाव के लिए हजारों पशुओं का टीकाकरण

अभियान के अंतर्गत विभागीय पशु चिकित्सा अधिकारियों एवं मैदानी अमले द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर पात्र पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण किया जा रहा है। अब तक लम्पी स्किन डिजीज से बचाव के लिए 23,410 पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। वहीं हेमोरेजिक सेप्टीसीमिया एवं ब्लैक क्वार्टर की रोकथाम के लिए 70,895 पशुओं को टीके लगाए गए हैं। लम्पी स्किन डिजीज पशुओं में होने वाला संक्रामक रोग है। इसके संभावित लक्षणों में शरीर पर गांठ, बुखार, कमजोरी तथा त्वचा पर घाव आदि शामिल हैं। विभाग द्वारा पशुपालकों को सलाह दी गई है कि ऐसे लक्षण दिखाई देने पर पशु को अन्य पशुओं से अलग रखें और तत्काल निकटस्थ पशु चिकित्सालय अथवा विभागीय अधिकारी से संपर्क करें। साथ ही पशुओं को अनावश्यक रूप से अन्य पशुओं के संपर्क में आने से बचाने की अपील की गई है।भेड़-बकरियों और सूकरों को भी बीमारी से बचाने पर जोरएंटरोटॉक्सिमिया से बचाव के लिए जिले में 39,778 भेड़

एवं बकरियों का टीकाकरण किया जा चुका है। यह एक गंभीर बीमारी है, जो विशेष रूप से छोटे पशुओं को प्रभावित कर सकती है। बीमारी की स्थिति में अचानक कमजोरी, पेट संबंधी विकार सहित गंभीर लक्षण दिखाई दे सकते हैं और गंभीर मामलों में पशु की मृत्यु भी हो सकती है। इसी तरह सूकरों में होने वाले अत्यंत संक्रामक वायरल रोग क्लासिकल स्वाइन फीवर की रोकथाम के लिए 3,118 सूकरों का टीकाकरण किया गया है। विभाग द्वारा टीकाकरण के साथ-साथ पशुपालकों को पशुओं की नियमित देखभाल, समय पर टीकाकरण और बीमारी के शुरुआती लक्षणों की पहचान के संबंध में भी जागरूक किया जा रहा है।उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं ने जिले के सभी पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं का निर्धारित समय पर टीकाकरण अवश्य करवाएं। टीकाकरण दल के गांव में पहुंचने पर अपने पशुओं को उपलब्ध कराकर अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें। पशुओं में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल निकटस्थ पशु चिकित्सालय, पशु औषधालय अथवा विभागीय अधिकारी-कर्मचारी से संपर्क करें। विभाग ने कहा कि समय पर टीकाकरण पशुओं को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के साथ उनकी उत्पादकता बनाए रखने और पशुपालकों को संभावित आर्थिक नुकसान से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक नजर

समान नागरिक संहिता की ड्राफ्टिंग छत्तीसगढ़ में तेज

रायपुर,8 सितंबर। छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता को व्यावहारिक, समावेशी और जन-उपयोगी बनाने के लिए राज्य शासन द्वारा गठित CC समिति ने जन-परामर्श और विचार-विमर्श की प्रक्रिया तेज कर दी है। इसी कड़ी में समान नागरिक संहिता प्रारूप समिति द्वारा आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री एम. के. राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री मोहन पवार और सेवानिवृत्त प्राचार्या श्रीमती ज्योति रानी सिंह के समक्ष विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और भरण-पोषण जैसे संवेदनशील मुद्दों पर विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए कुलपति ने खुलकर अपनी राय रखी। बैठक में पारंपरिक सामाजिक मान्यताओं से लेकर आधुनिक वैधानिक सुधारों तक के कई अहम पहलुओं पर गहन मंथन हुआ। बैठक के दौरान प्रदेश के प्रमुख शिक्षाविदों और कुलपति ने कानून निर्माण की प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिन्हें CC समिति ने ड्राफ्टिंग प्रक्रिया में प्राथमिकता से शामिल करने का आश्वासन दिया है। देश के प्रतिष्ठित विधिक संस्थानों में शामिल हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विवेकानंदन ने पावर पाईट प्रजेन्टेशन देकर समान नागरिक संहिता के संबंध में विस्तृत सुझाव दिए। उन्होंने एक मजबूत, निष्पक्ष और न्यायसंगत मसौदा तैयार करने के लिए हर संभव तकनीकी और कानूनी सहयोग देने के लिए हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिबद्धता जताई। एक ऐसा कानून है जो देश के सभी नागरिकों के लिए धर्म, जाति या लिंग के भेदभाव के बिना विवाह, तलाक, बच्चा गोद लेने और उत्तराधिकार जैसे मामलों में एक जैसे नियम तय करता है। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य सभी नागरिकों को समान अधिकार देना और विशेषकर महिलाओं के लिए न्याय व समानता सुनिश्चित करना है। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सच्चिदानंद शुक्ला ने ड्राफ्ट को शोध-आधारित बनाने के लिए समाजशास्त्र, मानवशास्त्र तथा विधि विभागों के विशेषज्ञों एवं शोधकर्ताओं के इनपुट्स को शामिल करने पर बल दिया। प्रदेश के सभी जिलों में व्यापक जमीनी सर्वे कराने और आम जनता से सीधे प्रतिक्रिया (जन-फीडबैक) लेने का सुझाव दिया गया, ताकि कानून राज्य की वास्तविक परिस्थितियों और जन-आकांक्षाओं के अनुरूप तैयार हो सके। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनोज दयाल ने भी इस संबंध में सुझाव दिए।

हरियाली के साथ ग्रामीणों को रोजगार की नई राह दे रहा विकसित भारत जीरामजी

रायपुर, 8 सितंबर। विकसित भारत - जीरामजी योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन को नई दिशा दे रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में यह ग्रामीण परिवारों को गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराने के साथ ऐसे कार्यों को प्रोत्साहित कर रही है, जो भविष्य में भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के लिए उपयोगी साबित होंगे। इसी सोच का प्रभाव कोण्डागांव जिले के जनपद पंचायत बड़ेराजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बीरापारा के आश्रित ग्राम बावनपुरी में देखने को मिल रहा है। यहां समुदाय के लिए पंक्तिबद्ध मिश्रित वृक्षारोपण कार्य के तहत 5 हेक्टेयर क्षेत्र में 5,500 पौधों का रोपण किया गया है। इस कार्य के लिए वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को क्रियान्वयन एजेंसी बनाया गया है। बावनपुरी में संचालित वृक्षारोपण परियोजना के तहत लगभग 11 लाख रुपए की लागत से 2,667 मानव दिवस रोजगार का सृजन हुआ है। ग्रामीण श्रमिकों को 300 रुपये प्रतिदिन की दर से मजदूरी उपलब्ध कराई जा रही है। इससे ग्रामीण परिवारों को स्थानीय स्तर पर आय का साधन मिला है और रोजगार के लिए अन्य स्थानों पर निर्भरता कम करने की दिशा में भी मदद मिल रही है। यह कार्य इस बात का उदाहरण है कि ग्रामीण रोजगार से जुड़े कार्यों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ जोड़कर एक साथ रोजगार, पर्यावरण और आजीविका को मजबूती दी जा सकती है। मिश्रित वृक्षारोपण के अंतर्गत 13 प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। आने वाले वर्षों में इनके वृक्ष का रूप लेने से क्षेत्र में हरियाली का विस्तार होगा। साथ ही वृक्षारोपण मिट्टी एवं जल संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन तथा स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में भी सहायक होगा। पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन में ग्राम बावनपुरी की संयुक्त वन प्रबंधन समिति भी जनभागीदारी के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

सिविल अस्पताल कुरूद को अब विधायक की सीधी मॉनिटरिंग की दरकार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कुरूद 8 सितंबर। वर्ष 1952 में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में शुरू हुई कुरूद की स्वास्थ्य सेवाएं आज 100 बिस्तर वाले आधुनिक अस्पताल की ओर बढ़ रही है ।इस लंबे सफ़र में क्षेत्र के विकास और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर की भूमिका को क्षेत्रवासी महत्वपूर्ण मानते हैं।जब छत्तीसगढ़ अभिभाजित मध्य प्रदेश का हिस्सा था, उस समय से ही वे कुरूद विधानसभा का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत रहे । आज समाचार पत्रों की सुर्खियों में रहने वाले सिविल अस्पताल कुरूद को अब मॉनिटरिंग का मरहम चाहिए।

कुरूदक्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे बड़ी उम्मीद माने जाने वाला सिविल अस्पताल कुरूद लंबे समय से कभी चिकित्सकों की कमी, कभी विशेषज्ञ सेवाओं, कभी जांच सुविधाओं तो कभी संसाधनों को लेकर समाचार पत्रों की सुर्खियों में रहा है। अस्पताल का विस्तार 100 बिस्तरों

की दिशा में हो रहा है, लेकिन सवाल यह है कि बिस्तर बढ़ने के साथ क्या स्वास्थ्य सुविधाएं भी उसी अनुपात में बढ़ेंगी, यही सवाल आज कुरूद की जनता के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

कुरूद विधानसभा के विधायक एवं प्रदेश के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री व पूर्व कैबिनेट मंत्री अजय चंद्राकर स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और अस्पतालों की जमीनी जरूरतों से भली-भांति परिचित हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों की अपेक्षा है कि वे समय-समय पर सिविल अस्पताल कुरूद की सीधी मॉनिटरिंग और समीक्षा करें। जनप्रतिनिधि की सक्रिय निगरानी से अस्पताल की व्यवस्थाओं में जवाबदेही बढ़ने के साथ-साथ छोटी-बड़ी समस्याओं के समाधान को भी गति मिल सकती है।

सिविल अस्पताल कुरूद में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। कुरूद के अलावा आसपास के ग्रामीण अंचलों के लोगों के लिए भी यह अस्पताल महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र है। ऐसे में अस्पताल का विस्तार निश्चित रूप से स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन 100 बिस्तरों की क्षमता के अनुरूप चिकित्सक, विशेषज्ञ, नर्सिंग स्टाफ़ तकनीकी कर्मचारी, जांच सुविधाएं, दवाइयां और अन्य जरूरी संसाधन उपलब्ध कराना भी उतना ही जरूरी है। जनता का कहना है कि अस्पताल को केवल बड़ा भवन नहीं, बल्कि बेहतर इलाज की विश्वसनीय व्यवस्था चाहिए। यदि अभी से भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयारी की जाए तो आने वाले समय में अस्पताल पर बढ़ने वाले मरीजों के दबाव को बेहतर ढंग से संभाला जा सकता है। सिविल अस्पताल कुरूद का नाम बार-बार समाचारों में आना इस बात का संकेत है कि यहां की समस्याओं पर लगातार चर्चा तो हो रही है, लेकिन अब जरूरत चर्चा से आगे बढ़कर स्थायी समाधान तक पहुंचने की है। अस्पताल से जुड़े विषयों की नियमित समीक्षा हो, अधिकारियों से जवाब-तलब हो और आवश्यक संसाधनों की पूर्ति के लिए शासन स्तर पर पहल हो—तो अस्पताल की तस्वीर में बड़ा बदलाव संभव है।

(1)उतम साहू पार्षद नगर पालिका परिषद कुरूद कुरूद का सिविल अस्पताल हजारों लोगों की उम्मीद है। विधायक अजय चंद्राकर स्वयं पूर्व स्वास्थ्य मंत्री रहे हैं, इसलिए उनसे अपेक्षा है कि वे अस्पताल की व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा कर कमियों को दूर कराने की पहल करें।

धनेश्वरी ध्रुव नागरिक 100 बिस्तरों का अस्पताल बनना अच्छी बात है, लेकिन उसके साथ डॉक्टर और स्टाफकी संख्या भी बढ़नी चाहिए। मरीजों को बेहतर इलाज मिले, यही असली उद्देश्य होना चाहिए।

टोमन लाल सिंन्हा ,मगरलोड क्षेत्रवासी ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों के लिए कुरूद सिविल अस्पताल बेहद महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञ डॉक्टर, जांच और उपचार की सुविधाएं नियमित रूप से उपलब्ध हों तो लोगों को दूसरे शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा।

(3) तुकेश साहू

अस्पताल की समस्याएं समय-समय पर सामने आती रही हैं। अब जरूरत ऐसी मॉनिटरिंग की है जिसमें समस्या सामने आने के बाद नहीं, बल्कि समस्या पैदा होने से पहले ही उसका समाधान सुनिश्चित हो।

(4)डुमेश साहू पार्षद जनता की नजर अब मॉनिटरिंग पर कुरूद की जनता की अपेक्षा स्पष्ट है—अस्पताल का विस्तार केवल कागज और भवन तक सीमित न रहे, बल्कि हर मरीज को बेहतर और समय पर उपचार मिले। इसके लिए प्रशासनिक अमले की जवाबदेही के साथ स्थानीय विधायक की सक्रिय निगरानी महत्वपूर्ण हो सकती है। अब देखना यह होगा कि सुर्खियों में रहने वाला सिविल अस्पताल कुरूद कब व्यवस्थाओं की मजबूती और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सुर्खियां बटोरता है।

पत्रकारिता में सत्य, तथ्य और जनहित सर्वोच्च प्राथमिकता हो:राज्यपाल डेका

रायपुर, 8 सितंबर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में सावित्रीबाई फुले कन्या छात्रावास का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मेधा एआई एवं मीडिया शोध केंद्र का उद्घाटन भी किया। विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आज का दिन विश्वविद्यालय के लिए विशेष महत्व रखता है। सावित्रीबाई फुले ने महिला शिक्षा के प्रसार और नारी सशक्तिकरण के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनके नाम पर कन्या छात्रावास का नामकरण छात्राओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह छात्रावास दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उनकी उच्च शिक्षा और प्रतिभा विकास में सहायक होगा। राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आगमन से मीडिया और पत्रकारिता के स्वरूप में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। ऐसे समय में विश्वविद्यालय में स्थापित मेधा एआई एवं मीडिया शोध केंद्र विद्यार्थियों को नई तकनीकों को समझने तथा उनके जिम्मेदार और प्रभावी उपयोग के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राज्यपाल श्री डेका ने विश्वविद्यालय के प्रेरणा स्त्रोत स्वर्गीय कुशाभाऊ ठाकरे जी की प्रतिमा में श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। उन्होंने स्व. ठाकरे जी के सानिध्य में बिताए गए अवसरों और प्रेरणादायी उद्धरणों को साझा किया। श्री डेका ने कहा कि

पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार है और इसकी विश्वसनीयता बनाए रखना प्रत्येक पत्रकार का दायित्व है। समाचारों में तथ्य, सत्य और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। किसी भी व्यक्ति के संबंध में समाचार प्रकाशित करने से पहले तथ्यों की पूर्ण पुष्टि आवश्यक है, क्योंकि एक समाचार का प्रभाव व्यक्ति और समाज दोनों पर पड़ सकता है।

श्री डेका ने कहा कि सोशल मीडिया के वर्तमान दौर में सूचनाओं का तेजी से प्रसार हो रहा है, लेकिन सोशल मीडिया पर उपलब्ध प्रत्येक सामग्री सत्य हो, यह आवश्यक नहीं है। ऐसे में पत्रकारों को तथ्यों की जांच-पड़ताल के बाद ही समाचारों को प्रसारित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। एक श्रेष्ठ पत्रकार वह नहीं जो सबसे पहले खबर दे, बल्कि वह है जो सही, तथ्यपरक और जिम्मेदारी के साथ खबर दे।

राज्यपाल ने प्रिंट मीडिया के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, एआई और सोशल मीडिया के आधुनिक दौर में भी प्रिंट मीडिया आज भी विश्वसनीय माध्यम समाज में बना हुआ है। पत्रकारिता को समाज के अंतिम व्यक्ति की आवश्यकताओं और समस्याओं को सामने लाने तथा व्यवस्था में आवश्यक सुधार के लिए अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में अनेक ऐसे व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने उल्लेखनीय कार्य किए हैं, लेकिन वे व्यापक रूप से पहचाने नहीं जा सके। ऐसे अनसुने नायक-नायिकाओं के कार्यों को समाचारों और लेखों के माध्यम से समाज के सामने लाने से अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए समन्वित प्रयास करने तथा कम से कम एक हजार विद्यार्थियों का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों की आवश्यक मान्यता सुनिश्चित करने के साथ शिक्षा की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति श्री मनोज दयाल ने स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष मंडावी विभागाध्यक्ष प्रबंधन और आभार प्रदर्शन सुनील कुमार शर्मा कुलसचिव ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्राध्यापकगण, अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

तीज मिलन में छत्तीसगढ़ी संस्कृति और मातृशक्ति का हुआ सम्मान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा/धरसींवा 8 सितंबर। विधानसभा के गांव सिलयारी में लोकसंस्कृति से जुड़ाव, मातृशक्ति का सम्मान और तीज की खुशियों का उत्सव मनाया गया। सिलयारी के मंडी प्रांगण में आयोजित भव्य तीज मिलन महोत्सव में छत्तीसगढ़ की जनप्रिय राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने मातृशक्ति एवं बहनों के साथ तीज पर्व की खुशियां साझा कीं। छत्तीसगढ़ की माटी, संस्कृति और लोकपरंपराओं से गहरा जुड़ाव ही हमारी सबसे बड़ी पहचान है। तीज जैसे पारंपरिक पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि रिश्तों में अपनापन, समाज में एकता और हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का माध्यम हैं। श्रीमती लक्ष्मी वर्मा का छत्तीसगढ़ के तीज-त्योहारों और लोकपर्वों में निरंतर सहभागिता मातृशक्ति एवं प्रदेश की समृद्ध संस्कृति के प्रति उनके आत्मीय जुड़ाव को दर्शाती है। जनभावनाओं और लोकपरंपराओं से उनका यह निरंतर जुड़ाव निश्चित रूप से उन्हें जनमानस के और करीब लाता है। महोत्सव में पारंपरिक खेलकूद एवं व्यंजन प्रतियोगिताओं ने उत्सव में उल्लास और उमंग के रंग भर दिए। मातृशक्ति एवं बहनों के स्नेह और आत्मीयता से यह आयोजन और भी यादगार बन गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल नितिन गोरीशंकर अग्रवाल सह-संयोजक भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ रायपुर, जिला पंचायत सभापति श्रीमती सरोज चन्द्रवंशी , ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती गौरी साहू सभी मंडलों के मंडल अध्यक्षगण, क्षेत्रीय नेतागण, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में देवतुल्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी आयोजकों, मातृशक्ति एवं समस्त ग्रामीणजनों को भव्य तीज मिलन महोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

तिल्दा विकासखंड में 'जिस सरपंच की जितनी ताकत गांव में उतना विकास'

तिल्दा-नेवरा 8 सितंबर। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। तिल्दा विकासखंड में ग्रामीण विकास की तस्वीर कई सवाल खड़े कर रही है। जनपद पंचायत का क्षेत्र दो अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों—बलौदा बाजार और धरसींवा—में बंटा होने के बीच गांवों में विकास का स्तर भी एक समान नजर नहीं आता। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा आम है कि जिस सरपंच की जितनी राजनीतिक और प्रशासनिक पकड़, उसके गांव में उतना ही विकास दिखाई देता है। विकास के दावों के बावजूद कई गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझ रहे हैं। कहीं जर्जर स्कूल भवन बच्चों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर रहे हैं तो कहीं स्कूलों में शिक्षकों की कमी के कारण पढ़ाई प्रभावित होने की शिकायतें सामने आती हैं। कई स्थानों पर शौचालयों की स्थिति भी चिंताजनक बताई जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में नाली और सफाई व्यवस्था की स्थिति भी चिंता का विषय बनी हुई है। गांवों की गलियों में जगह-जगह गंदगी और जलभराव की समस्या दिखाई देती है। वहीं कुछ गांवों में पीने के पानी की समस्या आज भी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। गर्मी के दिनों में यह समस्या और गंभीर होने की बात ग्रामीण बताते हैं। सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, लेकिन सवाल यह है कि इन योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक कितना पहुंच रहा है।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा की पहल से रोशन होंगे बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र के 43 गांव

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 8 सितंबर। राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा की अनुशंसा पर बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न

गांवों में हाई मास्ट लाइट स्थापना हेतु 2 करोड़ 6 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। ग्रामीण अंचल में बुनियादी सुविधाओं और रात्रि में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों की सड़कों, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों को रात्रि के समय बेहतर प्रकाश व्यवस्था से आच्छादित करने की दिशा में यह एक बड़ी पहल है। मंत्री टंकराम वर्मा ने इस संबंध में कहा कि बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हाई मास्ट लाइट लगने से ग्रामीण अंचलों में सुरक्षा और सुविधा का नया वातावरण निर्मित होगा। मुख्य चौराहों और प्रमुख स्थलों पर हाई मास्ट लाइट लगने से रात्रि के समय आवागमन सुगम होगा, असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगेगा और गांव की सुंदरता में भी वृद्धि होगी। रायपुर और बलौदाबाजार-भाटापारा जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों के लिए कुल 1 करोड़ 50 लाख रुपये की विकास राशि स्वीकृत की गई है। इस बजट से रायपुर जिले के तिल्दा और बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सिमगा विकासखंड के अंतर्गत आने वाली 15 -15 ग्राम पंचायतों के लिए स्वीकृति दी गई है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में 5-5 नग हाई मास्ट लाइट की स्थापना के लिए 5 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

***छत्तीसगढ़ में सौर क्रांतिः 1500 का बिजली बिल 'शून्य': रायपुर, 8 सितंबर।** 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' केवल मुफ़्त रोशनी ही नहीं फैला रही, बल्कि ग्रामीणों के आर्थिक सशक्ति करण का नया जरिया भी बन रही है। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के छिंद गांव निवासी लोकनाथ साव की कहानी इस हरित बदलाव की एक मिसाल है कभी हर महीने बिजली के बिल से परेशान रहने वाले लोकनाथ आज न केवल शून्य बिजली बिल का आनंद ले रहे हैं।

मुफ्त बिजली योजना से सरगुजा में बढ़ रही ऊर्जा आत्मनिर्भरता

रायपुर, 8 सितंबर। प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना सरगुजा जिले में परिवारों को बिजली खर्च से राहत देने के साथ उन्हें ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। घरों की छतों पर स्थापित रूफ्टॉप सोलर संयंत्र अब केवल घरेलू बिजली की जरूरत पूरी करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हितग्राही अतिरिक्त बिजली का उत्पादन कर विद्युत ग्रिड में भी योगदान दे रहे हैं। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत आमदरहा निवासी श्री आलम साय रजवाड़े इसकी प्रेरणादायी मिसाल हैं।

श्री आलम साय ने अपने घर की छत पर प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर संयंत्र स्थापित कराया। उन्होंने बताया कि संयंत्र लगने से पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग 1,500 से 2,000 रुपये तक आता था। सौर ऊर्जा का उपयोग शुरू होने के बाद पिछले लगभग साढ़े तीन महीने से उनका बिजली बिल शून्य है। इससे परिवार के मासिक खर्च में उल्लेखनीय राहत मिली है।

श्री आलम साय कहते हैं, ÷पहले मैं बिजली उपभोक्ता था, लेकिन अब बिजली दाता बन गया हूं।÷ उन्होंने बताया कि सोलर संयंत्र से उत्पादित बिजली से पहले घर की जरूरत पूरी होती है और इसके बाद बचने वाली अतिरिक्त बिजली ग्रिड में चली जाती है।

श्री आलम साय के अनुसार उनके घर में स्थापित सोलर संयंत्र से घरेलू खपत के बाद अतिरिक्त बिजली का भी उत्पादन हो रहा है। लगभग साढ़े तीन महीने की अवधि में करीब 850 यूनिट अतिरिक्त बिजली ग्रिड को दी जा चुकी है। इस तरह उनका परिवार बिजली की जरूरत पूरी करने के साथ ऊर्जा उत्पादन में भी भागीदार बन गया है।

श्री आलम साय ने बताया कि सोलर संयंत्र स्थापित करने के लिए उन्हें केंद्र सरकार की ओर से 78 हजार रुपये तथा राज्य सरकार की ओर से 30 हजार रुपये की सहायता प्राप्त हुई। इस तरह कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी मिलने से सोलर संयंत्र स्थापित करने का आर्थिक भार काफी कम हुआ। उन्होंने बताया कि योजना के तहत आवेदन से लेकर संयंत्र स्थापना तक की प्रक्रिया सुविधाजनक रही। योजना से मिले लाभ से उत्साहित श्री आलम साय ने अन्य पात्र बिजली उपभोक्ताओं से भी प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने की अपील की।

श्री आलम साय ने कहा, मेरा बिजली बिल लगभग साढ़े तीन महीने से शून्य है। योजना का मुझे बहुत फायदा मिला है और मैं इससे बहुत खुश हूं।

न्यायालय तहसीलदार लाल बहादुर नगर के न्यायालय में मामला क्रमांक :202608094500030

विषय:- ब-121 सन् 2025-2026

मामले की श्रेणी :- राजस्व

मेढ़ा प.ह.न. 00018 [(हे.)]

पक्षकारों का विवरण-

आवेदक पक्षकार- हृदय कुमार मंडावी,

अनावेदक पक्षकार - छ.ग. शासन,

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक हृदय कुमार मंडावी पिता रामनाथ मंडावी जाति गोड़ निवासी ग्राम मेढ़ा तहसील-लाल बहादुर नगर, जिला राजनांदगांव द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि, आवेदक हृदय कुमार मंडावी की बड़ी मां ललन्तीन पति रामबिलास जाति गोड़ की मृत्यु दिनांक 27.05.2011 को स्थान ग्राम मेढ़ा में हुई है, जो कि भूलवश ग्राम पंचायत मेढ़ा में संधारित मृत्यु पंजी/रजिस्ट्रार में दर्ज नही हो पाया है। आवेदक द्वारा अपनी बड़ी मां ललन्तीन पति रामबिलास जाति गोड़ की मृत्यु दिनांक 27.05.2011 को ग्राम पंचायत मेढ़ा में संधारित मृत्यु पंजी में दर्ज करवाकर मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाहता है। अतः ग्राम पंचायत मेढ़ा में संधारित मृत्यु पंजी में दर्ज करवाकर मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन पत्र सहित शपथ पत्र, जन्म/मृत्यु पंचनामा में सचिव/सरपंच द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र, रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) ग्राम पंचायत मेढ़ा जनपद पंचायत डोंगरगढ़ राजनांदगांव का अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, पेश कर निवेदन किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति पेश करना हो तो वह स्वयं या अपने अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 09.09.2026 तक या उसके पूर्व प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/08/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
लाल बहादुर नगर

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)

(प्रथम आमंत्रण) दुर्ग, दिनाक 01.09.2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र 'अ' में प्रतिशत दर पर दिनांक 21.09.2026 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क्र./सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
294/198673	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग पंडरिया के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम. एंव बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	84.72
295/198674	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग पंडरिया के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम. एंव बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	42.37
296/198675	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग क्र. 01 बालोद के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम. एंव बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	84.74
297/198676	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग क्र. 02 बालोद के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम. एंव बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	21.19
298/198677	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग क्र. 01 बालोद के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम. एंव बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	84.74
299/198678	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग मोहला-मानपुर के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	42.37
300/198679	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग अं. चौकी के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	67.80
301/198681	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग बोडला के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम. एंव बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	42.37
302/198682	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग बोडला के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम. एंव बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	84.75
303/198683	कार्य लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग कवर्धा के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	84.75
304/198684	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग कवर्धा के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	84.75
305/198685	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम. एंव बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	42.37
306/198686	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग साजा के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम. एंव बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	110.06
307/198687	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग नवागढ़ के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम. एंव बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	113.70
308/198688	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग बेमेतरा के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू. एम. एम. एंव बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	114.37

टीप

1. उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

जी-262703130/9

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग दुर्ग मंडल दुर्ग

जंगलों की कटाई पर वन मंत्री कश्यप का रुख सख्त

अवैध कटाई पर तत्काल कार्रवाई होगी, अफसरों की जवाबदेही तय करने के निर्देश

रायपुर 8 सितंबर। छत्तीसगढ़ में वन विभाग के कामकाज को लेकर सरकार ने अब बजट खर्च से ज्यादा धरातल पर दिखने वाले परिणाम और कार्यों की गुणवत्ता को प्राथमिकता देने का संकेत दिया है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि विभाग की सफलता केवल बजट खर्च करने से नहीं, बल्कि वन संरक्षण, पारदर्शिता, सामुदायिक भागीदारी और योजनाओं के वास्तविक परिणामों से तय होगी।

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के समापन अवसर पर अधिकारियों को संबोधित करते हुए मंत्री ने सकारात्मक सोच, टीम भावना और जवाबदेही के साथ काम करने तथा नियमित एवं साप्ताहिक समीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री कश्यप ने कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में कई वनमंडल अधिकारियों ने बजट व्यय के मामले में अच्छा प्रदर्शन किया है। हालांकि अब केवल खर्च की गई राशि नहीं, बल्कि उससे हासिल हुए परिणाम और कार्यों की गुणवत्ता का भी मूल्यांकन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भविष्य में बजट व्यय को अधिकारियों के वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन से जोड़ने की व्यवस्था की जाएगी। यानी किसी योजना में कितना पैसा खर्च हुआ, इसके साथ यह भी देखा जाएगा कि उस राशि से वन संरक्षण, वृक्षारोपण, वनवासियों की आजीविका और अन्य योजनाओं में कितना ठोस बदलाव आया। वन मंत्री ने कहा कि वन प्रबंधन मूल रूप से समुदाय

आधारित व्यवस्था है। वनाश्रित लोगों को उनकी वनोपज का उचित और वास्तविक मूल्य दिलाना विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

उन्होंने अधिकारियों को अधिक से अधिक फील्ड विजिट करने के निर्देश दिए। उनका कहना था कि अधिकारियों की जमीनी स्तर पर मौजूदगी से जवाबदेही बढ़ेगी और कार्यों की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। विभागीय और निविदा के माध्यम से होने वाले कार्यों की गुणवत्ता पर भी विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए। मंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।मंत्री कश्यप ने विभाग की खरीद प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाजार दर की तुलना में अत्यधिक कम कीमत पर सामग्री मिलने की स्थिति में उसकी गुणवत्ता की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। उन्होंने किसी भी प्रकार के वित्तीय समायोजन अथवा अनियमित प्रक्रिया को समाप्त कर सभी खरीदी निर्धारित नियमों और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत करने को कहा।

वन संरक्षण को विभाग का सर्वोच्च दायित्व बताते हुए मंत्री ने कहा कि अवैध वृक्ष कटाई किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जंगल एक दिन में नहीं कटता, इसलिए विभाग का सूचना तंत्र इतना मजबूत होना चाहिए कि किसी भी अवैध गतिविधि की जानकारी सबसे पहले वन विभाग को मिले। सूचना मिलते ही जिम्मेदार लोगों के खिलाफ त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति निर्धारित समय सीमा में जारी करने के निर्देश दिए गए, ताकि विकास एवं संरक्षण से जुड़े कार्य अनावश्यक रूप से लंबित न रहें। मंत्री ने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से सामान्य स्थिति बहाल होने के साथ ईको-टूरिज्म की संभावनाएं भी बढ़ी हैं।

एक नजर

नारी वंदन अवॉर्ड विजेता महिलाओं का सम्मान

रायपुर 8 सितंबर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) महिला विंग के प्रदेश अध्यक्ष , श्रीमती मधु अरोरा, महिला प्रदेष महामंत्री श्रीमती पिंकी अग्रवाल एवं महिला प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीमती प्रेरणा भट्ट ने बताया कि दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 में 14 अगस्त को छत्तीसगढ़ की महिलाओं - मधु अरोरा (प्रदेश अध्यक्ष), प्रेरणा भट्ट, प्रदेश कोषाध्यक्ष, एकता ठाकुर ई डिजी फाउंडर, अनुराधा साहू, अर्चना साहू, को नारी वंदन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान CAIT राष्ट्रीय वाईस चेयरमेन श्री अमर पारवानी जी' के नेतृत्व में संपन्न हुआ । उपरोक्त कार्यक्रम में कैट , युवा कैट एवं महिला कैट के पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहेः - अमर पारवानी,जितेंद्र दोशी, परमानंद जैन, सुरिंदर सिंह, अवनीत सिंह, विजय पटेल, रतन सिंह ,मधु अरोरा , प्रेरणा भट्ट,नीलम दिवकीर्ति, शालू , प्रिया जोशी, श्रावणी चटर्जी, रीना राजपाल मीनल चैहान और अन्य सदस्य उपस्थित रहे

शिवाजी स्कूल ने किया 150 मेधावी विद्यार्थियों के अभिभावकों का सम्मान

रायपुर 8 सितंबर। किसी भी विद्यार्थी के परीक्षा में प्रावीण्य सूची में आने पर उनकी कड़ी मेहनत होती है, किन्तु उनके अभिभावक का भी बहुत योगदान व समर्पण होता है। अभिभावकों के इस योगदान व उनके प्रयासों को ध्यान में रखते हुए वीर छत्रपति शिवाजी स्कूल द्वार एक नवीन प्रयोग करते हुए बीते सत्र में वार्षिक परीक्षा में प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों के लिए अग्रसेन भवन, पुरानी बस्ती में अभिभावक सम्मान समारोह आयोजित किया गया । माता पिता की मेहनत को समर्पित इस समारोह में डेढ़ सौ पालकों को सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाकर पालकों को अपने बच्चों के लिए और ज्यादा मेहनत करने की प्रेरणा मिली, इस अवसर पर मंच से बच्चों पर ध्यान देने संबंधी विचार रखते हुए पालकों की आँखे छलक उठी।अपने वक्तव्य में अभिभावकों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह पहला मौका है जब उनके बच्चों की उपलब्धियों के लिए पहली बार उन्हें सभी पालकों के सामने सम्मानित किया जा रहा है। इस गरिमामयी समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता श्री सच्चिदानंद उपासने थे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक व समाज सेवी डॉ. दिनेश मिश्रा ने की। अतिथियों ने अपने संबोधन में सम्मानित होने वाले पालकों को बधाई देते हुए शिवाजी स्कूल द्वारा प्रारंभ की गई इस नवीन परंपरा को प्रशंसनीय बताया। उन्होंने कहा कि इससे पालक अपने बच्चों की पढ़ाई हेतु और ध्यान देंगे तथा अन्य विद्यार्थियों व पालकों को भी इससे और ज्यादा मेहनत करने की प्रेरणा मिलेगी।

जमीन के सीमांकन की प्रक्रिया अब होगी आसान और पारदर्शी

रायपुर 8 सितंबर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन सरकार राजस्व सेवाओं को डिजिटल बनाकर नागरिकों की सुविधा बढ़ा रही है।नई व्यवस्था में सीमांकन के लिए आवेदन से लेकर रिपोर्ट तक की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी, जिससे नागरिकों को अनावश्यक भाग दौड़ से भी रहत मिलेगी। छत्तीसगढ़ में जमीन सीमांकन की प्रक्रिया अब पूरी तरह ऑनलाइन, आसान और पारदर्शी होगी। नागरिक CSC/चॉइस सेंटर, राजस्व विभाग के Citizen Portal या सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। नया डिजिटल मॉड्यूल 7 दिनों के भीतर लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्विवाद मामलों में आवेदक को तहसील कार्यालय जाने की जरूरत नहीं होगी। केवल आपत्ति होने पर ही कार्यालय जाना पड़ेगा।

बढ़ती महंगाई से आम आदमी परेशान: कांग्रेस

रायपुर 8 सितंबर। बढ़ती महंगाई पर प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने गहरी चिंता व्यक्त किया है। उन्होंने कहा रोजमर्रा की जरूरतो के समानो की बेतहाशा बढ़ी महंगाई तथा खाद्य तेल, शक्कर प्याज के बढ़े दाम आम आदमी को परेशान कर रहे है। राशन सामाग्री के दाम दुगुने हो गये है, पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस तथा बढ़े बिजली बिल से जनता के घर का बजट बिगड़ गया है। 100 दिन में महंगाई कम करने का वादा कर अच्छे दिन लाने वाले मोदी के शासनकाल में जनता बद्तर दिन में जीवन काटने को मजबूर है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राखी के त्योहार में शक्कर एवं खाद तेलो की बढ़ती कीमतों ने त्योहार का मजा फीका कर दिया है। आम आदमी त्योहार कैसे मनाये। पिछले एक पखवाड़े में शक्कर की कीमत में 40 से 50 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। खाद तेल के दाम दोगुने हो गये है। प्याज 50 रू. किलो पहुंच गया है। आम गृहणी की रसोई की बजट बिगड़ गया है। अच्छे दिनों का वादा कर सरकार में आई मोदी सरकार ने आम आदमी को महंगाई से परेशान कर रखा है। दाल की कीमते दोगुनी हो गई है, लहसुन 400 किलो, आलू, प्याज, टमाटर एवं सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। दालों की कीमते दुगुनी हो गयी है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि एक तरफबढ़ती बेरोजगारी, घटते इनकम से लोग परेशान हैं वही दैनिक उपभोग की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से जनता परेशान है। केंद्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के चलते ही महंगाई बेलगाम हो चुकी हैं।

ढाई साल में सड़कें बदहाल: दीपक बैज

रायपुर 8 सितंबर। पूरे प्रदेश में सड़कों की बदहाल स्थिति के लिए भाजपा की सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि सड़कों को प्रदेश के विकास की धमनी कहा जाता है, सरकार नई सड़के तो बना नहीं पा रही, पुराने सड़कों की मरम्मत जो नियमित प्रक्रिया है, वह भी पूरी तरह बंद है। छत्तीसगढ़ में साय सरकार का आधे से अधिक कार्यकाल गुजर चुका है लेकिन अभी तक केवल मंजूरी और स्वीकृति के फर्जी दावे से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। भाजपा के कुशासन में केवल भ्रष्टाचार का ही विकास हुआ है, सड़कों रखरखाव के जिम्मेदार अधिकारी मंत्रियों के परिजनों की तेरही के बंदोबस्त में रहे, आम जनता टैक्स चुकाकर भी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है। भाजपा के कुशासन में भ्रष्टाचार ही विकास है। शहरों से लेकर गांव सड़कों के गड्ढे तालाब बन चुके, नए पुल-पुलियों के स्लैब गिर रहे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि विगत ढ़ाई साल में हजारों करोड़ पीडब्लूडी को बजट आबंटन किया गया जब सड़के बदहाल हैं तो यह राशि आखिर गई कहां? जो भी नए सड़क पुल पुलिया बने भी वे उद्घाटन से पहले या ठीक बाद ही जर्जर हो गए। पीडब्लूडी मंत्री के गृह जिले मुंगेली जिले के अमर टापू धाम में करीब साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत से बन रहे पुल का स्लैब पहली ही ढलाई में गिर गया, निर्माण गुणवत्ता और विभागीय निगरानी, और भ्रष्टाचार की कलई खुल गई है। यह सरकार केवल कमीशनखोरी में मस्त है। निर्माण में घटिया सामग्री, तकनीकी लापरवाही और ठेकेदारों से अनुचित वसूली की वजह से ही यह हादसा हुआ।

प्रदेश में स्कूलों की हालत खराब, बच्चे आंदोलन कर रहे

रायपुर 8 सितंबर । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षा सत्र शुरू हुए 4 महीना हो गया सरकार बच्चों को स्कूलों में सुविधाएं नहीं दे पा रही। अभी तक दो दर्जन से अधिक जगहों पर बच्चे, शाला भवन, किताब-कॉपी की मांग तथा शिक्षकों की कमी दूर करने की मांग को लेकर आंदोलन कर चुके है। कल ही सरगुजा के शिवपुर के एकलव्य विद्यालय की छात्राएं अपनी मांगों को लेकर 40 किमी पैदल चल कर कलेक्टर से मिलने निकल गयी। इनके विद्यालय में 3 माह से बिजली बंद है, मेस में ठीक से खाना नहीं मिल रहा है। शिक्षक की कमी है, पढ़ाई नहीं हो रही है। शर्मनाक है कि शिक्षा मंत्री समस्या दूर करने की बजाय बच्चों के आंदोलनों को कांग्रेस के द्वारा कराया जा रहा बताते है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश में एक भी ऐसी सड़क नहीं बची है जिस पर आप आसानी से चल सके। सड़कों में बड़े गड्ढे हो गये है। राजधानी रायपुर से बस्तर, सरगुजा, जशपुर सभी जगह सड़कों की हालत बहुत खराब है। आम आदमी सड़कों की बदहाली को लेकर आक्रोश व्यक्त कर रहा। राजधानी में सड़कों की बदहाली दिखाने के लिए एक पत्रकार को जेल भेज दिया गया।

धर्मांतरण के नाम पर विदेशी शक्तियों ने समाज को तोड़ा:डॉ.पूर्णेंदु सक्सेना

रायपुर 8 सितंबर। वनवासी विकास समिति, रायपुर महानगर की ओर से शबरी कन्या आश्रम छात्रावास में रक्षाबंधन उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वनवासी संस्कृति, शिक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण पर जोर दिया गया। इस दौरान आश्रम की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जबकि जनजातीय बहनों ने अतिथियों और उपस्थित नागरिकों को रक्षासूत्र बांधा।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्यक्षेत्र के क्षेत्रीय संघचालक डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना ने कहा कि एक-दूसरे की मान्यताओं और परंपराओं की रक्षा करना भारत के मूल स्वभाव का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि वनवासी समाज की जीवनशैली और प्रकृति-पूजक संस्कृति विशिष्ट है और इसकी रक्षा के लिए सामाजिक एवं वैचारिक स्तर पर प्रयास किए जाने चाहिए।

उन्होंने धर्मांतरण का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी दृष्टि में धर्मांतरण की आड़ में विदेशी शक्तियों के प्रभाव से वनवासी समाज की सहज आस्था और सामाजिक संरचना प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि वनवासी समाज को सशक्त बनाकर उसकी प्रगति में सहभागी बनना जरूरी है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में प्रलोभन के जरिए धर्मांतरण की गतिविधियों को लेकर

समाज में चिंता है। उन्होंने कहा कि परिवार व्यवस्था और प्रकृति पूजा जनजातीय समाज की महत्वपूर्ण ताकत हैं और इनके संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं।विशिष्ट अतिथि आदर्शिनी महिला मंडल की अध्यक्ष मंजुला कंवर ने शबरी कन्या आश्रम में वनवासी बालिकाओं को दी जा रही शिक्षा और संस्कारों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बालिकाओं के बेहतर भविष्य और सुरक्षा के लिए समाज को सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता वनवासी विकास समिति के रायपुर महानगर अध्यक्ष रवि गोयल ने की।

राजा गुरु बालकदास की जयंती मनाई गई

रायपुर 8 सितंबर। ग्राम बहेरा, बेरला में महान संत एवं समाज सुधारक राजा गुरु बालकदास जी की जयंती के अवसर पर श्रद्धा और उत्साह के साथ समारोह का आयोजन किया गया। जयंती समारोह में भाजपा किसान नेता श्री योगेश तिवारी जी शामिल हुए और गुरु बालकदास जी को नमन करते हुए उनके आदर्शों एवं विचारों को स्मरण किया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं एवं समाजजनों ने राजा गुरु बालकदास जी के जीवन, संघर्ष और समाज के प्रति उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम में भक्तिमय एवं सामाजिक वातावरण देखने को मिला। बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं समाज के लोग समारोह में उपस्थित रहे। इस अवसर पर योगेश तिवारी जी ने कहा कि राजा गुरु बालकदास जी का जीवन समाज को सत्य, समानता, सद्भाव और एकता का मार्ग दिखाने वाला रहा है। उन्होंने समाज में फैली कुरीतियों और भेदभाव को दूर करने तथा लोगों को संगठित होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उनके विचार आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणादायी हैं।

आज रात्रि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में भजन

रायपुर 8 सितंबर। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी जैन दादाबाड़ी में पर्यूषण पर्व के प्रथम दिवस सैकड़ों श्रद्धालुओं ने नवांगी पूजन में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया । प्रातः जिनमंदिर के पट खुलते ही श्रावक श्राविकाओं का आना आरम्भ हो गया सर्वप्रथम स्नात्र पूजन के परमात्मा का जन्मकल्याणक मनाया गया । श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि आज रात्रि 8 बजे से श्री सीमंधर स्वामी परमात्मा के सम्मुख सुप्रसिद्ध म्यूज़िक ग्रुप विरति के द्वारा प्रभुभक्ति की जावेगी । कोचर ने आगे बताया कि दादागुरुदेव की प्रतिमाओं की नयनाभिराम आंगी बनाई गई । जिसके दर्शन करने भक्तों का तांता लगा रहा । आज की प्रभुभक्ति के लाभार्थी संतोष जी सरला देवी बैद परिवार हैं । कल 9 सितम्बर को भैरव भक्त मण्डल द्वारा प्रभु भक्ति होगी ।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव से मिले विधायक पुरन्दर मिश्रा

रायपुर 8 सितंबर। नई दिल्ली स्थित मेदांता अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ ले रहे भारतीय जनता पार्टी के ऊर्जावान प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता किरण सिंह देव से उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक पुरन्दर मिश्रा ने आत्मीय मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना।

इस दौरान विधायक श्री मिश्रा ने श्री किरण सिंह देव जी के स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी लेते हुए उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ जी की कृपा से प्रदेश अध्यक्ष जी के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है। यह हम सभी के लिए प्रसन्नता का विषय है। विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि श्री किरण सिंह देव जी सदैव संगठन को मजबूत करने और जनसेवा के कार्यों में सक्रिय एवं समर्पित भूमिका निभाते रहे हैं। उनके स्वस्थ होकर शीघ्र ही पुनः जनसेवा और संगठनात्मक दायित्वों में सक्रिय होने की सभी कार्यकर्ताओं को प्रतीक्षा है। उन्होंने भगवान जगन्नाथ जी से प्रार्थना की कि श्री किरण सिंह देव जी को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं पूर्ण आरोग्य प्रदान करें, ताकि वे पुनः उसी ऊर्जा और उत्साह के साथ प्रदेश एवं समाज की सेवा में जुट सकें।

रैंप वॉक के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में अपनी प्रस्तुति दी

तीज क्वीन बनी नेहा श्रीवास्तव

रायपुर 8 सितंबर। रायपुर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित तीज महोत्सव में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी ने आयोजन को खास बना दिया। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक भावना बोहरा और राज्यसभा सदस्य लक्ष्मी वर्मा की मौजूदगी में तीजा महोत्सव के तहत रैंप वॉक, डांस, गायन एवं विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं सहित विविध आयोजन हुए। कार्यक्रम में महिला पत्रकारों एवं प्रेस क्लब की महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।महोत्सव में पारंपरिक तीजा उत्सव की संस्कृति और आधुनिक अंदाज का सुंदर समन्वय देखने को मिला। रैंप वॉक के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में अपनी प्रस्तुति दी, वहीं डांस और गायन प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका पूर्व पत्रकार एवं भाजपा प्रवक्ता शताब्दी पांडे और समाजसेवी श्वेता पड्डा ने निभाई। प्रतिभागियों की प्रस्तुति, आत्मविश्वास, प्रतिभा, व्यक्तित्व और रचनात्मकता के विभिन्न पहलुओं का आकलन कर विजेताओं का चयन किया गया।

तीज महोत्सव में नृत्य व तीज सुंदरी प्रतियोगिता सम्पन्न

रायपुर 8 सितंबर। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन छ.ग. एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद छ.ग. द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रदेश की विप्र महिलाओं/युवतियों को पूर्णतः पारिवारिक, सामाजिक माहौल में मंच प्रदान करने तीज महोत्सव पर रंगारंग फोक व क्लासिकल नृत्य एवं तीज सुंदरी प्रतियोगिता का आयोजन वृन्दावन हॉल, सिविल लाईन में किया गया. इस कार्यक्रम के अतिथि श्री पुरन्दर मिश्रा-विधायक रायपुर उत्तर, श्रीमती दीप्ति दुबे-वरिष्ठ समाजसेवी, श्रीमती शताब्दी पाण्डेय-प्रदेश प्रवक्ता भाजपा थे एवं निर्णायक डॉ. मीनाक्षी बाजपेयी, श्रीमती उषा शर्मा, नृत्य शिक्षिका थी.

तीज महोत्सव के फोक व क्लासिकल नृत्य प्रतियोगिता में एकल नृत्य में प्रथम - सरोज शर्मा, द्वितीय - सोनम राय, समूह नृत्य में प्रथम - वंशिका ठाकुर - स्तुति शुक्ला एवं द्वितीय - सीमा - अभिलाषा, समूह नृत्य में प्रथम - महिषासुर मर्दनी ग्रुप एवं द्वितीय - पंजाबी वुमेन वेलफेयर सोसायटी ग्रुप रहा।

स्मार्ट मीटर के नाम पर फर्जीवाड़ा प्रमाणित:महंत

रायपुर 8 सितंबर। छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर स्मार्ट मीटर के नाम पर प्रमाणित फ़र्ज़ीवाड़ा का दस्तावेज सौपा है। डॉ. महंत ने प्रदेश भर में लगाए जा रहे तथाकथित स्मार्ट मीटरों में सामने आ रहे भारी फर्जीवाड़े और उपभोक्ताओं पर थोपे जा रहे बेतहाशा बिजली बिलों को लेकर राज्य सरकार और बिजली विभाग के खिलाफ कड़ा प्रतिकार दर्ज कराया है। डॉ. महंत ने इसे स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता की जेब पर खुला डाका करार दिया है। साक्ष्यों के साथ उजागर हुआ खेल..डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा प्रदेश के जिलों और नगरीय निकायों में आनन-फानन में स्मार्ट मीटर थोपे जा रहे हैं। जब से ये मीटर लगे हैं, तब से आम उपभोक्ताओं के बिजली बिल 2 से 4 गुना तक बढ़ चुके हैं। हजारों उपभोक्ताओं ने लिखित और प्रमाणित साक्ष्यों के साथ शिकायतें दर्ज कराई हैं। कई मामलों में तो उपभोक्ताओं ने घर के सारे उपकरण बंद रखकर भी मीटर की तेज रफ्तार रीडिंग को वीडियो व अन्य माध्यमों से प्रमाणित किया है। बंद घरों में भी यूनिटों का अंधाधुंध बढ़ना यह साबित करता है कि यह केवल सामान्य तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग में किया गया गंभीर फर्जीवाड़ा है। नेता प्रतिपक्ष ने तीखा प्रहार करते हुए कहा, महंगाई की मार झेल रही जनता पर दोहरा प्रहार है,प्रदेश का गरीब, किसान और मध्यम वर्ग पहले से ही कमरतोड़ महंगाई और बढ़ी हुई बिजली दरों से त्रस्त है। ऐसे में 'पारदर्शिता' का ढोंग रचकर स्मार्ट मीटरों के जरिए जनता पर फर्जी बिलों का असहनीय बोझ लाद दिया गया है। जब पीड़ित उपभोक्ता शिकायत लेकर जाते हैं, तो बिजली विभाग के स्थानीय अधिकारी गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाकर उन्हें टरका रहे हैं, विभाग का यह संवेदनहीन रुख असहनीय है।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26